@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 8 अगस्त 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 273 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

वित्त मंत्री ने राज्यसभा में पेश किया विनियोग विधेयक: निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 7 अगस्त। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में विनियोग विधेयक (नंबर 2) 2024 पेश किया। इस विधेयक के जरिए भारत की समेकित निधि से वित्तीय वर्ष 2024-25 में खर्च के लिए एक निश्चित धनराशि को अधिकृत किया जाना है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने जम्मू कश्मीर

विनियोग (नंबर 3) विधेयक भी ऊपरी सदन में पेश किया। लोकसभा ने पिछले हफ्ते ही ये दोनों विधेयक पारित किए थे। इन विधेयकों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि सरकार का ध्यान अमीरों और गरीबों के बीच आर्थिक असमानता कम करने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को कीमतों को नियंत्रण में रखने और रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने सिर्फ बड़ी कंपनियों के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि लोगों की घरेलू बचत कम हो रही है, जो यह साबित करता है कि गरीबी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ रही है लेकिन आमदनी वही है जो 10 साल पहले थी। सिंह ने कहा, मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान अरबपतियों की संख्या सबसे ज्यादा बढ़ी है। गरीब और गरीब होते हुए और अमीर ज्यादा अमीर होते गए। सिंह ने देश के 300 धनाढ्य परिवारों पर दो प्रतिशत की दर से संपत्ति कर लगाने की भी वकालत की। सिंह ने वित्तमंत्री से कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली सभी दवाओं और यंत्रों पर सीमा कर हटाने की भी मांग की।

विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक से ज़्यादा वज़न के कारण बाहर

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 अगस्त। विनेश फोगाट का वजन 100 ग्राम अधिक हो जाने के कारण उन्हें ओलंपिक कुश्ती का फाइनल मैच खेलने से अयोग्य करार दे दिया गया। इससे फोगाट से ओलंपिक स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे देश के 140 करोड़ लोगों को भारी झटका लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर विनेश को अभी भी देश का असली चैंपियन होने की बात कही है। लेकिन सभी लोग यह जानकर हैरान हैं कि ओलंपिक खेलों के लिए बेहद कड़ी ट्रेनिंग से गुजरने वाली विनेश फोगाट और उनकी टीम से यह गड़बड़ी कैसे हो गई? विनेश फोगाट का वजन अब तक बिल्कुल सही रेंज में चल रहा था, फिर यह अचानक बढ़ कैसे गया? क्या फोगाट और उनकी टीम को इसकी जानकारी हो गई थी और क्या इसे ठीक करने की कोशिश की गई थी? सूत्रों की मानें तो विनेश फोगाट और उनकी टीम को इस खतरे की जानकारी एक दिन पहले ही हो गई थी। वजन को नियंत्रित करने के लिए टीम ने कड़ी एक्सरसाइज करने के साथ-साथ कई अन्य प्रयास भी किए थे, लेकिन अंततः वे इसमें सफल नहीं हो पाए और फोगाट को इसका नुकसान उठाना पड़ा। डाइटीशियन कोमल वशिष्ठ ने अमर उजाला से कहा कि सबसे पहले तो हमें यह समझना चाहिए कि 50 ग्राम या सौ ग्राम का वजन दिनभर की क्रिया में कई बार कम या अधिक होता रहता है। कड़ी भूख लगने पर वजन कुछ कम हो सकता है, तो केवल एक-दो ग्लास अतिरिक्त पानी पी लेने से इतना वजन बढ़ सकता है। इसी तरह खाने में कार्बोहाइड्रेट की कुछ मात्रा भी अधिक होने से वजन बढ़ जाता है, जबकि दो से चार किलोमीटर की साधारण चाल या दौड़ से भी इतना वजन कम हो सकता है। ऐसे में बेहद कड़ी नियंत्रित भोजन और एक्सरसाइज शेड्यूल से ही वजन को लिमिट में रखा जा सकता है। कोमल वशिष्ठ ने कहा कि ओलंपिक स्पर्धाओं में वजन को लेकर जितने कड़े मानक बनाये जाते हैं और जिस तरह कड़ाई से उनका पालन किया जाता

है, किसी खिलाड़ी के लिए यह बेहद मुश्किल है कि वह वजन को ठीक उसी मात्रा (विनेश फोगाट के मामले में 50 किलो) पर नियंत्रित कर सके। इस तरह की किसी संभावित गड़बड़ी से बचने के लिए खिलाड़ियों को अपना वजन तय मानक से एक किलो के आसपास (वजन कम रखने की आधिकारिक सीमा की अनुमति के अनुसार) रखना चाहिए। इससे कभी वजन में सौ-दो सौ ग्राम अधिक भी होता है तो खिलाड़ी को कोई नुकसान नहीं होता। हम भारतीयों के अंदर यह धारणा बन गई है कि कार्बोहाइड्रेट अधिक खाना चाहिए, जबकि वसा कम खाना चाहिए क्योंकि इससे वजन बढ़ता है। जबकि शरीर विज्ञान के विशेषज्ञों का मानना है कि दैनिक श्रम और शरीर की आवश्यकता के अनुसार भोजन में कार्बोहाइड्रेट कम रखना चाहिए, जबकि अच्छे फैट को निश्चित सीमा के अंदर खाकर भी वजन कम किया जा सकता है। यह बड़ी गलतफहमी है कि फैट वजन को बढ़ाता है। यदि निश्चित सीमा के अंदर फैट लिया जाए, तो इससे वजन कम करने में सहायता मिलती है। डाइटीशियन के अनुसार, भोजन में सबसे अधिक प्रोटीन, उससे कम वसा और कार्बोहाइड्रेट सबसे कम रखने की कोशिश करनी चाहिए। जबकि आम भारतीयों का भोजन इसके ठीक उलट होता है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान दादरी पहुंचे, चाचा महावीर फोगट से की मुलाकात

कौमी संवाददाता

हिसार (हरियाणा), 7 अगस्त। पहलवान विनेश फोगाट के ओलिंपिक मुकाबले से डिसक्वालीफाई होने पर हरियाणा के लोग सदमे में हैं। विनेश फोगाट न केवल फाइनल से बाहर हो गई, बल्कि मेडल से भी चूक गईं। इस कड़ी में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा के चरखी दादरी में भारतीय पहलवान विनेश फोगट के चाचा महावीर फोगट से मुलाकात की। भगवंत मान ने मान ने कहा कि 100-50 ग्राम के तो बाल ही थे, वही कटवा देते। कहा कि कोच और फिजियोथेरेपिस्ट लाखों रुपये लेते हैं। क्या वो वहां छुट्टियां मनाने गए हैं? जानकारी के अनुसार विनेश फोगाट गोल्ड मेडल के लिए फाइनल मुकाबले से पहले 50 किलो वजन को कायम नहीं रख सकीं। पहलवान विनेश फोगाट के ओलिंपिक मुकाबले से बाहर होने की सूचना मिलते ही महावीर फोगाट की आंखों में आंसू आ गए। वहीं, इस फैसले के आने के बाद हर कोई विरोध जता रहा है। विनेश के

गोल्ड की दौड़ से बाहर होने की सूचना मिलते ही लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। विनेश के ओलंपिक में डिस्क्वालीफाई होने के बाद ससुर राजपाल राठी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमें जैसे ही यह सूचना मिली दिल बैठ गया। आंखों में पानी आ गया इतना दुख है कि किसी को बयान नहीं कर पा रहे है। विनेश के साथ राजनीति की जा रही है। कुछ शुरू से ही उसके पीछे लगे हुए है कि कैसे उसको हराया जाए। विनेश को मैट पर नहीं हरा पाए तो राजनीति करके नीचे लाने की कोशिश कर रहे है। उन्होंने कहा कि अगर वजन 100 ग्राम ज्यादा था तो 10 मिनट का समय देते वह अपने बाल कटवा देती, 100 ग्राम तो वहां कम हो जाता। लेकिन नहीं यह षड्यंत्र के माध्यम से किया जा रहा है। बेटी ने जिंदगी भर इस पल के लिए मेहनत की व उसको इस गंदे तरीके से साजिश कर बाहर किया जा रहा है। भारतीय पहलवान विनेश फोगट के ओलिंपिक मुकाबले से अयोग्य घोषित होने पर उनके चाचा महावीर फोगट ने कहा कि मेरे पास कहने को कुछ नहीं है। पूरे देश को गोल्ड की उम्मीद थी। कहा कि नियम तो हैं लेकिन अगर कोई पहलवान 50-100 ग्राम ज्यादा वजन का है तो उसे खेलने की अनुमति दी जाती है। मैं देश के लोगों से कहूंगा कि निराश न हों, एक दिन वो जरूर मेडल लाएगी। मैं उसे अगले ओलंपिक के लिए तैयार करूंगा। विनेश आप भारत का गौरव हैं आप हर भारतीय के लिए प्रेरणा हैं आपने अपनी शानदार खेल प्रतिभा से ओलंपिक में भारत का सिर गर्व से ऊंचा किया है। आज का फैसला हर भारतीय के लिए बेहद ही दुःखद है हरियाणा समेत पूरा भारत आपके साथ खड़ा है।आपने सभी चुनौतियों का डट कर सामना किया है।हमें अपनी बेटी पर पूर्ण विश्वास है कि आप हर बाधाओं को पार कर हमेशा भारत का मान बढ़ाती रहेंगी।

'वक्फ संशोधन विधेयक को संसद की स्थायी समिति के पास जांच के लिए भेजा जाए'

नई दिल्ली, 7 अगस्त। संसद के मॉनसून सत्र का आज 13वां दिन है। इस सत्र में आम बजट 2024 पर चर्चा हो रही है। बजट को लेकर विपक्ष सरकार को लगातार घेर रहा है। इस बार संसद 11 अगस्त तक चलने वाली है। आज सरकार वक्फ एक्ट संशोधन बिल पेश कर सकती है। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की ताकत है। अब नए विधेयक में इस पर रोक लगाई जा सकती है। वहीं, इससे पहले सत्र के 12 वें दिन बांग्लादेश के हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में बयान दिया था। जयशंकर ने वहां हिंदुओं को निशाना बनाने पर भी चिंता जाहिर की थी। संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में वित्त (संख्या दो) विधेयक 2024 पारित हुआ। इसके बाद लोकसभा को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित किया गया। लोकसभा में विपक्ष ने मांग उठाई है कि वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश करने के बाद इसे जांच के लिए संसद की स्थायी समिति को भेजा जाए। उधर, सरकार का कहना है कि लोकसभा की समझ का आकलन करने के बाद व्यवसाय सलाहकार समिति द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक पर फैसला लिया जाएगा। सरकार के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक को पेश करने के बाद इसे पारित करने के लिए किसी तरह का दबाव नहीं डाला जाएगा। सूत्रों का ये भी कहना है कि विधेयक को जांच के लिए संसद की स्थायी समिति के पास भेजना है या नहीं, इस बारे में बाद में विचार किया जाएगा।

आज अंतरिम कार्यवाहक पद की शपथ लेंगे मुहम्मद यूनुस

सौरभ शर्मा

ढाका, 7 अगस्त। बांग्लादेश में हिंसा का दौर अभी भी जारी है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़ने के बाद भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर डटे हुए हैं। ऐसी खबरें हैं कि पूर्व पीएम हसीना लंदन जा सकती हैं। वहीं, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया है। दरअसल, सरकारी नौकरियों में कुछ खास लोगों के एक वर्ग के लिए आरक्षण प्रणाली के खिलाफ जुलाई के मध्य से छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। अब ये विरोध-प्रदर्शन हिंसा का रूप ले चुका है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के बीच अंतरिम सरकार के कार्यवाहक के तौर पर नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस कल शपथ ग्रहण करेंगे। बांग्लादेश सेना के प्रमुख वकर-उज-जमान ने मुहम्मद यूनुस के शपथ ग्रहण की जानकारी दी है। हाल ही में जेल से रिहा की गई बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को अब नया पासपोर्ट मिल गया है। उनकी पार्टी ने ये जानकारी साझा की है। बता दें कि 79 वर्षीय खालिदा जिया को 2018 में भ्रष्टाचार के लिए 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष फिलहाल कई बीमारियों का इलाज करा रही हैं। उन्हें हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद मंगलवार

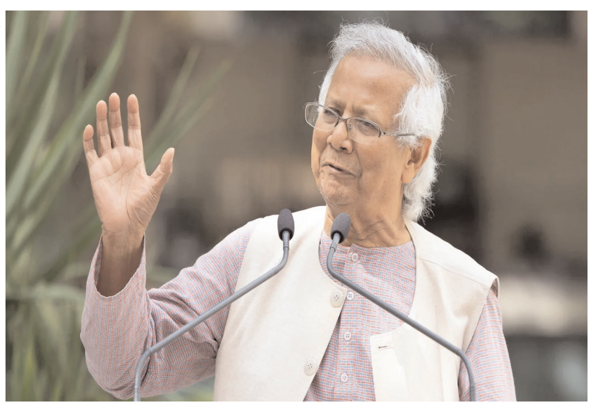

को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के कार्यकारी आदेश पर रिहा कर दिया गया। जिया दो साल से अधिक समय से जेल में थीं। बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, निश्चित रूप से यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे पड़ोसी देश में ऐसी राजनीतिक अस्थिरता आई है। जिस तरह से एक निर्वाचित सरकार को गिराया गया... एक व्यक्ति सब कुछ चुन सकता है, लेकिन अपना पड़ोसी नहीं चुन सकता। हमारे पड़ोस में जिस तरह की स्थिति पैदा हुई है, भारत सरकार सतर्क है और निगरानी कर रही है ताकि इसका किसी भी तरह से भारत पर असर न पड़े। बांग्लादेश के राजनीतिक संकट पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, बांग्लादेश में जो घटना घटी है वो हमारे लिए दो कारणों चिंतनीय है। अगर बांग्लादेश में ऐसी ही स्थिति रही तो वहां से लोग विस्थापित होकर भारत आएंगे लेकिन हमें सीमा को भी सुरक्षित करना है। उत्तर-पूर्व के सभी उग्रवादियों को शेख हसीना की सरकार में बांग्लादेश में हटाया गया था। हमारे लिए चिंता का विषय बना रहेगा कि दोबारा बांग्लादेश में उत्तर-पूर्वी के उग्रवादियों की घाटी न बने। मुझे विश्वास है कि जो भी नई सरकार बनेगी भारत सरकार उसके साथ बातचीत करेगी। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि बांग्लादेश के घटनाक्रम ने दुनिया को संदेश दिया है कि लोग सर्वोच्च हैं और शासकों को उनके धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए।

लोगों के धैर्य की परीक्षा न लें, बांग्लादेश से यही संदेश मिला: उद्धव

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 अगस्त। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि शेख हसीना को बांग्लादेश से निकलना पड़ा। बांग्लादेश की जनता से साफ तौर पर संदेश दिया कि वे सर्वोच्च हैं और उनके धैर्य की परीक्षा न ली जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह बांग्लादेश में फंसे हिंदुओं को बचाने के लिए पहल करें। महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर ठाकरे ने दिल्ली में विपक्षी विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान बांग्लादेश में राजनीतिक अराजकता को लेकर ठाकरे ने कहा कि क्या भारत में भी ऐसी स्थिति विकसित हो रही है? बांग्लादेश ने संदेश दिया है कि जनता ही सर्वोच्च है और नेताओं को उनके धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। अगर ऐसा किया जाता है तो जनता की अदालत क्या कर सकती है यह साफतौर पर बांग्लादेश में साफ तौर पर दिखा। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे ही प्रदर्शन पिछले दिनों श्रीलंका और इस्राइल में देखने को मिले। जहां प्रधानमंत्री तक का घर से निकलना दूभर हो गया। बांग्लादेश में

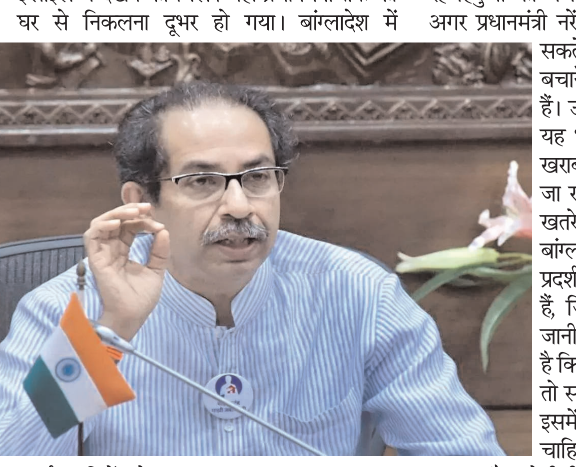

प्रदर्शनकारियों को रजाकार कहकर उनका अपमान किया गया। प्रदर्शनकारी किसानों को आतंकवादी करार दिया गया। बांग्लादेश की स्थिति हर किसी को चेतावनी दी है कि किसी को भी खुद को भगवान नहीं समझना चाहिए। सभी इंसान हैं। ठाकरे ने कहा कि बांग्लादेश में संघर्ष कर रहे और अत्याचार झेल रहे हिंदुओं को बचाना केंद्र सरकार का कर्तव्य है। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन युद्ध को रुकवा सकते हैं तो बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाने के लिए भी पहल कर सकते हैं। उनके साथ न्याय करें। ठाकरे ने यह भी कहा कि मणिपुर के हालात खराब हैं। जम्मू-कश्मीर में हिंदू मारे जा रहे हैं और बांग्लादेश में भी हिंदू खतरे में हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में प्रदर्शन हुए। भारत में भी ऐसे मामले हैं, जिन पर लोकसभा में चर्चा की जानी चाहिए। अगर सरकार चाहती है कि इस तरह की स्थिति यहां न बने तो सरकार को कदम उठाने होंगे और इसमें शामिल लोगों से बात करनी चाहिए दरअसल, महाराष्ट्र में भी मराठा और ओबीसी आरक्षण का मुद्दा गर्माया हुआ है और सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा-एनसीपी और विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन इसमें रुचि नहीं ले रहा है।

वायनाड भूस्खलन में प्रभावित लोगों से लोन वापस मांगना निदंनीय

तिरुवनंतपुरम, 7 अगस्त। वायनाड भूस्खलन से प्रभावित लोगों से लोन वापस मांगने वाली निजी कंपनियों को केरल सरकार ने चेतावनी जारी की है। सरकार का कहना है कि भूस्खलन से प्रभावित लोगों पर लोन वापसी का दबाव बनाना निंदनीय और अमानवीय है। वायनाड में वित्तीय संस्थानों ने 30 जुलाई को भूस्खलन से बचे लोगों को फोन कर उनसे कर्ज चुकाने के लिए कहा था। इस पर केरल सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। केरल सरकार के लोक निर्माण विभाग मंत्री पीए मोहम्मद रियाज ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि प्राइवेट वित्तीय संस्थान भूस्खलन से प्रभावित और राहत शिविरों में रह रहे लोगों पर लोन वापस करने का दबाव बना रहे हैं। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन लोगों ने आपदा में अपनों को खो दिया है और दुख से जूझ रहे हैं। मंत्री रियाज ने कहा कि सरकार के प्रतिनिधि वित्तीय संस्थानों के प्रबंधन से बात करके इस मुद्दे को सुलझाने का प्रयास करेंगे। अगर संस्थान फिर भी नहीं मानते हैं तो राज्य सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि भूस्खलन में प्रभावित लोगों से लोन वापसी की मांग करना बेहद अमानवीय है। केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 226 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों घायल हैं। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों चूरलमाला और मुंडक्कई में सेना का राहत व बचाव कार्य जारी है। भयावह आपदा के कारण यहां के लोग बड़े स्तर पर प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिजनों या जीवित बचे लोगों की मानसिक स्थिति का खासा ध्यान रख रही है।

घर, दुकान-मंदिर तोड़े, कलाकार का 140 साल पुराना घर फूंका

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 7 अगस्त। बांग्लादेश में इस वक्त अस्थिरता का माहौल है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद भी हिंसा नहीं रुक रही है। इन हिंसक घटनाओं में कई जिलों में विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के घरों और मंदिरों को निशाना बनाया गया। सुरक्षा बलों की गैर मौजूदगी में सोमवार से हिंदुओं पर हमले बढ़ गए हैं। यहां तक कि प्रसिद्ध हिंदू कलाकार राहुल आनंदा के घर को आग के हवाले कर दिया गया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले को लेकर भारत समेत दुनिया भर के संगठनों ने चिंता जताई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत अल्पसंख्यकों की स्थिति पर नजर रख रहा है। आइये जानते हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ क्या हो रहा है?किन किन जगहों पर समुदाय को निशाना बनाया गया है? हमलों पर किस किसने चिंता जताई है? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी कितनी है? पड़ोसी बांग्लादेश में आरक्षण के मुद्दे पर जारी छात्र आंदोलन के बीच 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री देश छोड़कर भारत आ गईं। उधर सरकार बदलने के साथ ही देश भर में कई जिलों में अल्पसंख्यकों के घरों, दुकानों और पूजा स्थलों में तोड़फोड़ की गई। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार डेली स्टार ने रिपोर्ट दी कि सोमवार को ही कम से कम 27 जिलों में हिंदुओं के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भीड़ ने हमला किया और उनके कीमती सामान भी लूट लिए गए। ओइक्या परिषद के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव मोनिन्द्र कुमार नाथ ने कहा कि ऐसा कोई क्षेत्र या जिला नहीं बचा है जहां सांप्रदायिक हमले न हुए हों। नाथ ने डेली स्टार को बताया, हमें देश के विभिन्न हिस्सों से घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर हमलों के बारे में लगातार रिपोर्ट मिल रही हैं। वे रो रहे हैं, कह रहे हैं कि उन्हें पीटा जा रहा है, उनके घरों और व्यवसायों को लूटा जा रहा है। हमारा क्या दोष है? क्या यह हमारा दोष है कि हम देश के नागरिक हैं? ढाका के धानमंडी में सोमवार को बैंड जोलर गान के फ्रंटमैन राहुल आनंदा के घर में आग लगा दी गई और वह पूरी तरह जल गया। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, यह घर लगभग 140 वर्ष पुराना था।

राहुल और उसका परिवार सुरक्षित स्थान पर भागने में सफल रहे। राहुल के एक करीबी पारिवारिक सूत्र ने अखबार को बताया, जैसे ही उन्होंने गेट तोड़ा, उन्होंने घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी और जो कुछ भी उन्हें मिला, उसे अपने साथ ले गए। उन्होंने फर्नीचर और शीशों से लेकर कीमती सामान तक सब कुछ ले लिया। इसके बाद उन्होंने पूरे घर के साथ-साथ राहुल के संगीत वाद्ययंत्रों को भी आग के हवाले कर दिया। भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, हम अल्पसंख्यकों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। विदेश मंत्री ने मंगलवार को राज्यसभा में दिए गए बयान में कहा, हम अल्पसंख्यकों की स्थिति पर भी नजर रख रहे हैं। उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न समूहों और संगठनों द्वारा पहल की खबरें हैं। हम इसका स्वागत करते हैं, लेकिन स्वाभाविक रूप से हम तब तक बहुत चिंतित रहेंगे जब तक कानून और व्यवस्था स्पष्ट रूप से बहाल नहीं हो जाती। बांग्लादेश में यूरोपीय संघ के राजनयिकों ने कहा कि वे अल्पसंख्यक समूहों पर हमलों की रिपोर्टों से बहुत चिंतित हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश (टीआईबी) ने एक बयान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के घरों, पूजा स्थलों, मंदिरों और व्यवसायों पर हमलों सहित विभिन्न जिलों में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं की कड़ी निंदा की है। ह्यूमन राइट्स फोरम बांग्लादेश ने अधिकारियों से लोगों, विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों के जीवन और संपत्तियों की सुरक्षा में जिम्मेदार भूमिका निभाने की अपील की है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने हिंदू मंदिरों पर हमलों पर चिंता जताते हुए अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया है।

बांग्लादेश बन सकता है उग्रवादियों का केंद्र: सीएम सरमा

गुवाहाटी, 7 अगस्त। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति ने पूर्वोत्तर राज्यों की चिंता बढ़ा दी है। बांग्लादेश अब फिर से उग्रवादियों का केंद्र बन सकता है और वे अवैध रूप से इन राज्यों में प्रवेश कर सकते हैं। मगर हमें उम्मीद है कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर राज्यों की चिंता को तवज्जो देगी। साथ ही बांग्लादेश की नई सरकार के साथ बातचीत करेगी। डेरगांव में एक कार्यक्रम के दौरान असम के सीएम ने कहा कि बांग्लादेश के मौजूदा घटनाक्रम ने चिंता बढ़ा दी है। अगर समस्या जारी रही तो हमें डर है कि असम इससे प्रभावित होगा। भारत-बांग्लादेश सीमा की रक्षा की जानी चाहिए, क्योंकि वहां के लोग सीमा के जरिये अवैध रूप असम में घुसने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के शासन के दौरान उग्रवादियों को बांग्लादेश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। मुझे भरोसा है कि बांग्लादेश की नई सरकार भी भारत के साथ अपने सहयोग को जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों की चिंता को दूर किया जाएगा और बांग्लादेश को उग्रवादियों को सुरक्षित ठिकाना नहीं बनने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पहले एक्स पर पोस्ट किया था कि इन मौजूदा स्थिति में बांग्लादेश सीमा सुरक्षा को लेकर मैं असम के भविष्य 2041 के बारे में सोचता हूं। उन्होंने कहा कि मैं वर्तमान में आगे बढ़ने के लिए शक्ति और धैर्य की प्रार्थना करता हूं। हम उज्ज्वल कल की नींव रखेंगे और अपनी संस्कृति और धर्म की रक्षा करेंगे। बता दें कि बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या 400 के पार हो गई है। सेना की ओर से स्थिति को काबू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का कार्यवाहक बनाया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी मिली और भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा। डेरगांव में असम वन रक्षक बल की पासिंग आउट परेड में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी रही। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार में बड़ी शैक्षिक और गुणात्मक पीढ़ी सरकारी नौकरी से वंचित थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिजी के नाडी में श्री शिव सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की

एजेंसी

नाडी (फिजी)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिजी के नाडी में श्री शिव सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति फिजी की राजकीय यात्रा पर हैं। फिजी की राजधानी सुवा में आधिकारिक कार्यक्रमों के सफल समापन के बाद राष्ट्रपति नाडी पहुंची हैं। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने शहीद सैनिकों की स्मृति में सुवा में स्थापित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और महात्मा गांधी मेमोरियल हाईस्कूल का दौरा किया। मुर्मू ने हाईस्कूल में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सुवा में दिन के अंतिम आधिकारिक कार्यक्रम में फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली कैटोनीवरे ने स्टेट हाउस में राष्ट्रपति मुर्मू के सम्मान में स्वागत समारोह आयोजित किया। इसमें सभी क्षेत्रों के प्रतिष्ठित फिजीवासी एकत्र हुए। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस अवसर पर राष्ट्रपति कैटोनीवरे, प्रधानमंत्री राबुका और फिजी की सरकार और लोगों को उनके गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति आज नाडी से ऑकलैंड-न्यूजीलैंड के लिए रवाना होंगी।

काठमांडू में स्थित बांग्लादेशी दूतावास और बांग्लादेशी नागरिकों पर निगरानी बढ़ाई गई

काठमांडू। नेपाल में स्थित बांग्लादेशी दूतावास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और वहां पर आने जाने वाले लोगों पर निगरानी रखी जा रही है। काठमांडू में रह रहे मुसलमानों और बांग्लादेशी नागरिकों के इलाकों को उच्च निगरानी में रखा जा रहा है। बांग्लादेश में उत्पन्न परिस्थिति के मध्येनजर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की हाई लेवल मीटिंग हुई। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस मीटिंग में गृह मंत्री रमेश लेखक, रक्षा मंत्री मानवीर राई, विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा सहित नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और आर्म्ड पुलिस फोर्स के प्रमुख की उपस्थिति रही। बैठक में सरकार के मुख्य सचिव के अलावा गृह सचिव, रक्षा सचिव, विदेश सचिव की भी मौजूदगी रही। सुरक्षा परिषद की बैठक में काठमांडू स्थित बांग्लादेशी दूतावास की बाहरी सुरक्षा बढ़ाने और वहां होने वाली गतिविधि पर निगरानी रखने को कहा गया है। नेपाल पुलिस के विशेष ब्यूरो के एक उच्च अधिकारी ने बताया कि काठमांडू सहित नेपाल के दूसरे हिस्से में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की गतिविधियों पर भी निगरानी रखने का निर्देश मिला है। ढाका में तख्तापलट के बाद कई अन्य देशों के बांग्लादेशी दूतावास और महावाणिज्य दूतावास पर जबरन लोगों के घुसने और तोडफोड़ की घटना के मद्देनजर यह निर्देश दिया गया है। नेपाल के खुफिया विभाग को इस संबंध में एक-एक जानकारी एकत्रित करने को कहा गया है।

बांग्लादेश से सटे नेपाल-भारत सीमा पर संयुक्त सुरक्षा गस्ती

एजेंसी

काठमांडू। बांग्लादेश में जारी हिंसात्मक प्रदर्शन के मद्देनजर नेपाल के पूर्वी सीमा को हाईअलर्ट पर रखा गया है। बांग्लादेश के करीब रहे नेपाल-भारत सीमा पर सशस्त्र सुरक्षा बल (एसएसबी) और नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) ने संयुक्त गश्त लगानी शुरू कर दी है। पूर्वी सीमा से नेपाल प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पहचान पत्र देख कर ही उन्हें आने दिया जा रहा है। एपीएफ के प्रमुख आईजी राजू अर्याल ने आज ही एसएसबी के प्रमुख डीजी दलजीत सिंह चौधरी से टेलीफोन पर बातचीत कर नेपाल में बांग्लादेश से संभावित घुसपैठ को रोकने के लिए मदद की गुहार की। एपीएफ के प्रवक्ता डिआइजी कुमार न्यौपाने ने बताया कि इस टेलीफोन वार्ता के बाद ही पूर्वी सीमा नाका पर संयुक्त गस्ती की जा रही है। भारत में रह रहे बांग्लादेशी और अवामी लीग के समर्थकों के भारत के रास्ते नेपाल में घुसपैठ की कोशिश की संभावनाओं पर दोनों सुरक्षा प्रमुखों के बीच चर्चा होने की जानकारी दी गई है। न्यौपाने के मुताबिक सीमा सुरक्षा को कड़ा करने और सीमा पार करने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

लोकतंत्र समर्थक बनकर चीन को दे रहा था खुफिया जानकारी, अमेरिकी अदालत ने शख्स को दोषी ठहराया

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने चीनी मूल के एक अमेरिकी नागरिक बीजिंग को खुफिया जानकारी देने का दोषी ठहराया। यह व्यक्ति लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता के रूप में मशहूर था। उस पर आरोप था कि उसने अपनी प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करते हुए कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार से असंतुष्ट लोगों की जानकारी को इकट्ठा किया और उसे चीन भेजा। न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत ने शुजुन वांग के मामले में फैसला सुनाया। उसने शहर में लोकतंत्र समर्थक समूह बनाने में मदद की थी। अभियोजन पक्ष ने कहा कि चीन की प्रमुख खुफिया एजेंसी के इशारे पर वांग एक दशक से ज्यादा समय से दोहरी नागरिकता के साथ जीवन जी रहा था। अभियोजकों ने कहा कि वांग ने खुद को चीनी सरकार के आलोचक के रूप में पेश किया, ताकि वह उन लोगों के साथ तालमेल बना सके।

कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति पद के लिए गवर्नर टिम वाल्ज को चुना

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति की उम्मीदवार कमला हैरिस ने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को अपना रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना है। 60 वर्षीय वाल्ज एक पूर्व स्कूल शिक्षक, एक सैन्य दिग्गज, प्रतिनिधि सभा के सदस्य और दो बार गवर्नर रह चुके हैं। उन्होंने हाल ही में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके साथी सीनेटर जेडी वेंस और उनके अभियान और उनके विचारों का वर्णन करने के लिए कहा था ÷अजीब÷। इस शब्द को हैरिस अभियान और उनके सहयोगियों ने तुरंत अपना लिया।

रात को फिलाडेल्फिया में एक चुनावी रैली में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का आधिकारिक नामांकन हासिल करने वाल्ज पहली बार हैरिस के साथ दिखेंगे। वे उनके साथ राज्यों के दौरे पर जाएंगे। कमला

हैरिस 20 जनवरी, 2021 को अमेरिका की पहली उपराष्ट्रपति बनी थी। उनसे पहले कोई भी महिला इस पद तक नहीं पहुंच पाई। हालांकि, 2016 में राष्ट्रपति पद के लिए हिलेरी क्लिंटन ने डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती दी थी। लेकिन, उन्हें हार का सामना करना पड़ा। कमला का जन्म 20 अक्टूबर 1964 को कैलिफोर्निया में भारतीय और जमैकन मूल के माता-पिता के घर में हुआ था। कमला हैरिस की मां श्यामा गोपालन भारतीय मूल की थीं और उनके पिता डोनाल्ड जैस्पर हैरिस का नाता जमैका से था। कमला हैरिस के लिए बचपन अच्छा नहीं बीता। वह जब सात साल की थीं तो उनके माता-पिता अलग हो गए। उनकी मां श्यामला गोपालन ने ही कमला और उनकी बहन की देखरेख की। उन्होंने अपनी मां के जीवन से काफी कुछ सीखा। बचपन के दिनों में अपनी मां के साथ हिंदू मंदिर जाती थीं। इस दौरान उनका भारत भी आना-जाना लगा रहा। उन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। कमला हैरिस ने साल 2014 में वकील डगलस एम्पहॉफ से शादी की। उनके पति यहूदी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के 235 वर्ष के इतिहास में कमला हैरिस को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

हिजबुल्लाह के ड्रोन हमले में कई नागरिक घायल - इजरायल

एजेंसी

तेल अवीव। उत्तरी इजरायल में सैन्य ठिकानों पर हिजबुल्लाह द्वारा किए गए ड्रोन हमलों में कम से कम पांच नागरिकों के घायल होने की खबर है। उत्तरी शहर नहरिया के पास ड्रोन हमले के बाद घायलों में से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के उत्तरी भाग में पिछले एक घंटे में सक्रिय किए गए अलर्ट के बाद कई मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) का पता चला जो लेबनान के क्षेत्र को पार कर आए थे। एक को रोक दिया गया, जबकि नहरिया के दक्षिण में एक के गिरने से कई नागरिक घायल हो गए। इसमें कहा गया, इंटरसेप्टर के टुकड़े गिरने के डर से मिसाइल और रॉकेट फायर अलर्ट सक्रिय किए गए। इजरायली विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि वह इजरायल के लोगों को आतंकित नहीं होने देगा।

एक बयान में हिजबुल्लाह ने कहा कि आत्मघाती ड्रोन के स्क्वाड्रन ने उत्तर-पश्चिम इजरायल के बंदरगाह शहर एकर के श्रागा बैरक में गोलानी ब्रिगेड के मुख्यालय और एगोज यूनिट 621 के मुख्यालय को निशाना बनाया है। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में दहिह पर इजरायल के हमले के

बाद हिजबुल्लाह और इजरायली सेना के बीच टकराव बढ़ गया है। इस इजरायली हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह सैन्य कमांडर फौद शोकोर और सात नागरिक मारे गए थे। हिजबुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह ने उचित समय और स्थान पर इजरायली हमले का जवाब देने की धमकी दी थी।

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस होंगे बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में इन दिनों आगजनी और भीषण हिंसा हो रही है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई हैं। इस बीच बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मौजूदा संसद को भंग करने का ऐलान किया है। देश में जल्द ही अंतरिम सरकार का गठन होगा।

इस दौरान जमात-ए-इस्लामी और छात्र शिबिर ने अपने कार्यकर्ताओं को हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यकों के अन्य धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करने को कहा है। वहीं भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के कोऑर्डिनेटर छात्र समूह ने एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें कहा है कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार होंगे। अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों के नामों के प्रस्ताव भी साझा किए जाएंगे।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, छात्र आंदोलन के प्रमुख कोऑर्डिनेटर में से एक नाहिद इस्लाम ने कहा कि उन्होंने पहले ही डॉ. मोहम्मद यूनुस से बात की है।

देश के मौजूदा हालात देखते हुए उन्होंने अपनी सहमति दे दी है।

बता दें कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में आगजनी और भीषण हिंसा के बीच भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर भारतीय सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलर्ट पर है। बीएसएफ के डीजी दलजीत चौधरी लगातार दूसरे दिन भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के दौरे पर हैं।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने ऐलान किया है कि संसद को भंग कर जल्द ही देश में अंतरिम सरकार बनाई जाएगी। राष्ट्रपति ने यह जानकारी विभिन्न राजनीतिक दलों और सिविल सोसाइटी के साथ बैठक के दौरान दी। बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी शामिल हुए थे। बैठक में सर्वसम्मति से बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया को भी तुरंत रिहा करने का फैसला लिया गया। इसके अलावा राष्ट्रपति ने विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी छात्रों को रिहा करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने हिंसा में शामिल लोगों को निष्पक्ष जांच के जरिए सजा दिलाने का वादा किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने राजनीतिक दलों से देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति को सामान्य बनाने, लूटपाट और हिंसक गतिविधियों को रोकने की अपील की है।

मध्य पूर्व में जारी संकट के बीच डब्लूएचओ ने 32 टन स्वास्थ्य सामग्री लेबनान भेजी

एजेंसी

बेरूत । डब्लूएचओ ने मध्य पूर्व में संभावित युद्ध के खतरे के मद्देनजर 32 टन स्वास्थ्य सामग्री और दवाएं लेबनान भेजी हैं। जिससे मध्य पूर्व एशिया में किसी भी अस्थिर स्थिति में लेबनान के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं और दवाओं की किल्लत का सामना न करना पड़े।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह स्वास्थ्य सामग्री और दवाएं लेबनान पहुंच चुकी हैं। बेरूत स्थित रफीक हरीरी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लेबनान के विदेश मंत्री फिरास अबियाद ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि अब्दल नसीर अबु बक्र की मौजूदगी में इन दवाओं और स्वास्थ्य सामग्री को प्राप्त किया।शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक विदेश मंत्री फिरास अबियाद ने डब्ल्यूएचओ का आभार जताते हुए मध्य पूर्व एशिया में यूएन द्वारा युद्ध रोकने के लिए इजरायल पर बनाए जा रहे दबाव का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान अबू बक्र ने डब्ल्यूएचओ के उद्देश्य के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि लेबनान को चिकित्सा सहायता मुहैया कराने

का ध्येय स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करना और संकट के दौरान दवाओं की आपूर्ति करना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन स्वास्थ्य क्षेत्र और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद करना आगे भी जारी रखेगा।

30 जुलाई को बेरूत के दक्षिणी नगरों में इजरायल के हमले के बाद लेबनान अपनी धरती पर बेहद सावधानी बरत रहा है। इस हमले में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ सैन्य कमांडर फौद शोकोर के साथ सात नागरिकों की मौत हो गई थी हिजबुल्लाह महासचिव हसन नसरल्लाह ने उचित समय आने पर इजरायली हमले का भीषण और दर्दनाक जवाब देने की धमकी दी है।

बता दें हमास पोलित ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हानिया मंगलवार को ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित थे। वहीं पर बुधवार तड़के वह इजरायली हमले में अंगरक्षकों समेत मारे गए थे।

सूडान में बारिश और बाढ़ के कारण 32 लोगों की मौत, 107 घायल

एजेंसी

खार्तूम । सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश के कई हिस्सों में हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ के कारण कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 107 अन्य घायल हो गए। अल-फादिल मोहम्मद महमूद ने सोमवार को एक बयान में कहा, बारिश और बाढ़ से सात राज्य प्रभावित हुए हैं और 5,575 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने बताया कि भारी बारिश और बाढ़ के कारण डायरिया के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें से 102 मामले कसाला, चार खार्तूम में और गीजीरा राज्य में 16 मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर

है। मंत्रालय वर्षा ऋतु में होने वाली महामारियों से निपटने के लिए जरूरी उपाय अपनाने के प्रति चिंतित है।

एक पूर्व रिपोर्ट में, सूडानी मौसम विज्ञान प्राधिकरण ने गश नदी के जलस्तर में वृद्धि की आशंका जताई थी, जो कि कसाला शहर से होकर बहती है। नागरिकों से सतर्क रहने और नदी के किनारों से दूर रहने का आग्रह किया गया है। सूडान में बाढ़ एक वार्षिक घटना है, जो आमतौर पर जून और अक्टूबर के बीच होती है।पिछले तीन वर्षों में भारी बारिश ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है और कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है।

इस साल की बारिश के मौसम उन लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा दिया है जो सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) और पैरामिलिटरी रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच चल रहे संघर्ष से प्रभावित हैं।

सूडान में 15 अप्रैल 2023 से एसएएफ और आरएसएफ के बीच घातक संघर्ष चल रहा है, जिसके कारण कम से कम 16,650 लोगों ने जान गंवा दी है।

मोहम्मद मैनुल इस्लाम को बांग्लादेश पुलिस की कमान

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश पुलिस की कमान वरिष्ठ अधिकारी मोहम्मद मैनुल इस्लाम को सौंपी गई है। गृह मंत्रालय ने मंगलवार रात इस आशय की अधिसूचना जारी की। गृह मंत्रालय के उप सचिव मोहम्मद महबुबुर रहमान शेख ने कहा है कि यातायात और ड्राइविंग स्कूल के कमांडेंट मोहम्मद मैनुल इस्लाम को नया पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। वह चौधरी अब्दुल्ला अल मामुन का स्थान लेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामुन की संविदा नियुक्ति रद्द की जा चुकी है।

मध्य–पूर्व में युद्ध रोकने के लिए हम 24 घंटे कर रहे कूटनीतिक प्रयास : बाइडेन

एजेंसी

वाशिंगटन । हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की मौत के बाद मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, इजरायल पर ईरान के जवाबी हमले की आशंका को लेकर लगातार अन्य देशों के साथ वार्ता कर रहे हैं। बाइडेन प्रशासन ने एक बयान में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति, मध्य-पूर्व में युद्ध से बचने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। विदेशी मीडिया की खबर के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने व्हाइट हाउस में एक कूटनीतिक बैठक में हिस्सा लिया। इसमें इस्माइल हानिया की मौत के बाद मध्य-पूर्व देश में पैदा हुए तनाव को कम करने की कोशिश पर चर्चा हुई।

एंटनी ब्लिंकन ने व्हाइट हाउस की बैठक में अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ शामिल होने के बाद मीडिया

से कहा, हम चौबीसों घंटे गहन कूटनीति में लगे हुए हैं, जिसका संदेश बहुत ही सरल है कि सभी पक्षों को तनाव बढ़ाने से बचना चाहिए। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम गाजा में युद्धविराम पर पहुंचकर इस चक्र को तोड़ें। इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय से फोन पर बात की। इसके अलावा ब्लिंकन ने कतर और मिस्र के शीर्ष अधिकारियों को फोन किया। उन्होंने जी-7 के अपने समकक्षों और इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी से भी ताजा हालातों पर बात की। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने चेतावनी दी है कि ईरान जल्द ही इजरायल पर हमला कर सकता है। ब्लिंकन ने कहा, वास्तव में, यह बात मायने रखती है कि सभी पक्ष समझौते पर पहुंचने के तरीके खोजें। इससे पहले जो बाइडेन, युद्ध विराम वार्ता में शामिल इस्माइल हानिया की हत्या को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

दरअसल, बाइडेन अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में गाजा युद्ध को समाप्त करने और इजरायल व सऊदी अरब के बीच एक ऐतिहासिक समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीद कर रहे थे। हालांकि, विदेशी मीडिया की खबर के मुताबिक, उन्होंने ईरान को ताकत दिखाने के लिए मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य की तैनाती बढ़ाई है।

नेपाल में भारी बारिश की चेतावनी के बाद रात में यात्री बसों के संचालन पर रोक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में से हो रही बारिश और अगले 24 घंटों में भारी बारिश की चेतावनी के बीच सरकार ने कई जिलों में रात्रिकालीन बस सेवा के संचालन पर रोक लगाने का आदेश दिया है।मौसम विभाग ने रात से लेकर अगले 24 घंटे तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। बारिश के कारण देश की अधिकांश नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। काठमांडू के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं।

भारी बारिश की चेतावनी के साथ ही प्रशासन ने कुछ जिलों में रात्रिकालीन यात्री बसों के संचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय के अंतर्गत रहे राष्ट्रीय विपद् जोखिम न्यूनीकरण एवं व्यवस्थापन प्राधिकरण ने सूचना जारी करते हुए दर्जनों जिलों में रात्रि बस के संचालन पर रोक लगाने को कहा है। प्राधिकरण के प्रवक्ता विजन

भट्टराई ने ताप्लेजुंग, पांचथर, संखुवासभा, तेह्रथुम, रसुवा, चितवन, सिन्धुपाल्चोक, धादिङ्ग, नुवाकोट, दोलखा, म्याग्दी, बाग्लुंग, कास्की, पर्वत, स्याङ्जा, तनहुं, नवलपरासी पूर्व, लमजुंग और गोरखा जिले से होकर गुजरने वाले यात्री बसों के संचालन पर रोक लगाने की जानकारी दी है।

इसके अलावा भारी बारिश के कारण भूस्खलन के खतरे को देखते हुए कपिलवस्तु, रुपन्देही, पाल्पा, गुल्मी, बांके, बर्दिया, प्युठान, अर्घाखांची, रुकुम पश्चिम, कैलाली, कञ्चनपुर, डडेल्धुरा, डोटी और बैतडी जिलों में भी रात्रिकालीन बस सेवा के संचालन पर रोक लगा दी गई है।

‘हमास के नए प्रमुख सिनवर को भी जल्द खत्म करेंगे’, इस्राइल के विदेश मंत्री ने दी खुली चेतावनी

तेल अवीव । बीते माह के आखिरी दिन हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद अब हमास ने याह्या सिनवार को अपना प्रमुख नेता चुन लिया है। सिनवर को इस्राइल पर सात अक्तूबर को हमले के मास्टरमाइंड के रूप में जाना जाता है। वहीं, दूसरी ओर इस्राइल ने याह्या को लेकर एक चेतावनी दी है। इस्राइल के विदेश मंत्री काट्ज ने कहा है वे नए हमास प्रमुख को भी बहुत जल्द खत्म कर देंगे।

‘भारत के सुरक्षा भाव को प्राथमिकता जरूरी’, हिंद महासागर में चीन की मौजूदगी पर पूर्व सेना प्रमुख

कोलंबो। इस दौरान फोंसेका ने कहा कि कुछ महीने पहले श्रीलंका के जलक्षेत्र में चीन के निगरानी जहाज को लेकर हंगामा हुआ था। भारत ने इस पर अपनी चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में हमारे पड़ोसियों, खासकर क्षेत्रीय शक्ति होने के नाते भारत की चिंताओं को परेशान करने वाला कुछ भी नहीं होना चाहिए। श्रीलंका के पूर्व सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सारथ फोंसेका ने हिंद महासागर में चीनी निगरानी जहाजों की उपस्थिति पर चिंता जताई है। उनकी चिंता विशेष रूप से श्रीलंकाई क्षेत्रीय जल क्षेत्र में चीन की उपस्थिति पर है। सारथ फोंसेका ने कहा कि वह श्रीलंका के क्षेत्र के भीतर किसी भी सैन्य उपस्थिति को मंजूरी नहीं देते हैं। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में भारतीय सुरक्षा चिंताओं को समझने और संबोधित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया है। उन्होंने कहा कि एक पड़ोसी होने के नाते, हमारा भारत के साथ घनिष्ठ संबंध है। हम क्षेत्र में भारतीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को अवश्य समझना चाहिए। इस दौरान फोंसेका ने कहा कि कुछ महीने पहले श्रीलंका के जलक्षेत्र में चीन के निगरानी जहाज को लेकर हंगामा हुआ था। भारत ने इस पर अपनी चिंता जाहिर की थी। भारत के साथ ही अमेरिका ने भी इसे लेकर प्रतिक्रिया दी थी। पूर्व सेना प्रमुख ने चीन की इस उपस्थिति को अनुचित बताया। साथ ही कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में हमारे पड़ोसियों, खासकर क्षेत्रीय शक्ति होने के नाते भारत की चिंताओं को परेशान करने वाला कुछ भी नहीं होगा। साथ ही उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि अगर उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो वह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

उन्होंने कहा कि मैं अपने देश के जलक्षेत्र या सीमा के भीतर किसी भी सैन्यकर्मी की उपस्थिति को मंजूरी नहीं देता। हमें भारत की सुरक्षा भावनाओं को प्राथमिकता देनी होगी। एक पड़ोसी होने के नाते, हमारा भारत के साथ घनिष्ठ संबंध है। हम क्षेत्र में भारतीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों को अवश्य समझना चाहिए।

इस दौरान फोंसेका ने सितंबर में होने वाले श्रीलंका चुनाव में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की अपनी घोषणा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मेरी कमान वाली सेना द्वारा श्रीलंका में आतंकवाद खत्म करने के तुरंत बाद मैं राजनीति में आया। उस वक्त युद्ध के अंतिम चरण में हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, प्रशासनिक मुद्दे थे और सैनिकों के लिए कोई सुविधाएं नहीं थीं। तब तत्कालीन सरकार को उन पहलुओं पर ध्यान देने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। सरकारी हलकों में भ्रष्टाचार बढ़ रहा था। राजनेता जानते थे कि नागरिकों के मुद्दों को कैसे देखा जाए और देश में स्थायी शांति कैसे स्थापित की जाए, लेकिन उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। आगे बोलते हुए फोसेंका ने भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के खिलाफ कार्रवाई करने और देश का विकास सुनिश्चित करने का की बात भी कही। उन्होंने कहा कि राजनेताओं के पास कोई दूरदृष्टि नहीं है...हमें देश की राजनीतिक प्रकृति को बदलना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हम विकास लाएँ।

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011–41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सीसीएस करेगा काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर सिविलाइजेशनल स्टडीज (सीसीएस) काकोरी प्रतिरोध के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर को आठ अगस्त 2024 से नौ अगस्त 2025 तक शताब्दी वर्ष समारोह के रूप में मनायेगा। इसका उद्घाटन कार्यक्रम आठ अगस्त को यहां स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में किया जाएगा। सीसीएस के निदेशक रवि शंकर ने बताया कि अंग्रेज शासकों द्वारा भारतीयों से जबरन वसूली तथा अन्य रूप में लूटे गये धन को वापस लेने के उद्देश्य से क्रांतिकारियों ने नौ अगस्त 1925 को काकोरी के निकट ट्रेन पर धावा बोला था। इस घटना ने भारतीय स्वाधीनता संग्राम में सशस्त्र प्रतिरोध की दमदार उपस्थिति का प्रतीक था और इस बात की द्योतक भी थी कि विदेशी शासन के विरुद्ध भारतीय संघर्ष केवल अहिंसक या आवेदन-प्रतिवेदन वाला ही नहीं रहा है, बल्कि संघर्ष के चरम तक जाने के लिए सदैव संवेदनशील रहा है। इसीलिए केंद्र ने काकोरी सशस्त्र प्रतिरोध की शताब्दी पूर्ति को व्यापक समारोह का स्वरूप देने का निर्णय लिया है।

पत्रकारिता में विश्वसनीयता बनाए रखना सबसे बड़ी जरूरत : प्रताप सोमवंशी

नई दिल्ली। सोशल मीडिया की फटाफट पत्रकारिता के दौर में परोसे जा रहे कंटेंट की विश्वसनीयता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। सोशल मीडिया की वजह से अन्य मीडिया वर्टिकल्स के सामने भी कंटेंट्स को जल्दी से परोसने की चुनौती है। समयाभाव में कंटेंट्स को जांचने-परखने की जहमत लोग कम उठाते हैं। उसकी वजह से परोसे गए कंटेंट्स की विश्वसनीयता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। ये बातें एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के प्रबंध संपादक प्रताप सोमवंशी ने कहीं। वे गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पूर्वी परिसर स्थित आईपी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन (यूएसएमसी) के पहले वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दूसरे दिन के सत्र को संबोधित कर रहे थे। सोमवंशी ने छात्रों को सफल पत्रकार बनने के लिए पढ़ने और लिखने की आदत डालने को कहा। उन्होंने कहा कि एक पत्रकार के पास हर विषय का थोड़ा-थोड़ा ज्ञान अवश्य होना चाहिए। उसके लिए रोज़ाना अखबार पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञान के विकास के लिए नया जानने की उत्सुकता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारिता में तकनीक के बढ़ते दखल के बारे में भी विस्तार से बताया। सोमवंशी ने बताया कि मल्टी-टास्किंग के समय में पत्रकार की भूमिका बदल गई है। ऐसे में हमें अपने आप को बदलते समय के साथ काम करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा।

कौशल विकास कार्यक्रम की सफलता के उपलक्ष्य में भारती कॉलेज ने आयोजित किया समारोह

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज ने समर्थ भारत (कौशल युवा, सशक्त भारत) के साथ मिलकर आयोजित कौशल विकास कार्यक्रम की सफलता के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य फोकस बेकरी और नेल आर्ट पर था, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल और उद्यमिता की जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही मोती बनाने की प्रक्रिया, सेरी कल्चर,डीएनए बारकोडिंग (आयुर्वेदा) आदि भी जोड़े गए हैं। इस अवसर पर भारत भूषण (संस्थापक, समर्थ भारत ट्रस्ट), मनोज कुमार (अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग), रमेश अग्रवाल, संस्थापक एवं संचालक, अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स, प्रेसिडेंट, सेवा भारती, नई दिल्ली, प्रो. पायल मागो (निदेशक, एसओएल, दिल्ली विश्वविद्यालय) और प्रो. कविता शर्मा (अध्यक्ष, भारती कॉलेज) सम्माननीय अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। इस आयोजन में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रमुख कॉलेजों के प्राचार्यों, प्रो. दिनेश खट्टर (किरोड़ीमल कॉलेज), प्रो. संजीव तिवारी (महाराजा अग्रसेन कॉलेज), प्रो. नरेंद्र सिंह (जाकिर हुसैन कॉलेज), प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज (शिवाजी कॉलेज) और प्रो. विपिन अग्रवाल (अरबिंदो कॉलेज) ने भी भाग लिया और इस पहल को सराहा। कार्यक्रम की विशेषता एक वीडियो का प्रदर्शन था, जिसमें कार्यक्रम की मुख्य बातें और विद्यार्थियों की सफलता की कहानियां दिखाई गई। इसके बाद मनोज कुमार, प्रो. कविता शर्मा और प्रो. पायल मागो ने महत्वपूर्ण भाषण दिए।

क्रेन घर में घुसी , एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर थाना क्षेत्र में सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक बेकाबू बड़ी क्रेन ने पीडब्ल्यूडी के बने स्टोर में टक्कर मार दी, जिससे स्टोर की दीवार टूट गई और उसके अंदर कमरे में सो रहे पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायलों में से एक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अपताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मामले की जानकारी देते हुए दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी राजेश देव ने बताया कि पुलिस को मंगलवार सुबह करीब 4 बजे पुल प्रह्लादपुर थाने को सूचना मिली कि एक बड़ी क्रेन किसी घर में घुस गई है। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि एमबी रोड पर पेट्रोल पंप के पास एक घर में बड़ी क्रेन घुसी हुई है और पांच लोग घायल पड़े हैं। जिनको वहां से अस्पताल पहुंचाया गया। डीसीपी के अनुसार मरने वाले की पहचान 35 वर्षीय गरीबा के रूप में हुई हैं। घायलों में एक महिला भी शामिल है।

मुर्मु को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर मोदी, बिरला की बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रपति दौपदी मुर्मु को फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित किए जाने पर उन्हें बधाई दी है और इसे देश के हरनागरिक के लिए गर्व का अवसर बताया है।फिजी की यात्रा पर गयीं श्रीमती मुर्मु को राजधानी सुवा के स्टेट हाउस में आयोजित समारोह में फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली काटोनिवेरे ने 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी'सम्मान से सम्मानित किया । इस मौके पर श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने श्रीमती मुर्मु को बधाई देते हुए सोसल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित होने पर राष्ट्रपति जी को बधाई। यह प्रत्येक भारतीय के

लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है। यह राष्ट्रपति जी के नेतृत्व के साथ-साथ भारत और फिजी के बीच ऐतिहासिक लोगों से लोगों के जुड़ाव की भी मान्यता है।'

श्री बिरला ने एक बयान में कहा, ' माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल आपके असाधारण नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाता है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और प्रतिष्ठा को भी दर्शाता है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।'

अमृत उद्यान 16 अगस्त से 15 सितंबर तक आम जनता के लिए खुला रहेगा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 अगस्त को अमृत उद्यान ग्रीष्मकालीन वार्षिक संस्करण के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी। अमृत उद्यान 16 अगस्त से 15 सितंबर तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा (अंतिम प्रवेश शाम 05:15 बजे होगा)।राष्ट्रपति भवन ने एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि अमृत उद्यान पहली बार, 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से आरक्षित रहेगा। साथ ही पिछले वर्ष की तरह, 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए आरक्षित रहेगा। इसके अलावा अमृत उद्यान रखरखाव के लिए सभी सोमवार को बंद रहेगा। आम जनता के लिए प्रवेश नॉर्थ एवेन्यू रोड के पास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से होगा। स्लॉट की बुकिंग और उद्यान में प्रवेश निःशुल्क है। बुकिंग राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट

(https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन की जा सकती है। साथ ही गेट नंबर 35 के बाहर 'वॉक-इन विजिटर्स' के लिए रखे गए सेल्फ सर्विस कियोस्क के माध्यम से भी की जा सकती है।

आगंतुकों की सुविधा के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 (उद्यान के लिए प्रवेश द्वार) तक एक निःशुल्क शटल बस सेवा भी उपलब्ध होगी। आगंतुक राष्ट्रपति भवन और राष्ट्रपति भवन संग्रहालय का दौरा कर सकते हैं। साथ ही नई दिल्ली में गार्ड ऑफ चेंज समारोह देख सकते हैं, शिमला में राष्ट्रपति निवास मशोबरा और हैदराबाद में राष्ट्रपति निलयम का दौरा कर सकते हैं, इसके लिए उन्हें (https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन बुकिंग करनी होगी।

अमृत उद्यान ग्रीष्मकालीन वार्षिक संस्करण, 2024 के उद्घाटन के दौरान स्कूली बच्चों के लिए राष्ट्रपति भवन संग्रहालय में प्रवेश निःशुल्क होगा। खिलाड़ी और शिक्षक भी अपने विशेष दिनों अर्थात् क्रमशः 29 अगस्त और 5 सितंबर को बिना किसी शुल्क के संग्रहालय का दौरा कर सकते हैं।

गरीब पर सरकार ने कर बोझ बढ़ाया, अमीरों को राहतः विपक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्ष ने कहा है कि सरकार ने मध्यम वर्ग पर और गरीबों पर कर का बोझ डाल कर उनके जीवन को कठिन बना दिया है, जबकि अमीरों को कर में राहत देकर गरीबी तथा अमीरी के बीच की खाई को बढ़ाने का काम किया है।

लोकसभा में कांग्रेस के डॉ. अमरसिंह ने वित्त विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि सरकार ने बजट में गरीबों, नौकरी पेशा वाले लोगों तथा मध्यम वर्ग के लिए कुछ नहीं दिया है, जबकि अमीरों को खूब राहत देने का काम किया है। वित्त विधेयक को देखकर लगता है कि सरकार की मंशा आम आदमी से एक-एक पैसा वसूल करना तथा अमीरों को कर से छूट देने की है। उन्होंने कहा कि सरकार व्यक्तिगत स्तर के कर को ऊपर ला रही है और कारपोरेट टैक्स को नीचे ले जा रही है। पिछले दस साल में अमीरों के कर कम हुए हैं जबकि आम आदमी पर टैक्स का बोझ लादा गया है। कर से बचने के लिए मध्यम वर्ग का व्यक्ति बचत करके जो

उपाय करता था उसकी सीमा को खत्म कर दिया गया है, यहां तक कि गृह ऋण में मिलने वाले कर को भी कम कर दिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार ने वृद्धों को भी नहीं छोड़ा है और उनकी आय सीमा को भी घटा कर उन पर कर का शिकंजा कसा जा रहा है। पहले वृद्धों के लिए कर सीमा पांच लाख रुपए होती थी, लेकिन अब उसे घटाकर तीन लाख कर दिया है। उनका कहना था कि यदि बूढ़ों की आय पर यह कर कम किया जाता और इसे पांच लाख रुपए ही रखा जाता तो इससे लोगों की खरीद क्षमता बढती और इसका सीधा लाभ देश को होता इसलिए उनकी सीमा को पहले की तरह ही रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार खुद को किसानों का हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन इसमें सच्चाई नहीं है और उसके काम किसानों के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सच में देश के किसानों की हितैषी है और उनका हित करना चाहती है तो उसे किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए तत्काल कानून बनाने की घोषणा करनी चाहिए।

भाजपा के निशिकांत दुबे ने विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि सरकार देश को आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कॉरपोरेट में टैक्स कम किया है क्योंकि सरकार चाहती है कि उद्योगों को निवेश के लिए आमंत्रित और प्रोत्साहित किया जाय इस मकसद से उनके टैक्स को कम किया गया है इसलिए विपक्ष का यह आरोप गलत है कि कॉरपोरेट टैक्स कम किया गया है।

भारतीय नागरिकों को लीबिया की यात्रा से बचने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने लीबिया में इस समय सुरक्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिकों को वहां की गैर-जरूरी यात्रा से बचने की नयी सलाह दी है।

मंत्रालय ने लीबिया के बारे में 23 मई 2016 की प्रेस विज्ञप्ति में आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय नागरिकों पर वहां की यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाया है। संशोधित परामर्श में लीबिया में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को लीबिया की गैर-जरूरी यात्रा से बचने को कहा गया है।

मंत्रालय ने कहा है कि इस समय लीबिया में रह रहे भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे वहां सावधानी से रहे, सड़क मार्ग से एक प्रांत से दूसरे प्रांत की यात्रा से बचें और किसी आपातकालीन स्थिति में फंसने पर त्रिपोली में भारतीय दूतावास से फोन नंबर 218943992046 पर संपर्क में रहें।

बंगलादेश में हिन्दुओं की रक्षा करे सेनाः शंकराचार्य

एजेंसी

नई दिल्ली। ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उम्मीद जतायी कि बंगलादेश की सेना वहां रह रहे हिन्दुओं की रक्षा करेगी क्योंकि इस समय शासन सेना के हाथ में है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बंगलादेश में सोमवार को तख्तापलट के बाद हिन्दुओं, उनके प्रतिष्ठानों और मंदिरों पर हमलों को चिंता जताते हुये वहां की सेना से अनुरोध किया कि हिन्दू जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये। शंकराचार्य ने कहा, 'हमें बंगलादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बारे में सूचित किया गया है। देश सेना शासन के अधीन है। हम उम्मीद करते हैं कि सेना नागरिकों की सुरक्षा का अपना कर्तव्य अवश्य निभायेगी। बंगलादेश में लगभग 10 प्रतिशत हिन्दू रहते हैं। उनकी सुरक्षा की जरूरत है, इसलिये हम सेना से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करना चाहेंगे।' उन्होंने कहा कि बंगलादेश में रह रहे हिन्दू भी

आपके देश का नागरिक है और हर नागरिक के लिये एक तरह की व्यवस्था, सुविधा और व्यापार स्वाभाविक है। इसी अपेक्षा के साथ हम आपसे आग्रह करते हैं कि वहां के जो हिन्दू हैं, उनसे हम कहना चाहेंगे। परिस्थितियों के अनुसार धैर्य बनाये रखते हुये अपनी सुरक्षा करें, साथ ही अपने देश की उन्नति के लिये अपना योगदान दें।

सुप्रीम कोर्ट ने मालेगांव विस्फोट के आरोपी कुलकर्णी की याचिका की खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार समीर कुलकर्णी की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और अरविंद कुमार की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए कुलकर्णी का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा कि वह बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं है। उच्च न्यायालय ने आरोपी कुलकर्णी की याचिका खारिज कर दी थी।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव शहर में एक मोटरसाइकिल से बंधे बम फटने से छह लोग मारे गए थे और लगभग 100 लोग घायल हो गए थे।

शीर्ष अदालत के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश

अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) यूएपीए की धारा 45(2) के तहत मंजूरी नहीं ली है। उन्होंने दलील दी कि इस पृष्ठभूमि में यूएपीए के तहत आरोप कायम नहीं रह सकते। उन्होंने दावा किया कि यूएपीए के तहत केंद्र सरकार से एनआईए द्वारा अभियोजन के लिए मंजूरी नहीं मिली थी।

श्री दीवान ने तर्क दिया कि जब मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (आईएनए) को सौंपा गया, तो केंद्र द्वारा अनुमति ली जानी चाहिए थी। इस पर पीठ ने कहा, हमें निर्णय (उच्च न्यायालय के) में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं मिला।

न्यायालय ने अप्रैल में विशेष अदालत के समक्ष कुलकर्णी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। कुलकर्णी ने दलील दी कि उनका मुख्य मामला यह है कि राज्य सरकार या केंद्र सरकार से अभियोजन के लिए कोई वैध पूर्व अनुमति नहीं होने के कारण मुकदमा आगे नहीं बढ़ सकता।

उन्हें साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित सहित नौ अन्य लोगों के साथ उसी वर्ष विस्फोट की साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

शेख हसीना की भारत में दूसरी रात भी वायुसेना के हिंडन एयरबेस पर गुजरी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत आई शेख हसीना की दूसरी रात भी वायुसेना के हिंडन एयरबेस पर गुजरी। उन्हें किसी दूसरे देश में राजनीतिक शरण दिलाने के लिए भारत ने खुद भी कूटनीतिक प्रयास शुरू किए हैं। साथ ही दिल्ली के किसी अज्ञात सुरक्षित स्थान की भी तलाश शुरू कर दी है, ताकि उन्हें एयरबेस से हटाकर वहां शिफ्ट किया जा सके। इसके लिए वायुसेना के विमानों ने राजधानी में उड़ान भरकर ड्रिल की है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर भारत आया बांग्लादेशी वायुसेना का विमान लौट गया है। करीब 16 घंटे बिताने के बाद बांग्लादेशी वायुसेना के सी-130 विमान ने सुबह 9 बजे के करीब हिंडन एयरबेस से उड़ान भरी। विमान के साथ बांग्लादेश के सात वायुसैनिक भी शेख हसीना को हिंडन एयरबेस पर छोड़कर अपने वतन लौट गए। यह विमान सोमवार को शाम 5:36 बजे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री को लेकर हिंडन एयरबेस पर उतरा था और तभी से यहीं पर लैंड था। इसके बाद से सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा और कड़ी कर दी है।

PUBLIC NOTICE

My client Ramesh S/o Sh. Ghuri Singh and Asha Devi W/o Sh. Ramesh both R/o 575, Arjun Camp, Mahipalpur, South-West, Delhi-110037, have disowned and debarred our son Deepak and his wife Sviti from their all movable, immovable properties and have no relation with them in future. My client and other family members shall not responsible for their any Civil and Criminal Act and Deeds.

YUDHISTER SINGH ADVOCATE
CH.NO.521, SAKET COURTS
NEW DELHI-17

Name Change

I, No. 16115503A Rank-HAV Name-RAJKUMAR MAGADUM Presently residing at VPO-NILAJI, TEH-RAIBAG, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591217 have changed my father's name from MARTANDA to MARTANDA MAYAPPA MAGDUM for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, No. 16115503A Rank-HAV Name-RAJKUMAR MAGADUM Presently residing at VPO-NILAJI, TEH-RAIBAG, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591217 have changed my mother's name from SHANAVVA to SHANAVVA MARTHAND MAGADUMMA for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, hitherto known as SNEHA D/o BAXI RAM W/o SIDDHARTH YADAV residing at 320, Starlite Apartment, Sector - 14, Extension, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as SNEHA RAO.

Name Change

I, hitherto known as SONI KAUSHIK W/o MOHIT KAUSHIK residing at House No. E-159, Krishna Gali, Chhajjupura, East Babarpur, Delhi - 110032 have changed my name and shall hereafter be known as SONI SHARMA.

Name Change

I, INDERA SAINE Mother of No. 3003445A Rank-HAV Name-RAJEEW KUMAR SAINI R/O VILL-DOVA MAFI, PO-PATNA AIRWA KATRA, TEHSIL-BIDHUNA, DISTT-AURAIYA, U.P-206252 have changed my name from INDERA SAINE to INDRA DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 03/07/1961 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 Vide Affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, SHILPA TUSHAR BADOLE Wife of No. 4584365Y Rank-NK Name-BADOLE TUSHAR KISAN Presently residing at VILL-VIHIRGAON, PO-BHUGAON, TEH-LAKHANI, DIST-BHANDARA, MAHARASHTRA-441809 have changed my name from SHILPA TUSHAR BADOLE to SHILPABAI TUSHAR BADOLE for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, RONAK S/O CHANDER PRASAD R/O 8/323, TRILOK PURI, EAST DELHI, DELHI-110091 declare that name of my father has been wrongly written as CHANDER PRAKASH in my 10th and 12th class mark- sheet and certificate. The actual name of my father is CHANDER PRASAD, which may be amended accordingly.

Name Change

I hitherto known as Akash alias KARTIK S/O OM PRAKASH, residing at A-230, Raghubir Nagar, Tagore Garden, West Delhi, Delhi- 110027, have changed my name and shall hereafter be known as Kartik.

Name Change

I, SHINDE ASHA ASHRUBA mother of NO-4580729H Rank- L/NK Name-SHINDE DATTATRAY ASHRUBA residing at VILL-NANDGAON, PO-TERKHEDA, TEH-WASHI, DIST-OSMANABAD, MAHARASHTRA-413525 have changed my name from SHINDE ASHA ASHRUBA to ASHABAI ASHRUBA SHINDE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 11/09/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1971 vide affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

"Be it known that my client Mrs. KUNTI W/O LAXMI CHAND@LAKHAMI CHAND AGE ABOUT 69 YEARS, R/O H No-59, SAINIK ENCLAVE SEC-3, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059., have all relations with disowned/debarred and severed their all relations with their real son namely Sh. LALIT NAGAR aged about 30 years and his wife Smt. DEVKI NAGAR aged about 29 years from all their moveable and immoveable properties/assets and have cancelled all their relations from him in future as they are continuously harassing, torturing, abusing and quarreling with my clients and are completely out of their control. If anyone deals with them shall be doing at his/her own costs and risks and my client shall not held responsible of any kind of their acts and deeds.

(Juber Ahmad) Advocate
R-3/130, MOHAN GARDEN,
NEW DELHI-110059.
Contact No:-9868573064

Name Change

I, Saurabh Chauhan S/o Rakesh Kumar R/o RZF-711/1, Gali No-1, Raj Nagar Part-2, Palam Colony, Delhi-110077, Have Changed My Name To Sourabh Chauhan For All Purpose

Name Change

I, NARVADA DEVI UPADHAYAY is legally mother of No-14858690X Rank- HAV/MT Name- MAHESH PRATAP UPADHAYAY R/o Vill-PIPRA KHAS, Po-PIPRA GAUTAM, Teh-SADAR, Distt-BASTI (UP)-272124, have changed my name from NARVADA DEVI UPADHAYAY to NARVADA DEVI for all future purposes.Vide affidavit No-IN-DL32563105741772W dated 07.08.2024 before Public Notary Delhi.

Name Change

I, NO-16112665A Rank-HAV Name-PRAVEEN HITTALKERI legal father of ANSHIKA HITTALKARI R/O H NO-54, TEACHERS COLONY, HINDALAGA ROAD, BELGAVI, KARNATKA-591108 have changed my minor daughter's name from ANSHIKA HITTALKARI to ANSHIKA HITTALKERI for all future purposes vide affidavit dated 07/08/2024 Before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, C GNAWAMONY father of NO-16116965Y Rank- SPR Name-SURESH G residing at VPO-NATTALAM, TEH-VILAVANCODE, DIST-KANYAKUMARI, TAMIL NADU-629165 have changed my name from C GNAWAMONY to GNANAMANI CHELLAIAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of my correct date of birth as 18/04/1955 vide affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

It is for general information that I, RAJENDRA S/o RAM GOPAL residing at T-67, U & V Block, T-Huts, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as DASHRATH and PAWAN AHIRWAR in my minor Son namely PAWAN aged 16 Years in his 10th Class Educational Document. The actual name of mine and my minor Son are RAJENDRA and PAWAN respectively, which may be amended accordingly.

Name Change

It is for general information that I, VIPIN KALIA S/o SAVITRI KALIA R/o D-67, Panchsheel Enclave, South Delhi, New Delhi- 110017, declare that name of mine has been wrongly written as VIPAN KALIA in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine VIPIN KALIA, which may be amended accordingly.

Name Change

I, ASHA is legally wedded spouse of No.-JC-571926L Rank-SUB, Name-RATHOD HIMMATLAL KHODABHAI Presently residing at VILL-KALATALAV, PO-SANESH, DIST-BHAVNAGAR, GUJRAT-364313, have changed my name from ASHA to ASHA RATHOD for all future purposes. Vide affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public New Delhi.

Name Change

I, No.-JC-571926L Rank-SUB, Name-RATHOD HIMMATLAL KHODABHAI S/O KHODABHAI Presently residing at VILL-KALATALAV, PO-SANESH, DIST-BHAVNAGAR, GUJRAT-364313, have changed my minor son name from KAPIL KUMAR to KAPIL RATHOD for all future purposes. Vide affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public New Delhi.

Name Change

I, Jahangir Hanef mollla S/o-Hanef Mollla R/o Kh.no-4 ground floor,Gali no -4, Sangam vihar, Wazirabad,po: Burari,dist: North Delhi -delhi -110084 have changed my name from Jahangir Hanef to Jahangir molla for all future purposes.

Name Change

I, No. 15423649L Rank-HAV Name-BIJAY KINDO S/o LAKHO ORAOM Presently residing at VILL-DHURWA TOLI, PO-PHORI, TEH-GUMLA, PS-GUMLA, DIST- GUMLA, JHARKHAND-835233 have changed my wife's name from SANGEETA RANI KINDO to SANGEETA RANI TOPPO for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री काली चरण प्लॉट नंबर 45 के फ्रीहोल्ड आवासीय हिस्से के मालिक हैं, खसरा नंबर 24/15 में से 50 वर्ग गज भूमि क्षेत्र, दिल्ली के हस्तसाल गांव के क्षेत्र में स्थित है, कॉलोनी जिसे ब्लॉक-सी में विकास नगर के नाम से जाना जाता है। नई दिल्ली। दिनांक 01.10.1999 को जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी और बेचने के समझौते के आधार पर अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्री राजेश कुमार नाम से बिकने जा रही है और उसका वित्त पोषण किया गया है पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा द्वारका नई दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change

I, Manoj Kumar Dawra S/o Surinder Mohan Dawra R/o House No-117, Sector-4, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Manoj Dawar For All Future Purpose

Name Change

I, No. 16024899F, Rank-NK, Name-SUSHEEL KUMAR Residing at VILL-KINNAR, PO-NARA, TEH-NARNAUND, DIST-HISAR, HARYANA-125039 have changed my father's name from DHARMBIR to DHARAMVIR for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, No. 16024899F, Rank-NK, Name-SUSHEEL KUMAR Residing at VILL-KINNAR, PO-NARA, TEH-NARNAUND, DIST-HISAR, HARYANA-125039 have changed my mother's name from KRISHNA to KRISHANA for all future purposes vide Affidavit dated 07/08/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री हरीश सिंह पुत्र श्री दरवान सिंह तीसरी मंजिल पर फ्रीहोल्ड आवासीय फ्लैट संख्या डी-1 के मालिक हैं, जो निर्मित संपत्ति संख्या ए-16-ए का हिस्सा है, जिसका क्षेत्रफल खसरा संख्या 550/ में से 100 वर्ग गज है। 1 एवं 551/2, ए ब्लॉक, राजू पार्क, डेविल रोड खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली-110080 पर स्थित है। दिनांक 30.06.2021 से अब तक एटीएस और वसीयत के साथ नोटरीकृत एसपीए और जीपीए के आधार पर और अपने नीचे उल्लिखित दस्तावेजों को खो दिया है/गुम कर दिया है यानी मूल (1) मूल नोटरीकृत जीपीए एटीएस और वसीयत, दिनांक 03.09.2016 को श्री कमलजीत सिंह पुत्र द्वारा निष्पादित एस सुरजीत सिंह श्री अमर नाथ शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री आर.डी शर्मा के पक्ष में, (2) एटीएस और वसीयत के साथ मूल नोटरीकृत जीपीए, दिनांक 03.10.2016 को श्री अमर नाथ शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री आर.डी शर्मा द्वारा निष्पादित (1) श्रीमती रेनू पत्नी श्री अजय राजोरा, (2) सुश्री सोनिया पत्नी श्री नरसिंह अब हमारे ग्राहक घोषणा कर रहे हैं कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री संदीप तिवारी नाम से बिकने जा रही है । और इसे डीएमआई, हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड शाखा नोएडा उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

भाजपा नेताओं ने केंद्रीय रेल मंत्री को 17 सूत्रीय पत्र सौंपा

एजेंसी

सोनीपत। पूर्व मंत्री कविता जैन एवं मुख्यमंत्री के पूर्व मिडिया सलाहकार राजीव जैन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को सोनीपत के दैनिक रेल यात्रियों की समस्याओं से सम्बंधित 17 सूत्रीय पत्र सौंपा, जिसमें प्रमुख रूप से कोरोना काल में बंद हुई हिमालयन क्वीन एक्सप्रेस को दोबारा शुरू करवाने तथा कई गाड़ियों के ठहराव की मांग की गई है। भाजपा नेताओं ने दिल्ली सिथत रेल भवन में रेल मंत्री से मुलाकात करके बताया कि सोनीपत से प्रतिदिन लगभग 40हजार रेल यात्री दिल्ली जाते हैं जिनको आवागमन करने में भारी परेशानियां हैं, जिसके कारण सरकारी कर्मचारी समय पर अपने कार्यालयों में नहीं पंहुच पाते। मुलाकात के दौरान रेलवे सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य मनिंदर सिंह सन्नी भी साथ थे। मांग पत्र में लिखा है कि सोनीपत से दिल्ली जाने वाली सभी ईएमयू गाड़ियों में बोगियों की संख्या बढ़ाई जाये, सोनीपत से सुबह 6. 35 बजे पर दिल्ली के लिए चलने वाली पसेंजर गाड़ी दुबारा शुरू की जाये, होशियारपुर एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, हीरा कुंड एक्सप्रेस, सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस, गोवा एक्सप्रेस का ठहराव सोनीपत में करने, महिला स्पेशल में बोगियों की संख्या बढ़ाने, जींद से सोनीपत आने वाली गाड़ी को दिल्ली तक चलाने की मांग की गई है।

सुदकैन डिस्ट्रीब्यूटरी टूटी, खेत व गांव जलमगन

कैथल। गांव बालू से सारन रोड पर दोपहर को सुदकैन डिस्ट्रीब्यूटरी टूट गई। छोटे से कटाव ने पानी के तेज बहाव के कारण देखते ही देखते बड़ा रूप ले लिया और पानी खेतों में फैल गया। गांव कैलरम के आवासीय क्षेत्रों में भी पानी पहुंच गया और गांव के बाहर का इलाका पानी में डूब गया। नहरी विभाग का अमला कटाव रोकने के लिए लगा हुआ है। 4 घंटे के बाद भी कटाव पर अभी काबू नहीं पाया जा सका है। नहर विभाग के आला अधिकारी मौका पर मौजूद हैं। गांव वासी जिले सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह किसी कारण से नहर की पटरी से पानी का रिसाव शुरू हो गया और पानी का स्तर बढ़ गया। नहर विभाग के बेलदार को इसकी सूचना दी गई, लेकिन वह कटाव नहीं रोक सके। इसके बाद बरसाती पानी के तेज बहाव के कारण नहर का एक बड़ा हिस्सा टूट गया। गांव की 40 से 50 एकड़ कृषि भूमि में पानी फैल गया। नहर का यह इलाका नरवाना सिंचाई विभाग के अधीन है। इसलिए कटाव को रोकने में बहुत देरी हो गई। सिंचाई विभाग नरवाना के एक्सईएन सौरभ गर्ग ने बताया कि सुदकैन डिस्ट्रीब्यूटरी बहुत पुरानी हो चुकी है। जिसे दोबारा बनाया जा रहा है। मंगलवार दोपहर को पटरी से जल का रिसाव शुरू हुआ था। जब तक कर्मचारी मौका पर पहुंचे तब तक नहर का एक किनारा टूट चुका था। कटाव को रोकने के लिए नहर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौका पर मौजूद है।

देरी से आने की आदत नहीं छोड़ रहे निगम कर्मचारी, 20 मिले गैर हाजिर

हिसार। अधिकारियों द्वारा लगातार किए जा रहे निरीक्षण व कारण बताओ नोटिस दिए जाने के बावजूद नगर निगम के कर्मचारी अपनी लेट लतीफी नहीं छोड़ रहे हैं। निगम के अधिकारी उन्हें कारण बताओ नोटिस थमाते हैं लेकिन उनकी कार्रवाई इस नोटिस से आगे नहीं बढ़ती, जिससे कर्मचारियों पर औचक निरीक्षण का कोई असर नहीं होता। इसी कड़ी में अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने नगर निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी शाखाओं के हाजिरी रजिस्टर जांचे।निरीक्षण के दौरान सहायक सुरेन्द्र वर्मा को निर्देशित किया गया की 9:15 बजे सभी शाखाओं के हाजिरी रजिस्टर अतिरिक्त निगमायुक्त के कार्यालय में प्रस्तुत करें। निरीक्षण के दौरान निगम कार्यालय में 20 कर्मचारी निगम कार्यालय में अनुपस्थित मिले। निरीक्षण करने का उद्देश्य कर्मचारियों की ज्यादा से ज्यादा उपस्थिति हो ताकि कर्मचारी समय पर आए व कर्तव्यनिष्ठ होकर कार्य करें। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने पाया शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान के अनुपस्थिति के मुकाबले मंगलवार की समय पर आने की उपस्थिति बढ़ी हैं, क्योंकि पिछले सप्ताह निरीक्षण के दौरान 52 कर्मचारी अनुपस्थित थे।

किसानों को भड़काने वाला पंजाब भी दे किसानों को एमएसपी की गारंटीः वेद फुलां

चंडीगढ़। प्रदेश में 24 फसलों को एसएसपी पर खरीदने को लेकर हरकोफैड के चेयरमैन वेद फुलां ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की और उनका आभार जताया। वेद फुलां ने किसानों के हित में कल्याणकारी घोषणाओं को धरातल पर लागू करने को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि किसानों को भड़काने वाले पंजाब को भी किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदनी चाहिए। हरकोफैड के चेयरमैन वेद फुलां ने मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी से उनके आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के बाद वेद फुलां ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी किसानों के प्रति संवेदनशील हैं। मुख्यमंत्री की घोषणाओं से किसानों को बड़ी राहत मिली है। इससे किसानों की आय और समृद्धता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने आबियाना कर माफ कर किसानों को बड़ी राहत दी है। फुलां ने कहा कि पंजाब की सरकार भोले भाले किसानों को बरगलाने का काम करती है। भाजपा सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से नियम कानून लागू किए, लेकिन पंजाब सरकार ने स्वार्थ की राजनैतिक रोटियां सेंकी और पंजाब के साथ हरियाणा के किसानों को भी उकसाया तथा अराजकता का माहौल पैदा किया।

आढ़तियों के लिए मुख्यमंत्री ने की कई बड़ी घोषणाए

गेहूं में शॉर्टेज से आढ़तियों को हो रहे नुक़सान की भरपाई करेगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आढ़तियों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की। उन्होंने धान की आढ़त को 45.88 रुपये से बढ़ाकर 55 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की। सरकार के इस फ़ैसले से आढ़त में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जोकि किसी भी राज्य में नही दी जा रही है। उन्होंने गेहूं में शॉर्टेज के कारण आढ़तियों को हो रहे नुक़सान की भरपाई का सरकारी कोष से करेगी। इसके लिए लगभग 12 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री सैनी संत कबीर कुटीर (मुख्यमंत्री निवास) पर हरियाणा स्टेट अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन और हरियाणा राईस मिलर्ज एंड डीलर्ज एसोसिएशन की

संयुक्त सदस्यों क संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर परिवहन राज्य मंत्री असीम गोयल और शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा भी मौजूद रहे।

बैठक में आढ़तियों ने गेहूं में शॉर्टेज का मुद्दा उठाया गया। आढ़तियों ने बताया कि प्रदेश में वर्ष 1966 से लेकर आज तक किसी भी सरकार ने कभी भी इस कमी की भरपाई नहीं की गई है। ये कमी औसत 0.20 प्रतिशत हर साल रहती है। पिछले रबी सीजन की कमी 0.28 प्रतिशत रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार 0.08 प्रतिशत की बढ़ी हुई शॉर्टेज के नुक़सान की भरपाई करेगी। इस शॉर्टेज के कारण 12 करोड़ रुपये का जो नुक़सान हुआ है, उसकी भारपाई हरियाणा सरकार करेगी।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि वर्ष 2023-24 की चावल की एफसीआई को डिलीवरी की आख़िरी तारीख़ 30 जून 2024 तक थी। उस दिन तक जिन्होंने सप्लाई दे दी थी, उन्हें हरियाणा सरकार की ओर से 10 रुपये बोनस दिया गया है। कई मिलर्स को स्टोरेज की कमी से डिलीवरी में इस बार दिक्कतें आई थीं। इसलिए आखिरी तारीख को बढ़ाकर 31 अगस्त 2024 तक करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए केंद्र सरकार को आखिरी तारीख बढ़ाने का अनुरोध किया है और उम्मीद है कि यह स्वीकृति शीघ्र आ जाएगी। इसलिए हरियाणा सरकार की ओर से जुलाई और अगस्त में दिए जाने वाले चावल पर 10 रुपये बोनस दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश को बेसहारा गौवंश मुक्त बनाने के तहत बेसहारा गाय, बछड़ा व बछड़ी पकड़कर अपनी गौशाला में लाने के लिए 600 रुपये प्रति गाय और 800 रुपये प्रति नन्दी की दर से तुरंत नगद भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे पकड़े गए बेसहारा पशुओं में से बछड़ा व बछड़ी के लिए 20 रुपये, गाय के लिए 30 रुपये तथा नन्दी के लिए 40 रुपये प्रतिदिन चारा के लिए अनुदान दिया जाएगा।

कमाल हो गया टिकट मिली नहीं कार्यालय का उद्घाटन कर दियाः निर्मल चौधरी

सोनीपत। गन्नौर से भाजपा की विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि कमाल होगया टिकट बटी नहीं प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली उनकी विधानसभा में टिकट मिलने से पहलेही टिकटार्थी के कार्यालय का उद्घाटन कर दिया। अगर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष में हिम्मत है तो अपनी राई विधानसभा या भाजपा की बाकी 89 विधानसभाओं में भी किसी टिकटार्थी के कार्यालय का उद्घाटन करके दिखाएं। निर्मल चौधरी मंगलवार को अपने आवास पर पत्रकारवार्ता में बो रही थी। विधायक चौधरी ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है, लेकिन प्रदेशाध्यक्ष ने गला घोटने वाला काम किया है। टिकट मांगना सभी का अधिकार है और टिकट पर फैसला हाईकमान को करना है।

आंगनवाड़ियों के बच्चों की ग्रोथ की होगी नियमित मॉनिटरिंगः असीम गोयल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल नन्यौला ने बताया कि बच्चे देश की नींव होते हैं। इसलिए राज्य सरकार ने आंगनवाड़ियों में जन्म से ही इनकी ग्रोथ-मॉनिटरिंग करने का निर्णय लिया है। इसके लिए जल्द ही लगभग 7.18 करोड़ रुपये की लागत से मॉनिटरिंग के लिए

उपकरण खरीदे जाएंगे। हाई पॉवर परचेज कमेटी की बैठक में इस संबंध में मंजूरी दे दी गई है। इनके अलावा, राज्य की सभी आंगनवाड़ियों में दाखिला लेने वाले बच्चों के लिए दूध पीने के लिए अलग-अलग गिलास ख़रीदने की भी मंजूरी दी गई है ताकि इंफेक्शन फैलने की सम्भावना न रहे। महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल नन्यौला बैठक के बाद उक्त जानकारी दी। इस बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवर पाल भी उपस्थित थे। नन्यौला ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बच्चों और

महिलाओं के विकास के प्रति संकल्पबद्ध हैं। इसी कारण से आंगनवाड़ियों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के पोषण के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के अलावा बच्चों को दूध भी दिया जाता है ताकि उनका संतुलित विकास हो। इन सभी बच्चों को अलग-अलग स्टील के गिलास उपलब्ध करवाए जाएंगे, जो कि पानी और दूध पीने में प्रयोग किए जा सकेंगे। इससे बच्चों में परस्पर इन्फेक्शन फैलने की सम्भावना भी नहीं रहेगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार आंगनवाड़ियों में प्रवेश लेने वाले बच्चों की ग्रोथ को लगातार मॉनिटरिंग करेगी। इसमें बच्चों के वज़न से लेकर उनकी लंबाई आदि की भी जांच की जाएगी ताकि उनके स्वास्थ्य मानकों को पूरा किया जा सके। यही नहीं छोटे शिशुओं की माताओं का वजन करने के लिए मशीन खरीदी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी आंगनवाड़ियों में इन्फ़ैन्टोमीटर , स्टेडियोमीटर , वज़न तोलने के लिए वेइंग स्केल (शिशुओं के लिए) तथा डिजिटल वेइंग स्केल (माता और बच्चे के लिए) खरीदी जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री नन्यौला ने बताया कि प्रदेश सरकार राज्य की भावी पीढ़ी को स्वस्थ रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि इसके लिए सरकार की ओर से धन की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

समस्या समाधान के लिए प्रदेशाध्यक्ष बडौली ने अधिकारियों को निर्देश

एजेंसी

सोनीपत। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक मोहनलाल बड़ौली ने गांव जगदीशपुर, टांडा और झुण्डपुर के लोगों की समस्याएं सुनी और इसके साथ ही संबधित विभागीय अधिकारियों को समाधान करने के लिए निर्देश दिए हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि लोगों की समस्याएं जो आ रही हैं अधिकारी उनको गंभीरता

से लें। समस्याएं लेकर आता है उसके साथ अच्छे आचरण के साथ बात करें और उसकी समस्या की सुनवाई करते हुए उसको दूर करने का कार्य करें। लोगों को बेवजह चक्कर न काटने पड़े। उन्होंने कहा कि वे 24 घण्टे लोगों की समस्याओं को लेकर उनके साथ खड़े है इसलिए अगर किसी व्यक्ति को कोई परेशानी है तो वे सीधे आकर उनसे मिलें। उनकी हर समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए ही प्रत्येक जिला में समाधान शिविर भी आयोजित किए जा रहे है, जिसमें उपायुक्त लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनका तुरंत समाधान करवाते हैं।

फैक्टरियों में कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों को पक्का करने पर दिया जाएगा जोरः श्रम मंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य और श्रम मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि फैक्टरियों में कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों को पक्का करने पर जोर दिया जाना चाहिए। यह न केवल श्रमिकों बल्कि फैक्टरियों के हित में भी है, क्योंकि इससे उत्पादकता में निरंतर वृद्धि होती है। स्टेट एडवाइजरी कॉन्ट्रेक्ट लेबर बोर्ड के अध्यक्ष और श्रम मंत्री शर्मा ने बोर्ड की पहली बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए । श्रम मंत्री शर्मा ने कहा कि श्रमिकों का कल्याण हमारी प्राथमिकता है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें सही माहौल मिल रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि फैक्टरी संचालकों के साथ मिलकर कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों को पक्का करने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जो फैक्टरियां किसी ठेकेदार के माध्यम से कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों को काम पर रखते हैं, यदि

उनमें से किसी ने बोर्ड के तहत अपना पंजीकरण नहीं करवाया है, तो उनका पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें ताकि फैक्टरियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो सके। साथ ही, कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों पर लागू होने वाले विभिन्न कानूनों अथवा नियमों को भी सूचिबद्ध किया जाए, ताकि उन्हें सभी तरीके से लागू किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि कॉन्ट्रेक्ट लेबर एक्ट, 1970 के तहत कॉन्ट्रैक्ट श्रमिकों के कल्याण के लिए स्टेट एडवाइजरी कॉन्ट्रैक्ट लेबर बोर्ड गठित किया गया है। इसका कार्य श्रमिकों के लिए बनाए गए नियमों, कार्य के लिए उचित माहौल, उनकी सुरक्षा इत्यादि की निगरानी रखने के साथ-साथ उनके कल्याण के लिए कार्य करना है।

गुरुग्राम में रैपिड मेट्रो में यात्रियों की संख्या बढ़ी

एजेंसी

चंडीगढ़।रैपिड मेट्रो रेल गुड़गांव लिमिटेड और रैपिड मेट्रो रेल गुड़गांव साउथ लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यात्रियों और राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह जानकारी मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड के बोर्ड की बैठक के बाद दी।

मुख्य सचिव ने कहा कि अप्रैल से जून 2024 के दौरान इन दोनों कम्पनियों की कुल आय पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.49 प्रतिशत बढ़कर 8.11 करोड़ रुपये हो गई। यह वृद्धि सीधे तौर पर इस अवधि के दौरान यात्रियों में 8.75 प्रतिशत की वृद्धि के कारण हुई है। रैपिड मेट्रो नेटवर्क का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि के चलते अप्रैल, मई और जून 2024 में क्रमशः 12.20 लाख, 13.48 लाख और 12.30 लाख यात्री दर्ज किए गए। बैठक में राज्य के अंदर कनेक्टिविटी बढ़ाने के

उद्देश्य से कई मेट्रो परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। गुरुग्राम के सेक्टर-56 को पंचगांव से जोड़ने वाले प्रस्तावित मेट्रो लिंक एक्सटेंशन की दूरी 36 किलोमीटर होगी और इसमें 28 एलिवेटेड स्टेशन शामिल होंगे। इसके लिए राइट्स लिमिटेड ने रूट और ट्रांसपोर्ट सिस्टम प्लान को अंतिम रूप दे दिया है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को 31 अगस्त, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह विस्तार गुरुग्राम क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार और भीड़भाड़ को कम करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार बल्लभगढ़ से पलवल तक मेट्रो लाइन के विस्तार में तेजी ला रही है। राइट्स लिमिटेड ने तकनीकी-व्यवहार्यता अध्ययन के बाद अपनी मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। अंतिम रिपोर्ट और व्यवहार्यता अध्ययन सितंबर 2024 तक संभावित है।

बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश के लिए नियमित निरीक्षण करें अधिकारी : रणजीत सिंह

एजेंसी

हिसार। बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ढाणियों में लंबित बिजली कनेक्शन शीघ्र मुहैया करवाएं व उपभोक्ताओं के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने बिजली निगम के उच्चाधिकारियों से कहा कि वे शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण करें।

बिजली मंत्री रणजीत सिंह यहां बिजली पंचायत में आए क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि हाई वोल्टेज लाइन पर अतिरिक्त सावधानियां बरती जाएं ताकि किसी प्रकार की अनहोनी न हो। स्मार्ट मीटर के लंबित कार्यों को जल्द पूरा करें। उन्होंने निगम के अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति करने तथा जनसमस्याओं का निराकरण प्राथमिक स्तर पर करने के भी निर्देश दिए। बिजली पंचायत में विभिन्न जिलों की 17 ग्राम पंचायतों एवं विभिन्न गांवों से आए हुए जनप्रतिनिधियों ने ऊर्जा मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखी।

बिजली पंचायत में लटकी

बिजली की तारें, पंचायत घरों के लिए सोलर पैनल, झींगा फार्मिंग के लिए किसानों को नए बिजली कनेक्शन देने, ट्रांसफार्मर लगाने, रोजगार, तीन फेज सप्लाई लाइन, शिफ्ट करने व कसने तथा ढाणियों में बिजली से संबंधित शिकायतें सामने आई। इसके अतिरिक्त रिहायशी व स्कूलों के ऊपर से हाई टेंशन वायर हटाने से संबंधित समस्याओं को भी ऊर्जा मंत्री के समक्ष रखा गया, जिस पर उन्होंने संबंधित कार्यों को जल्द पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व मेयर गौतम सरदाना, जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, जोगीराम खुंडिया, एसई ओमबीर, ईओ एचएसवीपी राजेश खोथ, जिला पार्षद बीरसिंह, महेंद्र साहू, पवन शर्मा, संजीव रेवड़ी, रवि सैनी, घनश्याम शर्मा सहित विभिन्न गावों के ग्रामीण उपस्थित रहे।

कानून मंत्री से मिली सर्वजातीय खाप पंचायतें

एजेंसी

जींद। सर्व जातीय खाप पंचायत के पदाधिकारियों ने कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के निमंत्रण पर उनसे असामाजिक कानून को लेकर मुलाकात की। खाप में 51 सदस्य शामिल रहे। इस दौरान लीव इन रिलेशनशिप, लव मैरिज समलैंगिक और लड़की की शादी उम्र 21 साल ना करके 18 साल रखने पर खाप ने रोष जताया। खाप पंचायत की ओर से माजरा खाप पंचायत के प्रैस प्रवक्ता समुन्द्र सिंह फोर और जयपाल दहिया ने अपना पक्ष

रखा। पूर्व सांसद डीपी वत्स ने खापों की ओर से अच्छी भूमिका निभाई। समुंद्र सिंह ने कानूनी बारीकियों पर चर्चा करते हुए कहा कि लीव मैरिज में हिंदू कोड बिल में संशोधन किया जाए। मां-बाप की सहमति से शादी हो। गांव व साथ लगते गांव में सम गोत्र में शादी पर प्रतिबंध लगाएं। इस कानून में संशोधन किया जाए। लडकी शादी उम्र 21 पर विचार करना बंद किया जाए और उम्र 18 साल ही रखी जाएं। लीव इन रिलेशनशिप एक अनावश्यक व अभद्र कानून हैं। तलाक किए बैगर ही लीव इन में रहने पर पाबंदी लगाई जाएं।सैक्शन 125 की धारा को इस कानून से हटाया जाए। क्योंकि महिला लीव इन में रहती फिर तोड़ देती और 125 सैक्शन के अनुसार गुजारा भत्ता की हकदार होती है। एक ओर कितनी लीव इन करें कोई पाबंदी नहीं है। इस कानून को रद्द किया जाए। समलैंगिक कानून को रद्द किया जाए। नए कानून सक्शन 377 को मान्य किया जाए ताकि इसे कानून पर अंकुश लगाया जा सकें और इसे रद्द किया जाए। देशवाल खाप प्रधान संजय देशवाल, मलिक खाप के राष्ट्रीय महासचिव अशोक मलिक ने बताया ने कहा कि सरकार ने समाज के ताने-बाने को बरकरार रखने पर जोर देना चाहिए और अभद्र कानूनों को शीघ्र रद्द करना चाहिए। माजरा खाप प्रैस प्रवक्ता समुन्द्र सिंह फोर के अनुसार मंत्री खापों की कार्यप्रणाली से बहुत संतुष्ट थे।

मंडी में फ़सल बिक्री प्रक्रिया का होगा सरलीकरणः कंवर पाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवर पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में बिक्री के लिए आने वाली फ़सल की प्रक्रिया का सरलीकरण करें ताकि आढ़तियों और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने मंडियों में ली जाने वाली मार्केट फीस समेत अन्य कार्यों में पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए।

कंवर पाल अपने कार्यालय में आढ़तियों के प्रतिनिधिमंडल तथा हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, मुख्य प्रशासक मुकेश कुमार आहूजा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने आढ़ती एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और कहा कि आढ़ती सरकार और किसान के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी होता है। इनके माध्यम से जहां किसानों को अपनी फसलों को बेचने में सुविधा होती है, वहीं सरकार को भी अच्छा राजस्व मिलता है। उन्होंने अधिकारियों को द्वारा मंडियों में भरे जाने वाले एलएल फॉर्म के कांसेप्ट का सरलीकरण करने के भी निर्देश दिए। कंवर पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे खाली मंडी (जब फसल बिक्री का

समय न हो) के शेड का सदुपयोग करने तथा अनाज मंडियों में कुछ कमर्शियल गतिविधियों की छूट दिए जाने की संभावनाओं को भी तलाश करें ताकि राज्य सरकार को कुछ अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हो सके। निर्देश दिए कि गेहूं की फसल के समय मंडियों में जल्द उठान का प्रबंध किया जाना चाहिए ताकि आढ़तियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड

आगामी चुनाव में हरियाणा में बनेगी भारतीय जनता पार्टी की सरकार- ज्ञान चंद

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने मंगलवार को पंचकूला के सेक्टर एक में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। गुप्ता ने कहा कि इससे हरियाणा के किसानों को लाभ मिलेगा। राज्य में हर फसल पर एमएसपी देकर किसानों को प्राथमिकता दी गई है।उन्होंने कहा कि किसानों में खुशी की लहर है। विपक्ष ने किसानों को गुमराह करने की कोशिश की कि हरियाणा सरकार किसान विरोधी सरकार है। उन्होंने कहा, ÷कांग्रेस के शासन में किसानों को केवल 135 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में दिए गए थे, हमारी सरकार ने 1150 करोड़ रुपये दिए। पंजाब के मुख्यमंत्री के बारे में उन्होंने कहा कि वह खुद को किसानों का मसीहा कहते हैं, वह दो फसलों को एमएसपी पर खरीद रहे हैं और हरियाणा सरकार सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदेगी। पंजाब सरकार को यह बात किसानों को बतानी चाहिए। ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि 12 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 85 करोड़ की लागत से बनने वाले इंजीनियरिंग कॉलेज और अंतरराष्ट्रीय शूटिंग रेंज का शिलान्यास करने जा रहे हैं। कॉलेज में बीटेक इंजीनियरिंग लर्निंग, बीटेक साइबर सिक्योरिटी, बीटेक रोबोटिक्स, बीटेक कंप्यूटर साइंस व अन्य कक्षाएं शुरू हो गई हैं। सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में 270 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है। इस कॉलेज के बनने से युवाओं को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि 13.5 एकड़ में 33 करोड़ रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय शूटिंग रेंज बनाई जा रही है, इससे राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार होंगे और वे अंतरराष्ट्रीय खेलों में भाग ले सकेंगे।

Name Change

It is for general information that I, AMIR SINGH S/o RAMPHAL SINGH, R/o Khanpur Khurd(15-N), Khanpur Khurd, Jhajjar, Haryana - 124142, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as AMIR and LALIT MEHRA in my minor Son LALIT KUMAR aged 16 years in his 10th Class Educational Document. The actual name of mine and my minor Son are AMIR SINGH and LALIT KUMAR, which may be amended accordingly.

अमेजन इंडिया के प्रमुख मनीष तिवारी ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली । ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया के प्रमुख और क्षेत्रीय प्रबंधक मनीष तिवारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। तिवारी ने लगभग आठ साल बाद यह पद छोड़ा है। वे किसी दूसरी कंपनी में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। अमेजन ने जारी बयान में बताया कि मनीष तिवारी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ई-कॉमर्स कंपनी ने कहा कि तिवारी अपनी जिम्मेदारी सुचारू रूप से सौंपने के लिए अमेजन के साथ अक्टूबर तक जुड़े रहेंगे। तिवारी किस कंपनी के साथ जुड़ने जा रहे हैं, इस बारे में फ़िलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वे वर्ष 2016 में अमेजन इंडिया से जुड़े थे। इससे पहले वे लंबे समय तक यूनिलीवर से जुड़े रहे। उल्लेखनीय है कि अमेजन डॉट कॉम इंक अमेजन के नाम से अपना कारोबार करती है। ये एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी है, जो ई-कॉमर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, ऑनलाइन विज्ञापन, डिजिटल स्ट्रीमिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में लगी हुई है।

आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुब्रमण्यम ने सीतारमण से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक प्रो. कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने यहां मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यकारी निदेशक प्रो. कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने संसद भवन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि 53 वर्षीय कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमण्यम देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के कार्यकाल में 2018-21 तक देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार का पद रह चुके हैं। फिलहाल वे आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक का पद संभाल रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। देश में आज पेट्रो पदार्थ की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.90 डॉलर यानी 1.18 फीसदी की उछाल के साथ 77.20 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.11 डॉलर यानी 1.52 फीसदी बढ़कर 74.05 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

कैनन ने लॉन्च किए स्किल डेवलपमेंट सेंटर

नई दिल्ली। समुदायों को सशक्त बनाने की अपनी सीएसआर प्रतिबद्धता के साथ कैनन इंडिया ने आज दिल्ली के कापसहेड़ा और मुम्बई के अंधेरी ईस्ट में दो नए स्किल सेंटर खोलने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप इस प्रोजेक्ट से स्किल डेवलपमेंट द्वारा प्रभाव उत्पन्न कर समाज को अपना योगदान देने की कैनन इंडिया की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। स्किल डेवलपमेंट एंड लिवलिहुड प्रोग्राम का उद्देश्य शहरी झुग्गियों में रह रहे 18 से 25 साल के युवाओं को जीवन के लिए आवश्यक और रोजगारयोग्य कौशल प्रदान करके उनके जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें ग्राहक-केंद्रित, ग्रे-कॉलर नौकरियों में प्लेसमेंट दिलाना है, ताकि उन्हें स्थिर रोजगार मिल सके।

Canon
Delighting You Always

देश में औद्योगिक सौहार्द संबंध आवश्यक: मांडविया

डॉ. मनसुख मांडविया ने केंद्रीय श्रम सेवा में नवनियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने केंद्रीय श्रम सेवा (सीएलएस) में नवनियुक्त अधिकारियों को आज नई दिल्ली में नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री श्रीमती शोभा करंदलाजे भी उपस्थित थीं।

अपने संबोधन में डॉ. मांडविया ने स्वयं को श्रम और रोजगार मंत्री के रूप में युवा अधिकारियों को शामिल करने एवं नियुक्ति पत्र वितरित करने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'अपनी सेवा प्रदान करते समय सर्वप्रथम राष्ट्र को अपने ध्यान में रखें। यदि आप अपनी सेवा के साथ प्रतिबद्धता को जोड़ देंगे तो अपेक्षित

परिणाम निश्चित रूप से मिलेंगे।'

केंद्रीय मंत्री ने औद्योगिक विवादों की रोकथाम और निपटान के माध्यम से देश भर में सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाए रखने की नितांत आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने केंद्रीय क्षेत्र में विभिन्न श्रम कानूनों पर अमल और कार्यान्वयन के लिए एक व्यवस्थित नजरिया अपनाने के विशेष महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त अधिकारीगण इन कानूनों का पालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे देश भर में कामगारों के अधिकारों और खुशहाली की रक्षा होगी।केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री श्रीमती शोभा करंदलाजे ने इस अवसर पर अपने संबोधन में श्रम कानूनों को लागू करने और प्रबंधन एवं कामगारों के बीच सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाए रखने के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने इन सिद्धांतों को निरंतर बनाए रखने और देश भर में कामगारों के लिए स्थिर एवं निष्पक्ष परिवेश या माहौल बनाने में अहम योगदान देने के लिए सीएलएस अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

लायंस फाउंडेशन वायनाड में आये भूस्खलन से पीड़ित लोगों को वित्तीय सहायता देगा

एजेंसी

वायनाड। केरल के वायनाड में आये भूस्खलन से पीड़ित लोगों के लिये रिलायंस फाउंडेशन स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर उन्हें सहायता देने के लिये खाद्य पदार्थ, फल, दूध, सूखा राशन इत्यादि उपलब्ध करा रहा है। विज्ञप्ति में रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष नीता अंबानी का हवाला देते हुये कहा गया है कि भूस्खलन पीड़ितों को बीज, चारा, उपकरण और व्यावसायिक प्रशिक्षण भी मुहैया कराएगा। बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुस्तकों और खेल सामग्री सहित शिक्षा सहायता उपलब्ध कराएगा। राज्य में संचार सुविधा सुचारु रूप से चल सके इसके लिये रिलायंस ने विशेष टावर लगाए हैं। सुश्री अंबानी ने कहा है कि वह वायनाड के लोगों की पीड़ा और भूस्खलन से हुए भारी नुकसान से दुखी हैं। इस दुख की घड़ी में रिलायंस

फाउंडेशन की टीमें दिन रात काम कर रही हैं। वह इस कठिन समय में केरल के लोगों के साथ हैं।कंपनी के बयान के मुताबिक रिलायंस फाउंडेशन की टीमें राहत सामग्री के साथ मौके पर मौजूद हैं। वे राज्य अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन से लगातार चर्चा कर रही हैं। प्रत्येक काम को राज्य और अन्य आपदा एजेंसियों के साथ तालमेल के साथ लागू किया जा रहा है ताकि मदद समय पर पहुँचे।

अचल संपत्ति लेनदेन पूंजीगत लाभ के मामले में बड़ी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्त विधेयक 2024- 25 में संशोधन करते हुए किसी व्यक्ति या एचयूएफ द्वारा 23 जुलाई, 2024 से पहले अधिग्रहित दीर्घकालिक पूंजीगत संपत्ति (भूमि या भवन या दोनों) के हस्तांतरण के मामले में करदाताओं को बड़ी राहत देते हुऐ नई या पुरानी दोनों में से किसी एक योजना का चयन करने की छूट देने जा रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त विधेयक 2024-25 में संशोधन पेश करेंगी, जिसमें संपत्ति पर पूंजीगत लाभ के लिए इंडेक्सेशन लाभ को हटाने के विवादास्पद प्रस्ताव शामिल हैं। नई योजना के तहत 12.5 प्रतिशत बिना इंडेक्सेशन के कर की गणना कर सकता है और पुरानी योजना के तहत इंडेक्सेशन के साथ 20 प्रतिशत पर कर की गणना कर सकता है] और ऐसा कर चुका सकता है जो दोनों में से कम हो।

प्रभावी रूप से, 23 जुलाई, 2024 को अब पूंजीगत लाभ की गणना के लिए कट-ऑफ तिथि के

रूप में निर्धारित किया गया है, जबकि पहले 2001 की कट-ऑफ तिथि ने संपत्ति- परिसंपत्तियों के दीर्घकालिक मालिकों पर इसके प्रभाव को लेकर बहुत चिंता पैदा की थी। इस बदलाव के जरिए (जो इंडेक्सेशन के साथ और बिना इंडेक्सेशन के दो कर दरों की लचीलापन प्रदान करता है) मोदी सरकार ने उस नाराजगी को दूर करने की कोशिश की है, जो 'पूर्वव्यापी' कर कदम के रूप में माना जाने पर पैदा हुई थी। ऐसी भी चिंताएं थीं कि मूल प्रस्ताव से लेन-देन के मूल्यों की कम रिपोर्टिंग होगी और रियल एस्टेट सौदों में नकदी का उपयोग बढ़ जाएगा।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, चांदी में मामूली तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना सपाट स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। हालांकि चांदी की कीमत में आज मामूली तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत के सपाट स्तर पर बने रहने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 70,950 रुपये से लेकर 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना सर्राफा बाजारों में 64,990 रुपये से लेकर 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर चांदी की कीमत में आज 400 रुपये तक की तेजी बनी हुई है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 85,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज भी 70,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर

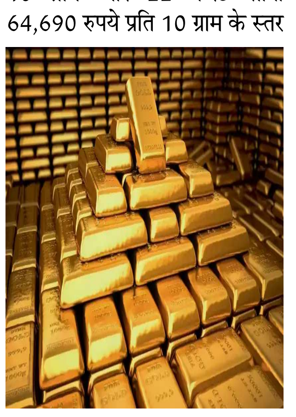

पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 64,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 70,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 64,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 70,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 64,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,620 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 64,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 70,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जन-धन और बुनियादी बचत खातों में न्यूनतम राशि रखना जरूरी नहीं : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जन-धन और बुनियादी बचत खातों में न्यूनतम राशि बनाए रखने की कोई जरूरत नहीं है।

वित्त मंत्री ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। पूरक सवाल में पूछा गया था कि पिछले पांच वर्षों के भीतर बैंक खातों में न्यूनतम राशि नहीं रखने पर ग्राहकों से करीब 8,500 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया, जिसके जवाब में वित्त

मंत्री ने सदन को यह जानकारी दी।

सीतारमण ने अपने जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) और बुनियादी बचत खातों में न्यूनतम राशि बनाए रखने की कोई जरूरत नहीं है। सीतारमण ने कहा कि बैंक खाते में न्यूनतम राशि रखने का प्रावधान पीएमजेडीवाई और बुनियादी खातों पर लागू नहीं होता है। यह केवल उन लोगों के लिए है, जिनकी न्यूनतम राशि एक निश्चित स्तर पर होने की उम्मीद है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में सदन को बताया कि साइबर अपराध के मामले में एक बात है लेकिन वित्त संस्थानों, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से संबंधित धोखाधड़ी या ई-धोखाधड़ी के मामले में प्रत्येक बैंक के मामले में ग्राहकों को मुआवजा दिया गया है।

प्रीमियम और लक्जरी आवास की मांग में वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में प्रीमियम और लक्जरी आवासों की मांग में तेजी बनी हुयी है क्योंकि अप्रैल-जून तिमाही में 43 प्रतिशत नए लॉन्च और 38 प्रतिशत बिक्री के साथ हाई-एंड हाउसिंग का दबदबा देखा गया है। ऑनलाइन प्रॉपर्टी ब्रोकरेज फर्म प्रोपटाइगर डॉटकॉम की नयी रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषित नीतिगत उपायों के लागू होने से किफायती हाउसिंग सेगमेंट अपना खोया हुआ आधार वापस पा सकता है। कंपनी की 'रियल इनसाइटः रेज़िडेंशियल अप्रैल-जून 2024' नामक त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार इन तीन महीनों के दौरान भारत के आठ प्रमुख रेज़िडेंशियल बाजारों में लॉन्च की गई 43 प्रतिशत

यूनिटों की कीमत एक करोड़ रुपये से ऊपर थी। इसके अलावा, इस प्राइस ब्रैकेट में आने वाली हाउसिंग यूनिटों की तिमाही बिक्री में हिस्सेदारी 38 प्रतिशत थी।

नवीनीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 500 गीगावॉट बिजली बनाने के लक्ष्य पूरा होगा: जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। नवीन और नवीनीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने राज्यसभा में विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्यों के सहयोग से वर्ष 2030 तक नवीनीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 500 गीगावॉट बिजली बनाने का लक्ष्य पूरा होगा।

श्री जोशी ने सदन में नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय के कार्यो पर चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि सरकार निरंतर वर्ष 2030 तक गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों से 500 गीगावॉट बिजली बनाने का लक्ष्य पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों से 70 गीगावॉट बिजली बनाई जाती थी जो अब 203 गीगावॉट तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से इस क्षेत्र में निवेश लगातार बढ़ रहा है और सरकार के आवंटन में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि नवीनीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सरकार ने ऑटोमेटिक रूट से निवेश की अनुमति दी है। इस वर्ष के बजट में नवीनीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र का

आवंटन 21000 करोड रुपए रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोग से वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट नवीनीकरण ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। श्री जोशी के उत्तर के दौरान कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

उन्होंने कहा कि नवीनीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सरकार ने विभिन्न योजनाएं चलाई है और उन पर गंभीरता से काम किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री कुसुम योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नवीनीकरणीय ऊर्जा का क्षेत्र सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, जैव ऊर्जा और अपतटीय ऊर्जा तक फैला है। सरकार ने इस क्षेत्र में गुणवत्ता युक्त उपकरण बनाने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना भी शुरू की है जिसका अच्छा प्रतिदान मिला है।श्री जोशी ने कहा कि नवीनीकरणीय ऊर्जा से जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटा जा सकता है तथा रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ-साथ विदेशों पर ईंधन की निर्भरता भी समाप्त होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नवीनीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली सस्ती होती है। लद्दाख समेत विभिन्न क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अपतटीय ऊर्जा की पहली परियोजना तमिलनाडु में लगाई जा रही है। कुसुम योजना में कर्नाटक और तेलंगाना अग्रणी रहे हैं। इसके अलावा सभी राज्यों से इसके लिए आवेदन मिल चुके हैं। सरकार अभी तक इस योजना पर और 430 करोड़ रुपए की सब्सिडी दे चुकी है। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी को 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। यह योजना किसानों की सहायता के लिए है और इसके अंतर्गत खेतों में सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप लगाए जाते हैं।

उन्होंने राज्यों से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि यह मंत्रालय भविष्य की पीढियों का सुरक्षित करने के लिए है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के अधिकारी परामर्श बैठकों में नहीं आते हैं। राज्य को एक सौर ऊर्जा पार्क दिया गया है जिस पर अभी तक काम नहीं शुरू हुआ है। उन्होंने सदस्यों से विदेश की बजाय अपने देश की उपलब्धि देखने का आह्वान करते हुए कहा कि नवीनीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का चौथा स्थान है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का मुख्यालय भारत में है।

टमाटर की ऊंची कीमतों ने जुलाई में 11 प्रतिशत महंगी की शाकाहारी थाली

एजेंसी

मुंबई । मासिक आधार पर टमाटर की कीमतों में उछाल आने से जुलाई के महीने में शाकाहारी थाली 11 प्रतिशत तक महंगी हो गई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रोटी चावल दर रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2024 की तुलना में जुलाई में मांसाहारी थाली भी छह प्रतिशत महंगी हो गई है। रिपोर्ट कहती है कि रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद वाली शाकाहारी थाली की कीमत जुलाई 2024 में 32.6 रुपये प्रति प्लेट थी जबकि जून 2024 में इसकी दर 29.4 रुपये प्रति प्लेट थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ''जून की तुलना में जुलाई महीने में शाकाहारी थाली की कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसका मुख्य कारण टमाटर की कीमतों में उछाल आना था। इसका शाकाहारी थाली की कीमत बढ़ोतरी में सात प्रतिशत योगदान रहा।'' मांसाहारी थाली की कीमत भी जुलाई के महीने में छह प्रतिशत बढ़कर 61.4 रुपये प्रति प्लेट हो गई जबकि जून में इसकी कीमत 58 रुपये प्रति प्लेट थी। मांसाहारी थाली में अमूमन शाकाहारी थाली वाली सामग्री ही होती है लेकिन उसमें दाल की जगह चिकन होता है। हालांकि, सालाना आधार पर शाकाहारी थाली के दाम जुलाई में चार प्रतिशत घट गए। इसका मुख्य कारण टमाटर की कीमतों का उच्च आधार प्रभाव था।

बांग्लादेश के राजनीतिक संकट से द्विपक्षीय व्यापार को जोरदार झटका लगने की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार को बांग्लादेश के राजनीतिक संकट की वजह से जोरदार झटका लगने की आशंका बन गई है। बांग्लादेश के संकट के कारण दोनों देशों के व्यापारियों को एक झटके में करोड़ों रुपये का नुकसान होने का डर सताने लगा है। मौजूदा राजनीतिक संकट के कारण सुरक्षा वजहों से भारत और बांग्लादेश की सीमा सील कर दी गई है, जिसकी वजह से दोनों देशों के बीच दैनिक जरूरत का सामान की आपूर्ति करने वाले करीब 600 ट्रक फंस गए हैं।

दोनों देशों के बीच सब्जी और अनाज से लेकर कपड़ा और मछली तक का आयात और निर्यात होता है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। इसी तरह एशिया महादेश में बांग्लादेश भारत का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। बांग्लादेश के राजनीतिक संकट के बाद दोनों देशों के बीच जारी द्विपक्षीय व्यापार के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग गया है।

जानकारों के अनुसार भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार में अभी तक भारत की भूमिका 'बिग ब्रदर' वाली रही है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान दोनों देशों के बीच 14 बिलियन डॉलर (करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये) का व्यापार हुआ था। इसमें भारत ने लगभग दो बिलियन डॉलर का सामान बांग्लादेश से आयात किया था, जबकि 12 बिलियन डॉलर का सामान बांग्लादेश को निर्यात किया गया था। मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों

के बीच के विपक्षीय व्यापार में और बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही थी लेकिन बांग्लादेश के संकट की वजह से इस द्विपक्षीय व्यापार पर तत्काल प्रभाव से रोक लग गयी है।

मार्केट एक्सपर्ट जयंत महापात्रा के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच प्रतिदिन करोड़ों रुपये का व्यापार होता है। बड़े सामान के अलावा दोनों देशों के बीच दैनिक जरूरत की चीजों का भी जमकर व्यापार होता है। बांग्लादेश से रोजाना बड़ी मात्रा में मछली का आयात किया जाता है। हिलसा मछली के उत्पादन में बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। भारत में हिलसा मछली बड़े पैमाने पर आयात की जाती है। दूसरी ओर, भारत की ओर से रोजाना करोड़ों रुपये कीमत की सब्जियां और फल बांग्लादेश भेजे जाते हैं। इसके अलावा बांग्लादेश को भारत पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन, कॉटन और हेवी मशीनरी का भी बड़े पैमाने पर निर्यात करता है। बांग्लादेश में तख्तापॉल्ट होने के बाद इस पूरे कारोबार पर अनिश्चितकाल तक के लिए रोक लग गई है।

भारतीय निर्यातक सुमित घोषाल के मुताबिक दोनों देशों की सीमाओं के अंदर निर्यातकों और आयातकों के 600 से अधिक ट्रक फंसे हुए हैं, जिनमें से अधिकांश पर दैनिक जरूरतों वाला सामान लदा हुआ है। उपद्रव की आशंका के कारण भारतीय सीमा सील कर दी गई है, जिसकी वजह से ना तो भारत से कोई ट्रक बांग्लादेश जा पा रहा है और ना ही बांग्लादेश से कोई ट्रक सामान लेकर भारत आ पा रहा है। ऐसी स्थिति में दैनिक जरूरत की चीजों का व्यापार करने वाले निर्यातकों और आयातकों को भारी नुकसान होने की आशंका बन गई है। घोषाल के मुताबिक अगर भारत-बांग्लादेश की सीमा को जल्दी ही नहीं खोला गया, तो ट्रकों में लदा अधिकांश सामान खराब हो सकता है, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हो जाएगा।

रिलायंस समूह फॉर्च्यून ग्लोबल 500 लिस्ट में दो पायदान चढ़कर 86वें स्थान पर

एजेंसी

नई दिल्ली। फॉर्च्यून पत्रिका की 500 शीर्ष वैश्विक कंपनियों की नयी सूची में भारत का रिलायंस उद्योग समूह दो पायदान चढ़कर 86वें स्थान पर पहुंच गया है। इस सूची में पहले 100 स्थान में इस बार भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भी जगह बनायी है और यह 12 पायदान ऊपर चढ़ कर 95वें स्थान पर पहुंच गयी है।फॉर्च्यून ग्लोबल 500 लिस्ट में वालमार्ट, अमेजन और स्टेट ग्रिड पहले तीन स्थानों पर काबिज हैं।रिलायंस इंडस्ट्रीज पिछले तीन साल में इस सूची में कुल मिला कर 69 पायदान ऊपर आयी है। फॉर्च्यन 2021 की सूची में रिलायंस समूह 155वें स्थान पर था।

सेहत दुरुस्त बनाएगा लाल नाशपाती, दिल का ख्याल रखने के साथ ही प्रेंग्नेसी में भी होगा लाभकारी

नाशपाती कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है जिसे डाइट में शामिल करने से सेहत को ढेरों फायदे मिलते हैं। लाल नाशपाती इसी का एक प्रकार है जो कई सारे गुणों से भरपूर होता है। इसे खाने से पाचन तंत्र बेहतर होता है और दिल को भी सेहतमंद बनाता है। साथ ही यह प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए भी काफी गुणकारी होता है।

पोषक तत्वों से भरपूर फल हमारी सेहत के लिए काफी गुणकारी माने जाते हैं। इन्हें डाइट में शामिल करने से कई समस्याओं से राहत मिलती है। यही वजह है कि डॉक्टर्स से लेकर बड़े-बुजुर्गों तक, हमें फल खाने की सलाह देते हैं। हर मौसम में अलग-अलग तरह के फल मिलते हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करने से ढेरों फायदे मिलते हैं। Red Pears यानी लाल नाशपाती इन्हीं में से एक है, जो अक्सर बरसात के मौसम में आते हैं।यह गुणों से भरपूर होते हैं और खाने में बेहद स्वादिष्ट भी। इसे अपनी डाइट में शामिल करने से कई समस्याओं से राहत मिलती है। हालांकि, बेहद कम लोग ही इससे होने वाले फायदे के बारे में जानते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो इसके फायदों से अनजान हैं, तो आइए जानते हैं लाल नाशपाती के कुछ फायदे-

इम्युनिटी बढ़ाए

विटामिन सी से भरपूर होने की वजह से लाल नाशपाती इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट इफेक्ट इम्युनिटी को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। साथ ही इसमें कॉपर की भी भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करता है।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए फायदेमंद

अगर आप प्रेग्नेंट हैं, तो इस दौरान लाल नाशपाती खाना सेहत के लिए काफी गुणकारी होता है। इसमें भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड पाया जाता है, जो किसी भी तरह की आनुवंशिक विकलांगता को रोकता है और मां और बच्चे को स्वस्थ रखता है।

गट हेल्थ को बेहतर बनाए

पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी लाल नाशपाती काफी गुणकारी होता है। इसमें मौजूद फाइबर कंटेंट मल त्याग में सहायता करता है और पाचन तंत्र में भी सुधारता है। साथ ही वे कब्ज को भी रोकते हैं।

हार्ट डिजीज से बचाए

लाल नाशपाती फाइबर और पोटेशियम का अच्छा स्रोत होता है, जो ब्लड प्रेशर को बनाए रखने में मदद करता है और डार्ट डिजीज की संभावना को भी कम करता है।

ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करे

एंथोसायनिन से भरपूर लाल नाशपाती ब्लड शुगर के लेवल को बनाए रखने में मदद करती है। इस वजह से इसे डाइट में शामिल करने से टाइप 2 डायबिटीज की संभावना कम करने में भी मदद मिलती है।

फ्री रेडिकल्स से बचाए

लाल नाशपाती विटामिन ए, सी और के से भरपूर होती है, जो फ्री रेजिकल्स से लड़ने में मदद करती है। साथ ही यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं और सेल्स को डैमेज से बचाते हैं।

जम्मू-कश्मीरः पूर्व-घोषित विफलता के पांच साल!

ये पांच साल, जम्मू-कश्मीर की जनता को, एक निर्वाचित सरकार के उसके न्यूनतम जनतांत्रिक अधिकारों से भी वंचित रखे जाने के भी साल हैं। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दावा यह किया जाता है कि धारा-370 के निरस्त किए जाने आदि, 5 अगस्त 2019 को उठाए गए कदमों के जरिए, जम्मू-कश्मीर का शेष भारत के साथ पूरी तरह से एकीकरण किया गया है और उसके हिस्से के तौर पर उसे पूरी तरह से भारतीय संविधान के दायरे में लाया गया है।खबरों के अनुसार, धारा-370 के निरस्त किए जाने और जम्मू-कश्मीर को दो हिस्सों में तोड़कर और राज्य का दर्जा छीनकर, दोनों टुकड़ों को दो केंद्र शासित क्षेत्र बनाने की पांच साल पूरे होने के मौके पर, एक बार फिर, खासतौर पर कश्मीर घाटी में, प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को उनके घरों में कैद कर दिया गया। मगर इसमें शायद ही किसी को हैरानी होगी। यहां और कुछ सामान्य हुआ हो न हुआ हो, इन पांच सालों में यह चीज बाकायदा समान्य हो चुकी है–छोटा या बड़ा, कोई भी मौका हो, कश्मीर की घाटी में प्रमुख राजनीतिक नेताओं को घर पर कैद कर दिया जाता है, ताकि किसी प्रकार का विरोध प्रदर्शन न हो सके। यह दूसरी बात है कि इसमें भी सीधे दिल्ली से नियंत्रित/ निर्देशित प्रशासन ने जबर्दस्ती, डिनाइबिलिटी के खेल की गुंजाइश निकाल ली है, जहां अक्सर इन नेताओं को घर पर कैद करने की जिम्मेदारी स्वीकार करने से भी यह कहकर इंकार-इंकार खेला जाता है, सरकार कहां किसी को रोक रही है; बस ये नेता ही हैं जो किसी वजह से घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं! 2019 की पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता पर मारक हमला किए जाने के समय पर, जो पूरे जम्मू-कश्मीर को महीनों के और कश्मीर को सालों के लिए जेल में तब्दील किया गया था, इन पांच सालों में उसमें इतना ही अंतर आया है कि प्रमुख नेता अब बाकायदा जेल में न होकर, अनौपचारिक नजरबंदी में हैं, जिनके दरवाजों पर बैठाई गई %सुरक्षा% टुकड़ियां कभी भी उनके घर के दरवाजे बाहर से बंद कर सकती हैं। यह इसके बावजूद है कि इनमें ज्यादातर नेता, कम से कम भारत-विरोधी कभी नहीं माने जाते थे।

इन पांच सालों में लोगों की आवाज को सामने ला सकने के लिहाज से मीडिया का जो भयानक दुर्गति हुई है, वह राजनीतिक मुख्यधारा की दुर्गति से भी भयानक है। शुरूआती दौर में मीडिया को पूरी तरह से पंगु किए जाने पर ही बात नहीं रुकी। विश्वनीय तरीके से स्वतंत्र आवाज माने जाने वाले, प्रभावशाली पत्रकारों को राजनीतिक कार्यकर्ताओं से भी ज्यादा अंधाधुंध तरीके से जेलों में ठूंसे जाने, शासन को पसंद न आने वाले एक-एक शब्द के लिए पत्रकारों को/ संपादकों को रोज-रोज परेशान किए जाने, स्वतंत्र प्रकाशनों का गला पूरी तरह से घोंटे जाने आदि के जरिए, शासन के चौतरफा आतंक के जरिए, स्वतंत्र मीडिया की तो हत्या ही कर दी गई है। जो प्रकाशन बचे भी रह गए हैं, उनमें सिर्फ सरकार की आवाज है, जनता की आवाज दूर-दूर तक कहीं नहीं है। जम्मू-कश्मीर में मीडिया की दुर्दशा को एक प्रतीक से समझा जा सकता है–राजधानी श्रीनगर में प्रेस क्लब के चुनाव कराने की कोशिश की गई, तो सेना-संचालित प्रशासन ने प्रेस क्लब की कमेटी को ही भंग कर क्लब को अपने हाथ में ले लिया और बाद में प्रेस क्लब को पुलिस थाने में ही तब्दील कर दिया गया!और इस सब का हासिल क्या है? जम्मू-कश्मीर पर अपने सांप्रदायिक हमले के पांच साल पूरे होने के मौके पर ट्विटर पर जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर यह कहकर आधे-सच और आधे-झूठ का सहारा लेने की कोशिश की है कि ये पांच साल सिर्फ धारा-370 तथा 35ए के निरस्त किए जाने के ही पांच साल हैं। जी नहीं। ये पांच साल जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म किए जाने और उसे केंद्र शासित क्षेत्रों, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांटे जाने के पांच साल भी हैं। संघ-भाजपा के दावे के अनुसार, अगर संविधान की उक्त धाराएं वाकई जम्मू-कश्मीर के शेष भारत के साथ एकीकरण में बाधक थीं और प्रधानमंत्री के ताजातरीन बयान के अनुसार, %महिलाओं, युवाओं, पिछड़ों, आदिवासियों तथा हाशियावर्ती समुदायों को सुरक्षा, गरिमा तथा अवसरों से% वंचित करती थीं और उन्हें %विकास के सुफलों से वंचित करती% थीं, तो उक्त धाराओं को निरस्त करने के साथ ही साथ, जम्मू-कश्मीर से राज्य का दर्जा छीनने और उसे दो टुकड़ों में बांटने की क्या जरूरत थी? क्या राज्य के रूप में जम्मू-कश्मीर जम्मू-कश्मीर का अस्तित्व ही उस सब में बाधक था या ये सब गढ़े हुए बहाने ही नहीं थे, जो जम्मू-कश्मीर को सजा देने के लिए, कुचलने के लिए गढ़े गए थे!

और सजा किस गुनाह की? सजा भारत का इकलौता मुस्लिम बहुल राज्य होने की, जहां के स्वतंत्रता आंदोलन के दौर समेत इतिहास तथा संस्कृति के अलावा, इस वजह से भी हिंदुत्ववादी राजनीति आसानी से कामयाब होने की उम्मीद नहीं कर सकती थी। याद रहे कि सत्ताधारी भाजपा के मातृ संगठन, आरएसएस ने इससे काफी पहले जम्मू-कश्मीर के तीन टुकड़ों–जम्मू, कश्मीर तथा लद्दाख–में बांटे जाने की बाकायदा मांग उठाई थी। लेकिन, बाद में संभवतः जम्मू में वर्चस्व और दिल्ली पर नियंत्रण के बल पर, कश्मीर को भी नियंत्रित करने की उम्मीद में रणनीति बदल दी गई और लद्दाख को अलग करते हुए, शेष जम्मू-कश्मीर को एक साथ बनाए रखा गया। बेशक, मौजूदा निजाम पांच साल से इसका भी वादा करता आया है कि एक दिन जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। लेकिन, वह दिन कब आएगा, क्या कुछ हो जाने के बाद आएगा, यह कभी स्पष्ट नहीं किया जाता है। दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले के बाद, इस पर तो मोहर भी लग गई है कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा कभी बहाल भी हुआ तो, लद्दाख के साथ उसका राज्य का दर्जा अब कभी बहाल नहीं होगा।और याद रहे कि ये पांच साल, जम्मू-कश्मीर की जनता को, एक निर्वाचित सरकार के उसके न्यूनतम जनतांत्रिक अधिकारों से भी वंचित रखे जाने के भी साल हैं। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दावा यह किया जाता है कि धारा-370 के निरस्त किए जाने आदि, 5 अगस्त 2019 को उठाए गए कदमों के जरिए, जम्मू-कश्मीर का शेष भारत के साथ पूरी तरह से एकीकरण किया गया है और उसके हिस्से के तौर पर उसे पूरी तरह से भारतीय संविधान के दायरे में लाया गया है। लेकिन, वास्तव में जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के उन न्यूनतम जनतांत्रिक प्रावधानों–एक निर्वाचित सरकार के द्वारा शासन–के दायरे से बाहर ही धकेल दिया गया है। यह दूसरी बात है कि अनेक टिप्पणीकार इसे, पूरे भारत में जनतंत्र के ह्रास के हिस्से के तौर पर भी देखते हैं और उन्होंने इस हिसाब से पूरे %भारत के ही कश्मीरीकरण की बात करनी शुरू कर है।बेशक, लद्दाख से भिन्न, जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित क्षेत्र बनाते हुए भी, उसके लिए विधानसभा का प्रावधान किया गया है। लेकिन, यह भी सच है कि 2019 तथा 2024, दो-दो लोकसभा के चुनाव होने के बावजूद, जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव नहीं कराए गए हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव के बाद दस साल और 2018 के जून से केंद्रीय शासन को चलते हुए, पूरे छः साल बीत चुके हैं, लेकिन मौजूदा निजाम को चुनाव कराने की शायद ही कोई चिंता नजर आती है। यह इसके बावजूद है कि न सिर्फ राज्य में विधानसभाई क्षेत्रों के नये परिसीमन तथा मतदाता सूचियों के नवीकरण समेत चुनाव की सभी तैयारियां ही पूरी नहीं हो चुकी हैं, हालांकि उस सब में फिक्सिंग के गंभीर आरोप भी लगे थे, शासन की ओर से बार-बार इसका दावा भी किया जाता है कि जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य हो चुके हैं। फिर भी, 2024 के संसदीय चुनाव के समय भी, बेतुके बहाने बनाकर विधानसभाई चुनाव नहीं कराये गए, जबकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसके लिए 30 सितंबर की अंतिम तारीख भी तय की जा चुकी थी।

हैरानी की बात नहीं है कि मानवाधिकार संगठन, फोरम फॉर ह्यूमन राइट्स इन जम्मू एंड कश्मीर ने इसकी आशंका जताई है कि बढ़ते %मिलिटेंट के बढ़ते हमलों% के नाम पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई अंतिम तारीख से भी आगे चुनाव की तारीखें टाली जा सकती हैं। इस फोरम ने अपनी रिपोर्ट, %जम्मू एंड कश्मीरः ए ह्यूमन राइट्स एजेंडा फॉर एन इलेक्टेड एडमिनिस्ट्रेशन% में फौरन चुनाव की तारीखें घोषित किए जाने की मांग करते हुए कहा है कि इसमें %देरी बेफायदा होगी। इससे (लोगों का)अलगाव बढ़ेगा और यह खेल बिगाड़ने वालों की मदद कर सकता है।इसके साथ ही इस रिपोर्ट में इसे भी चिंताजनक कहा गया है कि विधानसभा के चुनाव होने से पहले ही निवारक कार्रवाई कर के, निर्वाचित होने वाले प्रशासन की शासन करने की क्षमताओं पर कैंची चलाई जा रही है। 12 जुलाई को जारी नये प्रशासनिक नियमों के जरिए, %पुलिस, नौकरशाही, एटॉर्नी जनरल तथा सरकारी अभियोजन सेवाओं पर महत्वपूर्ण शक्तियां लेफ्टीनेंट गवर्नर को दे दी गई हैं, जो एक ओर निर्वाचित प्रशासन और दूसरी ओर एक नामजद प्राधिकार, सिविल तथा पुलिस सेवाओं के बीच गतिरोध खड़ा कर सकता है, जैसाकि दिल्ली में हुआ है।% रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इन नियमों से इस संबंध में भी संदेश पैदा होते हैं कि क्या जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल भी किया जाएगा और बहाल किया भी जाएगा तो कब तक और किस रूप में? उसके अनुसार, %नये नियमों से तो ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार उसकी जगह पर, दिल्ली की जैसी संकर व्यवस्था की ही सोच रही है।%

ये पांच साल, संघ-भाजपा की इस सांप्रदायिक सनक की विफलताएं, जिनके बारे में पहले ही बता दिया गया था, ज्यादा से ज्यादा खुलकर सामने आने के भी साल रहे हैं। पांच साल बाद, कदमों से जम्मू-कश्मीर में कोई भी खुश नहीं है।

संपादकीय

शेख हसीना का इस्तीफा

बांग्लादेश में पिछले लगभग 20 दिनों से चल रहे आरक्षण विरोधी आंदोलन को झेलने में असमर्थ वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंततः इस्तीफा दे दिया है। खबर है कि शेख हसीना ने देश भी छोड़ दिया है और सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से शरण लेने के लिये भारत आ गई हैं। आरक्षण विरोधी आंदोलन के तेज़ होने के बाद बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण में कोटा घटाने का फैसला लिया था, स्थिति ठीक भी होने लग गई थी लेकिन बाद में यह आंदोलन एक सूत्रीय मांग पर केन्द्रित हो गया था कि शेख हसीना इस्तीफा दें। इसे लेकर पूरे देश में पिछले एक पखवाड़े से हिंसा जारी है। पीएम आवास सहित राजधानी ढाका पर आंदोलनकारियों का कब्जा हो गया है। वे पीएम आवास के अंदर घुस चुके हैं और ज्यादातर शहरों की पुलिस चौकियों में जमे हुए हैं। रविवार को बड़ी तादाद में सड़कों पर उतर आये युवा एवं छात्र पुलिस व सेना के नियंत्रण से बाहर हो गये हैं। प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेशी नेशनलिस्ट पार्टी और जमात का इस आंदोलन के पीछे हाथ बताया जाता है। शेख हसीना ने इसे लेकर इशारा भी किया था कि यह आंदोलन अब राजनीतिक हो गया है।भारत सरकार ने एक एडवाइजरी जारी कर भारतीयों को देश की यात्रा टालने की सलाह दी है। ढाका में वहां के सेना प्रमुख वकार-उज-जमान ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा है शेख हसीना को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि देश में अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। उन्होंने जनता से हालात सुधारने के लिये कुछ समय मांगा है। जाहिर है कि बांग्लादेश में तख्तापलट हो चुका है और हालत वैसे ही हैं जो 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के रूप में उसके मुख्य देश से अलग से होने के लिये चलाये गये मुक्ति संग्राम के दिनों में था और उसके बाद 1975 की तरह भी, जब शेख हसीना के पिता व पहले प्रधानमंत्री बंगबन्धु शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या कर जनरल एमएजी उस्मानी ने सत्ता सम्हाली थी। यह भी देखना होगा कि जिस अंतरिम सरकार के गठन की बात वहां के आर्मी चीफ कह रहे हैं उसका स्वरूप सैन्य शासन का होता है या वहां लोकतांत्रिक बहाल होता है। भारत के लिये यह मामला बहुत महत्वपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारी 1971 की विवादग्रस्त आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे जिसके जरिये 1971 के मुक्ति संग्राम सेनानियों के वंशजों के लिये शासकीय नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था है। इसका समर्थन करने वालों और विरोधियों के गुट आमने-सामने है जिनकी हिंसक मुठभेड़ों में 300 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की बात कही जाती है। बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। इस दौरान कई स्थानों पर तोड़-फोड़ और आगजनी से भी नुकसान हुआ है। खासकर, सरकारी सम्पत्तियों को बड़े पैमाने पर आंदोलनकारियों द्वारा क्षति पहुंचाई गई है। तीन दिन पहले देश भर में कर्फ्यू लगा दिया गया था और पीएम ने सेना को हालात सुधारने का जिम्मा दिया था। वैसे देश में महिलाओं के लिये 10, धर्म के आधार पर अल्पसंख्यकों को 5 और विकलांग लोगों के लिये 1 प्रतिशत का आरक्षण है, लेकिन विरोध स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को दिये जाने वाले आरक्षण को ही है। बाद में हाईकोर्ट द्वारा इसका कोटा कम करने का फैसला सुनाया गया था लेकिन आंदोलनकारी उसे पूरी तरह से समाप्त करना चाहते हैं। वैसे आंदोलन के बाद जून माह में सरकार ने उच्च वर्ग की नौकरियों में इस आरक्षण को घटाया था पर इससे विरोधी संतुष्ट नहीं हुए। देखना यह है कि अंतरिम सरकार, जैसी भी बनती है, किस प्रकार से हालात को सुधारती है।दूसरी तरफ बांग्लादेश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने भारत सरकार के रवैये के प्रति नाराज़गी जताई है। वे ढाका में पदस्थ भारतीय दूतावास के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के पिछले महीने दिये गये उस बयान से व्यथित हैं जिसमें प्रवक्ता ने वहां के आंदोलन से उपजी स्थिति पर यह कहकर कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया था कि %यह बांग्लादेश का अंदरूनी मामला है।% यूनुस चाहते थे कि भारत शेख हसीना सरकार की इस मामले को लेकर आलोचना करें। यूनुस का कहना था कि %जब भारत कहता है कि यह घरेलू मामला है तो मुझे दुख होता है। यदि भाई के घर में आग लगी हो तो दूसरा भाई इसे घरेलू मामला कैसे बता सकता है? जिस देश में 17 करोड़ लोग संघर्ष कर रहे हैं .

वायनाड की तबाही अक्षम्य राजनीतिक अपराध का परिणाम

वायनाड के भूस्खलन के संदर्भ में, असली सवाल यह है कि क्या नवीनतम मसौदा अधिसूचना से सार्थक बदलाव आयेगा या यह केवल एक और रणनीति के रूप में ही काम करेगा। वायनाड में देखी गई तबाही एक अलग घटना नहीं थी, बल्कि पर्यावरण क्षरण के व्यापक पैटर्न का हिस्सा थी जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है या अपर्याप्त रूप से संबोधित किया गया है।वायनाड में हुए विनाशकारी भूस्खलन, जिसमें बस्तियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों का एक बड़ा हिस्सा तबाह हो गया, के बाद पश्चिमी घाट के लगभग 56,825 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को इको-सेंसिटिव क्षेत्र (ईएसए) के रूप में घोषित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा एक नयी मसौदा अधिसूचना जारी करने के निर्णय को इस क्षेत्र की पुरानी पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति एक रणनीतिक, सुविचारित दृष्टिकोण के बजाय एक जल्दबाजी में लिया गया कदम ही माना जा सकता है।पश्चिमी घाट, जो एक एक जैव विविधता हॉटस्पॉट और एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय क्षेत्र है, लंबे समय से विकास संबंधी दबाव और अधकचरे संरक्षण प्रयासों दोनों के निशाने पर रहा है। घाट पिछले कई वर्षों से कई पर्यावरणीय चर्चाओं और कानूनी संशोधनों का विषय रहे हैं। यहां तक कि जुलाई 2022 में जारी नवीनतम मसौदा इस पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में विकास और संरक्षण के बीच जटिल संतुलन को संबोधित करने के उद्देश्य से अधिसूचनाओं की लंबी श्रृंखला में एक और पुनरावृत्ति को चिह्नित करता है।

विभिन्न राज्यों द्वारा उठाये गये मुद्दों से निपटने के लिए एक पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया था, जिसे यह सुनिश्चित करना था कि गांव के नाम और ईएसए सीमाओं से संबंधित विसंगतियों को ठीक किया जाये। इन उपायों के बावजूद, लगातार संशोधनों से वास्तविक परिवर्तनों के बजाय ठहराव और सतही सुधारों की एक बड़ी, अधिक परेशान करने वाली प्रवृत्ति ही देखी गई। समस्या की जड़ पर्यावरणीय शासन व्यवस्था और राजनीतिक गतिशीलता के व्यापक संदर्भ में निहित है।पश्चिमी घाट की अधिसूचना की चल रही गाथा की असलियत का पता 2011 में गाडगिल समिति की सिफारिशों से लगाया जा सकता है। प्रख्यात पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल के नेतृत्व में, समिति ने पश्चिमी घाटों के संरक्षण के उद्देश्य से उपायों का एक व्यापक और कठोर सेट प्रस्तावित किया था। गाडगिल रिपोर्ट ने क्षेत्र की भेद्यता को उजागर किया और एक मजबूत सुरक्षात्मक ढांचे की वकालत की। पश्चिमी घाट के इसकी पारिस्थितिक संवेदनशीलता के आधार पर तीन क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था। इस ढांचे का उद्देश्य सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में कुछ प्रकार के विकास को प्रतिबंधित करना था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बना रहे।हालांकि, गाडगिल समिति की सिफारिशों को विभिन्न राज्य सरकारों, विशेष रूप से केरल से तीव्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। राज्यों की आपत्तियां मुख्य रूप से संभावित आर्थिक प्रभावों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली विकास गतिविधियों में संभावित कटौती की चिंताओं से प्रेरित थीं। इस प्रतिरोध के पीछे राजनीतिक गणना स्पष्ट थी - स्थानीय आबादी की मांगों और उनके निर्वाचन क्षेत्रों की आर्थिक अनिवार्यताओं के विरुद्ध पर्यावरणीय चिंताओं को संतुलित करना जिसका मुख्य उद्देश्य था।इस प्रतिरोध की परिणति के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में एक दूसरी समिति के गठन में हुई, जिसने 2013 में एक संशोधित रिपोर्ट तैयार की। कस्तूरीरंगन रिपोर्ट ने कई मूल सिफारिशों को कमजोर कर दिया, कई प्रतिबंधों में ढील दी और प्रस्तावित ईएसए की सीमा को कम कर दिया। इस समझौते को कई लोगों ने संरक्षण पर एक सैद्धांतिक रुख के बजाय राजनीतिक दबाव के आगे झुकना माना। बाद के संशोधन मूल मुद्दों को हल करने में विफल रहे और कई मामलों में, मूल सिफारिशों की अखंडता से समझौता किया।आज की स्थिति के अनुसार, पश्चिमी घाट को ईएसए के रूप में अधिसूचित करना एक विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। नवीनतम मसौदा, जो जाहिर तौर पर वायनाड भूस्खलन की प्रतिक्रिया है, एक गहरी समस्या को संबोधित करने के लिए एक सतही प्रयास को दर्शाता है। भूस्खलन स्वयं इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले व्यापक पर्यावरणीय संकट के लक्षण हैं - वनों की कटाई, असंवहनीय कृषि पद्धतियों और अनियंत्रित शहरीकरण से संकट और भी बढ़ गया है। केवल एक नया मसौदा अधिसूचना जारी करने से इन अंतर्निहित मुद्दों का समाधान नहीं होता है। इसके बजाय, इसे एक प्रदर्शनकारी इशारे के रूप में देखे जाने का जोखिम है जो पर्यावरण शासन में प्रणालीगत विफलताओं को संबोधित करने में विफल रहता है।गाडगिल समिति की सिफारिशों को पूरी तरह से लागू करने में अनिच्छा के दूरगामी परिणाम हुए हैं। इसका मतलब यह हुआ कि अतिक्रमण और अनियमित निर्माण सहित अवैध गतिविधियां संवेदनशील क्षेत्रों में बेरोकटोक जारी रहीं। कुछ राज्य सरकारों द्वारा उल्लंघनकर्ताओं को दिया गया संरक्षण, जो अक्सर चुनावी लाभ और आर्थिक प्रोत्साहन से प्रेरित होता है, ने वास्तविक संरक्षण प्रयासों को कमजोर कर दिया है। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि माधव गाडगिल जैसे पर्यावरणविद, जो मजबूत सुरक्षात्मक उपायों की वकालत करते हैं, अक्सर यथास्थिति से लाभ उठाने वालों द्वारा बदनाम किये जाते हैं और उन्हें बाधा डालने वाले या यहां तक कि %पारिस्थितिकी आतंकवादी' करार दिया जाता है।वायनाड के भूस्खलन के संदर्भ में, असली सवाल यह है कि क्या नवीनतम मसौदा अधिसूचना से सार्थक बदलाव आयेगा या यह केवल एक और रणनीति के रूप में ही काम करेगा। वायनाड में देखी गई तबाही एक अलग घटना नहीं थी, बल्कि पर्यावरण क्षरण के व्यापक पैटर्न का हिस्सा थी जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है या अपर्याप्त रूप से संबोधित किया गया है। मसौदा अधिसूचनाएं जारी करने का बार-बार चक्र, उसके बाद संशोधन और रुकावट, पर्यावरण क्षरण को संबोधित करने के लिए वास्तविक प्रतिबद्धता की कमी को दर्शाता है। पश्चिमी घाट को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय संकटों के असली कारणों की पहचान करना आवश्यक है।पश्चिमी घाट में पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए केवल अधिसूचना जारी करने से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए पर्यावरणीय नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन के तरीके में मूलभूत बदलाव की आवश्यकता है। अल्पकालिक राजनीतिक और आर्थिक लाभों के बजाय वैज्ञानिक साक्ष्य और दीर्घकालिक स्थिरता द्वारा निर्देशित, विकास संबंधी आवश्यकताओं को पारिस्थितिक संरक्षण के साथ संतुलित करने के लिए एक ठोस प्रयास की आवश्यकता है। इन उपायों को लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ पर्यावरणीय मानकों को बनाये रखने और उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराने की वास्तविक प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए।पश्चिमी घाट के मुद्दों को केवल प्रशासनिक इशारों से हल नहीं किया जा सकता। एक व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो क्षेत्र के पारिस्थितिक महत्व का सम्मान करता हो और स्थानीय समुदायों की चिंताओं को शामिल करते हुए संरक्षण के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हो। तभी हम आगे की आपदाओं को रोकने की उम्मीद कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि पश्चिमी घाट भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित रहें।

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।
लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।
कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।
एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।
उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।
मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।
एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।
जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।
एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।
जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।
जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।
जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?
मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया।
इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कारड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।
जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नही बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

जानकारी

कमजोरी दूर करेगा यह प्रोटीन पाउडर

जानें घर पर प्रोटीन पाउडर बनाने का तरीका

आमतौर पर प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल जिम जाने वाले लोग और एथलीट्स ही ज्यादा करते हैं। इसका कारण ये है कि प्रोटीन मसल्स को बढ़ाते हैं और शरीर को गठीला बनाते हैं। मगर प्रोटीन की जरूरत तो हर किसी को होती है। सर्दी के मौसम में अगर आप रोजाना सुबह एक ग्लास दूध के साथ 2 चम्मच प्रोटीन पाउडर मिलाकर पीएं, तो आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे और आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। प्रोटीन हार्ट और लंग्स को भी स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा ये शरीर के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध अधिकांश प्रोटीन पाउडर्स बहुत महंगे होते हैं और इनमें कई हानिकारक तत्वों के मिले होने के भी मामले पाए गए हैं। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं घर पर ही अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए टेस्टी, सुरक्षित, शाकाहारी और हेल्दी प्रोटीन पाउडर बनाने का आसान तरीका।

1 ग्लास दूध में 2 चम्मच मिलाकर पीने से मिलेगा कमजोरी से छुटकारा

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

- प्रोटीन बेस
- पौधों और फलों से प्राप्त प्रोटीन वाले बीज
- एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स के लिए नट्स
- फ्लेवर के लिए आपका मनपसंद भारतीय मसाला
- प्रोटीन बेस

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आपको सबसे पहले प्रोटीन बेस की जरूरत होगी, जो आपको लोकल मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। सबसे सेफ और नैचुरल प्रोटीन बेस वो होते हैं, जिन्हें पौधों से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए आप 2 में से कोई एक प्रोटीन पाउडर बेस चुन सकते हैं-

स्पिरुलिना से बना प्रोटीन बेस: इसमें 2 चम्मच स्पिरुलिना पाउडर में 8 ग्राम

न्यूट्रीशनल यीस्ट प्रोटीन बेस: इसमें भी 2 चम्मच बेस में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बेस के बाद अब आपको कुछ अन्य चीजें इसमें मिलानी हैं।

प्रोटीन से भरे बीज चुनें

बाजार में ऐसे ढेर सारे बीज उपलब्ध हैं, जिनमें प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए बीजों का इस्तेमाल करना बहुत अच्छा होता है। चूंकि बीज पौधों से प्राप्त होते हैं और पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं, इसलिए ये पाउडर आपके घर के हर सदस्य के लिए सुरक्षित होता है। प्रोटीन पाउडर के लिए आप नीचे बताए गए बीजों में से 1 या 1 से ज्यादा बीज चुन सकते हैं। आमतौर पर 4-5 चम्मच बीज काफी होते हैं।

- सूरजमुखी के बीज
- चिया बीज
- अलसी का बीज
- कद्दू के बीज
- ब्राउन राइस पाउडर

नट्स से बढ़ाएं प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की पावर

अपने प्रोटीन पाउडर को ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें नट्स को भी मिला सकते हैं। सभी नट्स जैसे- काजू, बादाम, अखरोट, पिस्ता, मूंगफली आदि में ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स होते हैं, जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं और हेल्दी रखते हैं। प्रोटीन पाउडर में आप अपने मनपसंद नट्स का पाउडर बनाकर मिला सकते हैं।

अपना मनपसंद फ्लेवर मिलाएं

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें अपना मनपसंद फ्लेवर भी मिला सकते हैं। मगर यहां अगर आप अच्छा और हेल्दी प्रोटीन पाउडर चाहते हैं तो आपको आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं, बल्कि घर पर ही मसालों और ड्राई फ्रूट्स से बने फ्लेवर्स मिलाने चाहिए, जैसे- तुलसी के सूखी पत्तियों का पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर, आर्गेनो पाउडर या हल्दी पाउडर आदि। ऊपर बताई गई सभी चीजों को मिलाएं और बस आपका प्रोटीन पाउडर तैयार है। इस प्रोटीन पाउडर को आप 3 साल के बच्चों से लेकर किसी भी उम्र तक के बुजुर्ग को दे सकते हैं। पौधों से प्राप्त चीजों से बना होने के कारण ये पूरी तरह सुरक्षित है।

इम्यून सिस्टम रखें दुरुस्त बीमारियों से बचे रहेंगे

डॉक्टर अक्सर कहते है कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

- भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार-बार दस्त आना
- बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
- बच्चों का दिमाग न चलना
- शरीर में अंदरूनी सूजन
- एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

- एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
- कुछ प्रकार के कैंसर
- कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
- वायरल हेपेटाइटिस
- कभी-कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

- इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
- खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
- सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- जब-जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
- टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
- अपना वजन कंट्रोल रखें।
- सिगरेट-शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह-तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

- पर्याप्त नींद लें।
- खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच-बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
- व्यायाम जरूर करें।
- अपने लिए समय निकालें।
- उन लोगों से मिलते-जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
- तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

सेहत

87 प्रतिशत बच्चे बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं मोबाइल

आंखों पर पड़ रहा है असर

बच्चों में स्क्रीन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। पर सबसे खतरनाक बात ये है कि हमारे नवजात शिशु भी कंप्यूटर और मोबाइल जैसे उपकरणों के आदी हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, आज बच्चे टीवी देखने या कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में बहुत अधिक समय खर्च कर रहे हैं। ऐसा उन बच्चों में ज्यादा है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा स्क्रीन से चिपकी रहती थीं। एक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 12 महीने की उम्र के बच्चे औसतन रोज 53 मिनट स्क्रीन पर खर्च कर रहे हैं, वहीं 3 साल की उम्र और इससे ज्यादा के बच्चे लगभग 150 मिनट से अधिक फोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल पर खर्च कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार इस तरह इन बच्चों में आगे चलकर कुछ बड़ी बीमारियों के शिकार होने की संभावनाएं ज्यादा है। आइए जानते हैं इस अध्ययन के बारे में-

शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि 8 वर्ष की आयु तक, बच्चों द्वारा किसी न किसी प्रकार के स्क्रीन पर समय बिताने की सबसे अधिक डाटा पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत करते हैं कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में है। अध्ययन में अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) की वरिष्ठ लेखिका एडविना येंग ने कहा, 'हमारे नतीजे बताते हैं कि स्क्रीन की आदतें जल्दी शुरू होती हैं।' अल्बनी और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन मेडिकल सेंटर के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, अपस्टेट किड्स स्टडी के आंकड़ों का विश्लेषण किया है, जो मूल रूप से बांझपन के उपचार के बाद विकसित बच्चों के विकास के क्रम की जांच करना था।

अनुसंधान में कदम

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लगभग 4,000 बच्चों की माताओं ने 12, 18, 24, 30 और 36 महीने की उम्र में अपने बच्चों की मीडिया की आदतों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। उन्होंने इसी तरह के सवालों का जवाब दिया, जब बच्चे 7 और 8 साल के थे। अध्ययन ने जन्म के रिकॉर्ड और अन्य सर्वेक्षणों से माताओं और बच्चों पर अतिरिक्त जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की। वहीं इस शोध में अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया एक्सपोजर से बचने की सिफारिश की। जहां ये संस्था बताती है कि 18 से 24 महीने के बच्चों को धीरे-धीरे स्क्रीन मीडिया की आदत ज्यादा जल्दी लग रही है, वहीं 2 से 5 साल की उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे स्क्रीन पर खेलने के समय को कम करने की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि कुल मिलाकर 87 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनमें ये स्क्रीन का इस्तेमाल धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हालांकि, जबकि स्क्रीनिंग समय 7 और 8 साल की उम्र तक के बच्चों में प्रति दिन 1.5 घंटे से कम है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कमी स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समय से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने बच्चों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जो इस बात पर आधारित था कि उनकी औसत दैनिक स्क्रीन का समय 1 वर्ष से 3 वर्ष की आयु तक बढ़ गया है।

पहला समूह, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चे औसतन 51 मिनट एक दिन का स्क्रीन पर बिताते थे। वहीं दूसरे समूह, जिसमें 27 प्रतिशत बच्चे दिन में लगभग 4 घंटे स्क्रीन पर खर्च करते हैं। वहीं माता-पिता की शिक्षा के उच्च स्तर दूसरे समूह में शामिल किए जाने की कम बाधाओं से जुड़े थे। यानी जिन बच्चों के मां-बाप जितने ज्यादा पढ़े-लिखे थे उतना ही उनके बच्चे स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कम पढ़े-लिखे मां-बाप के बच्चे इसका इस्तेमाल कम कर रहे थे। वहीं शोधकर्ताओं की मानें, तो लड़कों की तुलना में लड़कियों में स्क्रीन पर बिताने का समय कम था। वहीं इस तरह इन बच्चों को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना है कि मां-बार ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1770

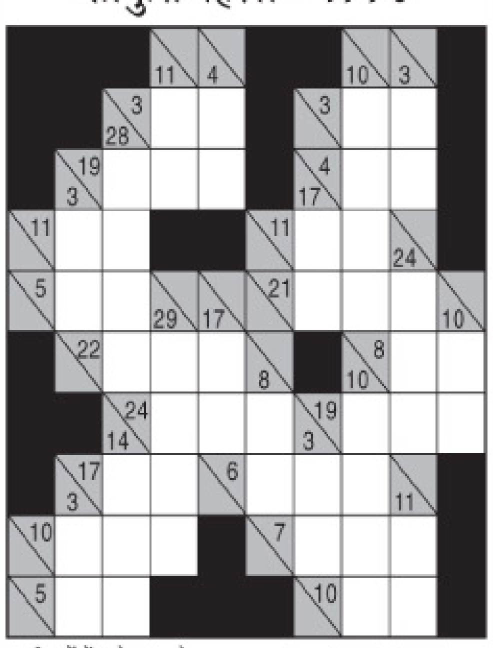

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23: 1 2 3 4 6 (दाएं से बाएं); 6 8 9 (नीचे से ऊपर)

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1769 का हल

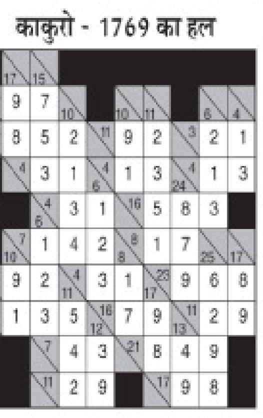

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

❑ ❑ ❑

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

❑ ❑ ❑

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

❑ ❑ ❑

फिल्म वर्ग पहेली- 1770

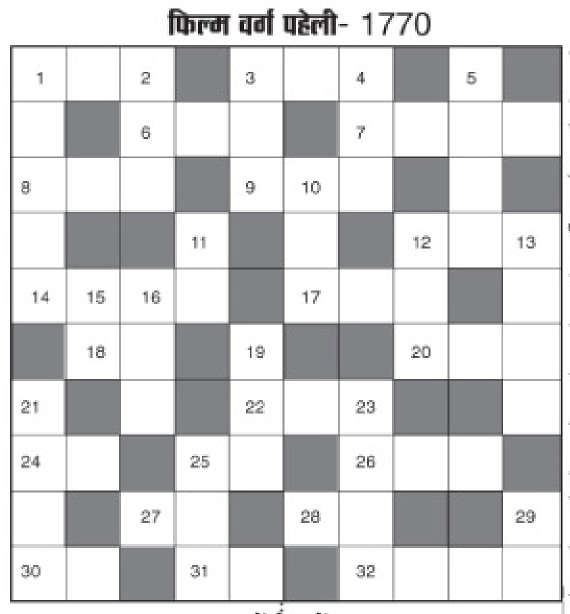

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अँधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1769

सूडोकु -1770

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -1769 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 1770

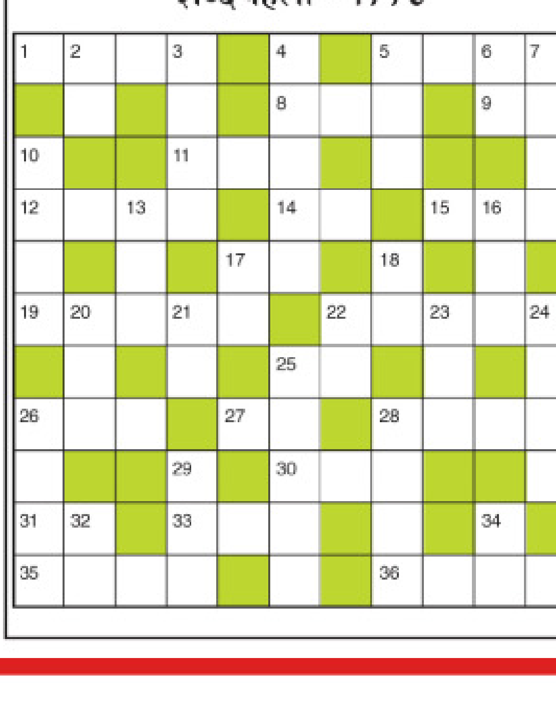

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली - 1769 का हल

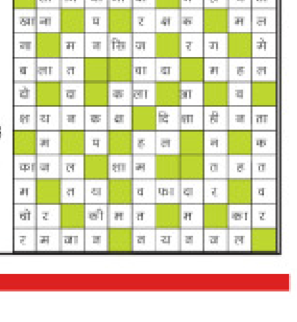

राष्ट्रपति मुर्मू को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत-फिजी के मैत्री संबंधों को मान्यताः जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया जाना भारत-फिजी के ''विशेष मैत्रीपूर्ण संबंधों'' को मान्यता है। जयशंकर ने 'एक्स' पर मुर्मू की फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवालिली कटोनिवेरे के साथ एक तस्वीर भी साझा की। मुर्मू वर्तमान में फिजी की राजकीय यात्रा पर हैं। राष्ट्रपति को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया गया।जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, ''राष्ट्रपति जी को फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'कम्पैनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया जाना सभी भारतीयों के लिए बहुत गर्व की बात है।'' उन्होंने कहा, ''यह भारत-फिजी के विशेष मैत्रीपूर्ण संबंधों को मान्यता है, जो घनिष्ठ राजनीतिक सहयोग और लोगों के बीच सद्भावना को दर्शाता है।

जबलपुर जिले में स्वाइन फ्लू के 11 मामले सामने आए

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्वाइन फ्लू के 11 मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि ये मामले 11 जुलाई से छह अगस्त के बीच सामने आए हैं। मिश्रा ने बताया कि 11 में से छह मरीजों को ठीक होने के बाद निजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जबकि बाकी मरीज उपाचाराधीन हैं। अधिकारी ने बताया कि संक्रमित व्यक्तियों ने परीक्षण से पहले सर्दी, खांसी और बुखार की शिकायत की थी। संक्रमित लोग जिले के विभिन्न क्षेत्रों के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें विभिन्न क्षेत्रों में जांच कर रही हैं।

ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मारी, एक कांवड़िये की मौत, 16 घायल

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में बुधवार तड़के एक ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार एक कांवड़िये की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार झा ने बताया कि गंगाजल लेने के लिए मुरादाबाद के हरसैनपुर से हरिद्वार जा रहे कांवड़ियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली को कोतवाली देहात क्षेत्र में हिंदूपुर के पास तड़के लगभग पांच बजे एक ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। झा के अनुसार, ट्रक की टक्कर से ट्रॉली पलट गई और उसमें सवार 17 कांवड़िये घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल कांवड़ियों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां संतोष चौहान नामक कांवड़िये ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। झा के मुताबिक, बाकी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और झारखंड के कोडरमा निवासी आरोपी ट्रक चालक सुनील को हिरासत में ले लिया गया है।

केदारघाटीः सोनप्रयाग मंदाकिनी नदी पर बनाया गया पैदल पुल बहा

रूद्रप्रयाग/केदारघाटी। उत्तराखंड में बारिश का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। केदारघाटी में आई आपदा के बाद केदारनाथ पैदल मार्ग के लिए सोनप्रयाग मंदाकिनी नदी पर बनाया गया पुल जल स्तर बढ़ने के चलते बह गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि सोनप्रयाग मन्दाकिनी नदी पर आर्मी की ओर से केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग में फंसे तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए पैदल पुल तैयार किया गया था। मंगलवार रात से लगातार हो रही तेज बारिश के चलते नदी का जलस्तर बढ़ते ही यह पुल बह गया।

काली नदी पर बने पुल के ढहने से गोवा-कर्नाटक राजमार्ग पर यातायात प्रभावित

एजेंसी

गोवा। गोवा में काली नदी पर बना एक पुल मंगलवार देर रात ढह गया, जिससे तटीय राज्य को कर्नाटक से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 66 पर भारी यातायात जाम लग गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

कर्नाटक के कारवार शहरके एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना के समय पुल के ऊपर से गुजर रहा एक ट्रक नदी में गिर गया। हालांकि, स्थानीय मछुआरों ने बाद में ट्रक चालक को सुरक्षित निकाल लिया। अधिकारी के मुताबिक, कर्नाटक के सदाशिवगढ़ में काली नदी पर बना एक पुराना पुल मंगलवार देर रात करीब एक बजे ढह गया था। उन्होंने बताया कि लगभग एक दशक पहले एक नये पुल के निर्माण के बाद इस पुल का इस्तेमाल गोवा जाने वाले वाहनों के लिए किया जाता था। कारवार पुलिस ने बताया कि काली नदी पर बने पुराने पुल के ढहने के बाद बुधवार तड़के नये पुल पर यातायात

कुछ देर के लिए रोक दिया गया। हालांकि, बाद में भारी वाहनों को छोड़कर अन्य वाहनों को आवाजाही की अनुमति दे दी गई। गोवा के कैनाकोना पुलिस थाने के प्रभारी हरीश राउत देसाई ने बताया कि नये पुल पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया था, क्योंकि पुराने पुल के ढह जाने के बाद कर्नाटक के अधिकारी इस बात की जांच कर रहे थे कि नया पुल यातायात का अधिक बोझ झेलने में सक्षम है या नहीं। देसाई ने कहा कि गोवा पुलिस राजमार्ग पर स्थिति पर नजर बनाए रखने के लिए कारवार के पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय कर रही है।

विनेश को खून के आंसू रुलाने वाला सत्ता का पूरा तंत्र धराशाईः राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पेरिस ओलंपिक में फाइनल में स्थान बनाने के लिए महिला पहलवान विनेश फोगाट को बधाई दी और कहा कि आज भारत की बहादुर बेटी के सामने सत्ता का वो पूरा तंत्र धराशाई पड़ा था, जिसने उसे खून के आंसू रुलाए थे।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, एक ही दिन में दुनिया की तीन धुरंधर पहलवानों को हराने के बाद आज विनेश के साथ-साथ पूरा देश भावुक है। जिन्होंने भी विनेश और उसके साथियों के संघर्ष को झुठलाया, उनकी नीयत और काबिलियत तक पर प्रश्नचिन्ह खड़े किए, उन सभी को जवाब मिल चुका है। उन्होंने कहा कि आज भारत की बहादुर बेटी के सामने सत्ता का वो पूरा तंत्र धराशाई पड़ा था जिसने उसे खून के आंसू रुलाए थे। कांग्रेस नेता ने कहा, चैम्पियंस की यही पहचान है, वो अपना जवाब मैदान से देते हैं। बहुत शुभकामनाएं विनेश।पेरिस में यह सिर्फ ओ?लंपिक का कठिन मुकाबला भर नहीं है। आपने दुनिया की नंबर वन खिलाड़ी को तो हराया

आपकी सफलता की गूंज, दिल्ली तक साफ सुनाई दे रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने विनेश के फाइनल में पहुंचने से पहले एक्स पर पोस्ट किया, शाबाश विनेश फोगाट। मैं जानती हूं कि आपके लिए ही, यह मैदान के भीतर और बाहर आपके संघर्षों की भी जीत है। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया आपके हाथों में लहराता हुआ तिरंगा देख रही है। आप इस देश का गौरव हैं और हमेशा रहेंगी। खूब शुभकामनाएं।

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में सड़क हादसा, एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

चित्तौड़गढ। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मंगलवार देर रात एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में एक साल की बच्ची के घायल होने की भी खबर है।

पुलिस के मुताबिक, यह हादसा चित्तौड़गढ़-निम्बाहेड़ा राजमार्ग पर हुआ, जब एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। उसने बताया कि हादसे में तीन पुरुषों और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई।

पुलिस के अनुसार, मृतकों में से दो की पहचान सुरेश और जीवन के रूप में हुई है। उसने बताया कि सुरेश और जीवन मजदूर थे तथा दुर्घटना के समय फैक्टरी से काम करके लौट रहे थे। पुलिस ने कहा कि हादसे में घायल बच्ची का स्थानीय अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

नागपुर में एक इमारत में स्थित गोदाम में आग लगने से किशोरी की मौत

एजेंसी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में बुधवार को सुबह एक इमारत में स्थित इत्र के गोदाम में आग लगने से 17 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उसके माता-पिता और नाबालिग भाई को सुरक्षित बचा लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि इतवारी इलाके के खपरीपुरा में एक इमारत में स्थित इत्र के गोदाम में सुबह करीब छह बजे आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने से गोदाम के ऊपर स्थित मकान में रहने वाले एक परिवार के चार सदस्य फंस गए थे। तहसील पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मकान में फंसे प्रवीण भाकड़े (44), उनकी पत्नी प्रीति भाकड़े (39) और बेटे रौनक भाकड़े (15) को सुरक्षित बचा लिया। उन्होंने बताया कि अनुष्का को मायो अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने

दमकलकर्मियों ने जब बाथरूम का दरवाजा तोड़ा तो दंपति की बेटी अनुष्का भाकड़े बेहोशी की हालत में पाई गई। अधिकारी ने बताया कि बताया कि गोदाम में लगी आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन अभी तक आग लगने के कारण पता नहीं चल पाया है।

आपदा से उबरा उत्तराखंड, 15 हजार यात्रियों को निकाला, देवदूत बनी रेस्क्यू टीम

देहरादून। आपदा प्रभावित राज्य उत्तराखंड अब संकट से उबर चुका है। असाधारण रेस्क्यू से 15 हजार यात्रियों की जान बचाई गई है। ये सभी केदार घाटी में फंसे हुए थे। कोई जंगल में बचाव की राह देख रहा था तो कोई पहाड़ पर भूख से तपड़ रहा था। इन सभी के लिए रेस्क्यू टीम देवदूत की भूमिका निभाई। दरअसल, गत 31 जुलाई को केदार घाटी में आपदा आई थी। इतनी बड़ी आपदा व भारी नुकसान के बावजूद एक सप्ताह से भी कम समय में रेस्क्यू अभियान पूरा हो गया। ऐसे में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उत्तराखंड पूरे देश में आदर्श राज्य के तौर पर उभरा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खुद रेस्क्यू अभियान की निगरानी की और प्रभावितों को राहत पहुंचाने व रेस्क्यू करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

15 अगस्त को दिल्ली में तिरंगा फहराएंगी आतिशी, केजरीवाल ने एलजी सक्सेना को लिखा पत्र

एजेंसी

नागपुर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वी के सक्सेना को सूचित किया है कि 15 अगस्त को दिल्ली सरकार के स्वतंत्रता दिवस समारोह में कैबिनेट मंत्री आतिशी उनकी ओर से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगी। आम आदमी पार्टी (आप) के अनुसार, कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के कारण वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल ने एक पत्र में यह अनुरोध किया है। आप की घोषणा आप ने कहा, केजरीवाल ने जेल से (उपराज्यपाल वी के) सक्सेना को पत्र लिखकर कहा है कि आतिशी 15 अगस्त को उनकी जगह तिरंगा फहराएंगी।' दिल्ली सरकार का स्वतंत्रता दिवस समारोह, जो आमतौर पर छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित किया जाता है, इस बार आतिशी केजरीवाल की जगह लेंगी, जो आमतौर पर इस वार्षिक कार्यक्रम में दर्शकों को संबोधित करते हैं।

जमानत याचिका खारिज

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने फैसला सुनाया कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के पीछे उचित कारण थे। जहां तक उनकी जमानत याचिका का सवाल है, न्यायालय ने उसका निपटारा कर दिया और केजरीवाल को निचली अदालत से आगे की राहत मांगने की अनुमति दे दी।।

अयोध्या में साधु-संतों से मिले योगी, देर रात तक लिया विकास कार्यों का जायजा

एजेंसी

नागपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय अयोध्या दौरे के पहले दिन अपने व्यस्ततम प्रशासनिक कार्यक्रमों के बीच साधु-संतों व धर्माचार्यों से मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने सरयू अतिथि गृह में मंगलवार रात साधु-संतों व धर्माचार्यों से भी मुलाकात की। योगी ने संतों से उनकी समस्याएं भी पूछीं।

एक बयान के मुताबिक, अयोध्या में 250 'गोल्फ कार्ट' चलाए जाएंगे। बयान के मुताबिक, योगी ने कहा कि अयोध्या धाम में 2023 तक प्रतिवर्ष 20 लाख श्रद्धालु आते थे लेकिन 2024 में 22 जनवरी से 31 जुलाई तक ढाई करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम में आगमन हुआ है यानी औसतन एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु प्रतिदिन आ रहे हैं। बयान में यह भी बताया गया कि योगी निरीक्षण किया और यहां जारी पुनर्निर्माण कार्यों के संदर्भ में जानकारी ली। बयान के

आदित्यनाथ ने अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों का मंगलवार देर रात तक जायजा लिया। उन्होंने साकेत सदन (अफीम कोठी) का मुताबिक, रात्रि निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर काम समयबद्ध तरीके से हो।

कोचिंग सेंटर मामलाः सीबीआई ने अपने हाथ में लिया केस, एफआईआर की प्रक्रिया जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली कोचिंग में हुई मौतों के मामले में नवीनतम घटनाक्रम में, केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बुधवार को मामले को अपने हाथ में ले लिया और प्राथमिकी दर्ज की। इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट ने बिल्डिंग के सह-मालिकों की जमानत याचिका पर सुनवाई की, जहां सीबीआई की ओर से वकील ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरी ओर, इमारत के सह-मालिकों के वकील ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 अगस्त को मामले को सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया था। उन्होंने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल सिर्फ इमारत के मालिक हैं और जब तक सीबीआई जांच शुरू नहीं करती, तब तक उन्हें अंतरिम जमानत प्रदान की जानी चाहिए। अदालत ने सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले को 9 अगस्त के लिए सूचीबद्ध किया। अदालत ने

कहा कि एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और यह प्रक्रिया में है। अदालत ने कहा कि वह स्थिति रिपोर्ट दाखिल होने के बाद जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी। विशेष रूप से, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 अगस्त को ओल्ड राजिंदर नगर में तीन यूपीएससी उम्मीदवारों की मौत की जांच सीबीआई को स्थानांतरित कर दी थी। अदालत ने इस निर्णय के कारणों के रूप में घटनाओं की गंभीरता और लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार में संभावित संलिप्तता का हवाला दिया। अदालत ने इस घटना पर पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को भी फटकार लगाई और कहा कि उसे समझ नहीं आ रहा कि छात्र कैसे बाहर नहीं आ सके। उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि यह निष्कर्ष निकालना गलत नहीं होगा कि दिल्ली की नागरिक एजेंसियों के पास प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए आवश्यक धन की कमी है।

दिल्ली HC ने दिल्ली के प्रशासनिक, वित्तीय और भौतिक बुनियादी ढांचे पर फिर से विचार करने के लिए GNCTD के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति के गठन का निर्देश दिया, जिसमें DDA के उपाध्यक्ष, MCD अध्यक्ष और पुलिस आयुक्त सहित सदस्य शामिल होंगे। समिति को आठ सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

भारत के सबसे बड़े हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' में शामिल हुई कई देशों की वायुसेना, दुश्मन के उड़े होश

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऐसे में जबकि विश्व के कई देश युद्ध और संघर्ष में उलझे हुए हैं तब भारत 30 मित्र देशों के साथ मिल कर सबसे बड़ा हवाई अभ्यास कर रहा है। इस अभ्यास का एक उद्देश्य हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना भी है। हम आपको बता दें कि तमिलनाडु के सुलूर में अभ्यास 'तरंग शक्ति' का पहला चरण शुरू हुआ। देश के सबसे बड़ा बहुपक्षीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' का पहला चरण छह से 14 अगस्त तक तमिलनाडु के सुलूर में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ), रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ), जर्मनी, स्पेन और फ्रांस की वायुसेना इस पहले बहुपक्षीय अभ्यास के पहले चरण में भाग ले रहे हैं। हम आपको बता दें कि यह अभ्यास एक चुनौतीपूर्ण वातावरण में विभिन्न देशों को भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर काम करने का मौका देता है, जिससे सबकी अंतर-संचालन क्षमता में

उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस अभ्यास के जो वीडियो सामने आ रहे हैं वह दुश्मन का दिल दहला देने के लिए काफी हैं। हम आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका और सिंगापुर सहित 10 देशों के लड़ाकू विमान इस अभ्यास में शामिल होने पहुँचे हैं। अभ्यास के पहले दिन जर्मन वायु सेना के ए-400 एम विमान ने 'तरंग शक्ति' में भाग लिया। हम आपको बता दें कि दो चरणों में आयोजित होने वाले इस अभ्यास का उद्देश्य भारत की रक्षा क्षमता का प्रदर्शन करना और इस अभ्यास में भाग लेने वाली सेनाओं को एक-दूसरे के साथ काम करने का मंच प्रदान करना है। इस अभ्यास का दूसरा चरण 29 अगस्त से 14 सितंबर तक राजस्थान के जोधपुर में होगा। इसमें 18 देश पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होंगे। हम आपको बता दें कि इस अभ्यास की खास बात यह है कि पहली बार जर्मन वायु सेना भारतीय वायुसेना के साथ उड़ान भर रही है। इस बारे में भारत में जर्मन राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने कहा है कि उनका देश 'टच द स्काई विद ग्लोरी' अभ्यास में शामिल होकर बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा है कि हम भविष्य में भी भारत के साथ अभ्यास करेंगे। उन्होंने मीडिया को जानकारी दी कि अक्टूबर में जर्मनी का युद्धपोत गोवा आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र में हमारी बढ़ती भागीदारी और भारत गणराज्य के साथ हमारी बढ़ती सामरिक सैन्य साझेदारी को दर्शाता है।

सीजीपीएससी भर्ती परीक्षा घोटाला , छत्तीसगढ़ के कई शहरों में सीबीआई की दबिश

एजेंसी

रायपुर। सीजीपीएससी भर्ती परीक्षा घोटाले की जांच कर रही सीबीआई की टीम ने बुध्धवार सुबह रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग भिलाई समेत कई शहरों में दबिश दी है ।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ल के यदुनंदन नगर स्थित पुराने आवास पर सीबीआई की 5 से 10 लोगों की टीम पहुंची है। राजेंद्र शुक्ल के पुत्र स्वर्णिम शुक्ल का डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयन हुआ है। बताया जाता है कि हाईटेक बस स्टैंड के पास स्थित नए मकान में भी सीबीआई ने दबिश दी है ।सीबीआई जरूरी दस्तावेजों की जांच कर रही है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की भर्ती में गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार के आरोप में बालोद जिले के अर्जुंदा थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। इस प्राथमिकी में तत्कालीन अध्यक्ष सिंह सोनवानी ,सचिव, परीक्षा नियंत्रक सहित कई अधिकारियों -नेताओं का नाम शामिल है। सीबीआई 2019 के बाद जितनी भी भर्ती परीक्षाएं हुई हैं उन सभी की जांच करेगी।

उल्लेखनीय है कि तत्कालीन

अध्यक्ष, अधिकारियों और राजनेताओं के परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों को 2020-22 के दौरान जिला कलेक्टरेट और डिप्टी एसपी के रूप में नियुक्त किया गया था।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि सोनवानी के बेटे नितेश को कथित तौर पर डिप्टी कलेक्टर, उनके बड़े भाई के बेटे साहिल को डिप्टी एसपी और उनकी बहन की बेटी सुनीता जोशी को श्रम अधिकारी, उनके बेटे की पत्नी निशा कोसले को डिप्टी कलेक्टर और उनके भाई की बहू को कथित तौर पर डिप्टी कलेक्टर के रूप में चुना गया था। सीबीआई के अनुसार छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ के तत्कालीन सचिव (ध्रुव) ने अपने बेटे (सुमित) को डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित किया। एजेंसी ने तत्कालीन सीजीपीएससी अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, सचिव जेके ध्रुव और अन्य के खिलाफ कथित भाई-भतीजावाद और अपने अयोग्य बेटों, बेटी, रिश्तेदारों और परिचितों को जिला कलेक्टरों, डिप्टी एसपी के बड़े पदों पर भर्ती सुनिश्चित करने के लिए मेरिट सूची में डालने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी।

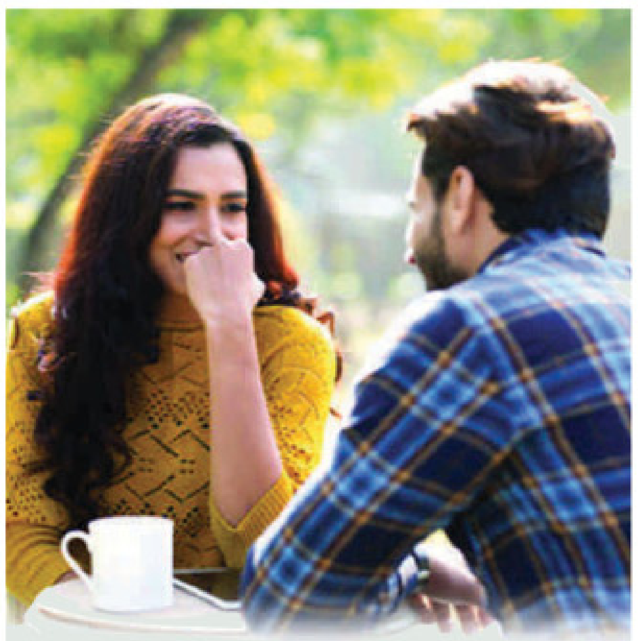

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नही होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

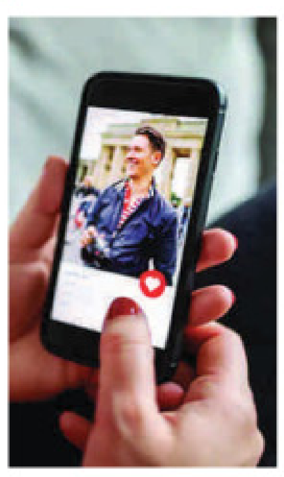

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

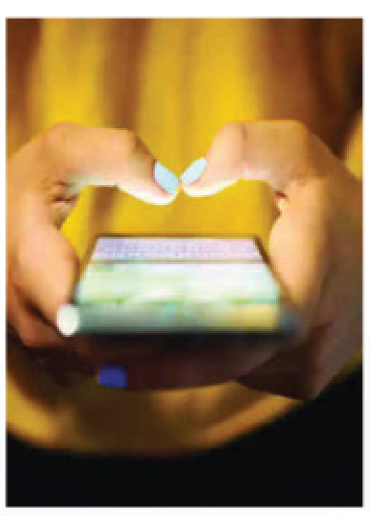

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है ? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।(मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नही होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

एक कदम चलने के लिए विनोद कांबली को लेना पड़ रहा सहारा

एजेंसी
मुंबई। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिससे उनके प्रशंसक उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं। वीडियो में कांबली को अपनी बाइक से उतरते और खुद चलने में असफल होते देखा जा सकता है। बाद में कुछ लोगों ने उसकी मदद की जो उसे एक स्थान में प्रवेश करने में सहायता करते हैं। जब से यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई है, तब से क्रिकेटर के स्वास्थ्य और उनकी स्थिति पर व्यापक चिंताएं पैदा हो गई हैं। विनोद कांबली सचिन तेंदुलकर के बचपन से दोस्त रहे हैं।

विशेष रूप से, कांबली ने 2022 में अपनी चिंताजनक वित्तीय स्थिति के बारे में बात की और खुलासा किया कि वह पूरी तरह से बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) की पेंशन पर निर्भर हैं जो उनके परिवार की देखभाल करती है। कांबली ने शारजाह में पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने अपने करियर की शानदार शुरुआत की, इंग्लैंड के खिलाफ अपने दूसरे गेम में दोहरा शतक बनाया और बाद में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने तीसरे गेम में एक और दोहरा शतक बनाया।

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतकर स्वदेश लौटीं मनु भाकर, हुआ जोरदार स्वागत

नई दिल्ली। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतने के बाद बुधवार को स्वदेश लौट आई हैं। उनका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हुआ। ढोल-नगाड़ों के साथ मनु भाकर व उनके कोच जसपाल राणा का लोगों ने भव्य स्वागत किया और दोनों को फूल-मालाओं में लाद दिया। लोग मनु भाकर के साथ सेल्फी ले रहे थे। भव्य स्वागत पर मनु भाकर बहुत खुश दिख रही थीं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह बहुत खुश हैं। लोगों का इतना प्यार मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि 22 वर्षीय मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश का पेरिस ओलंपिक में खाता खोला था। इसके बाद उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता।

इससे वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय बन गईं। इसके बाद उनके पास तीसरा ओलंपिक पदक जीतकर एकमात्र भारतीय बनने का इतिहास रचने का मौका था लेकिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में वह मामूली अंतर से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं।

किरण पहल का ओलंपिक महिला 400 मीटर दौड़ में सफर समाप्त

पेरिस। पेरिस, पांच अगस्त (भाषा) भारत की किरण पहल मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ के रेपेचेज चरण में अपनी हीट में छठे स्थान पर रहने के बाद फाइनल से बाहर हो गई। सोमवार को अपना 24वां जन्मदिन बनाने वाली किरण ने अपनी हीट में 52.59 सेकेंड के समय के साथ छह खिलाड़ियों में आखिरी पायदान पर रही। वह कुल 26 खिलाड़ियों में 23वें स्थान पर रही। रेपेचेज दौर की चार हीट में प्रत्येक में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों के अलावा सर्वश्रेष्ठ समय निकालने वाली दो अन्य ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

किरण ने जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकंड का समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था। वह ओलंपिक मे हालांकि इस प्रदर्शन को दोहराने में विफल रही। इससे पहले सोमवार को वह 52.51 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट में सातवें पायदान पर थी।

बांग्लादेश में क्रिकेटर मशरफे मुर्तजा के घर में प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग

ढाका। बांग्लादेश में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेट कप्तान मशरफे बिन मुर्तजा पर गुस्सा दिखाया है। गुस्साए लोगों ने मुर्तजा के घर को आग लगा दी है। यह घटना प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने और सोमवार को बांग्लादेश छोड़ने के बाद हुई। बांग्लादेश में अभी अराजकता और अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि खुलना डिवीजन में नरैल-2 निर्वाचन क्षेत्र से संसद सदस्य मुर्तजा ने इस साल की शुरुआत में हुए आम चुनावों के दौरान अवामी लीग के उम्मीदवार के रूप में लगातार दूसरी बार अपनी सीट जीती थी। माना जा रहा है कि मुर्तजा ने छात्रों के प्रदर्शन और सामूहिक गिरफ्तारियों पर चुप्पी साधे हुए थी, इससे प्रदर्शनकारी निराश थे। बांग्लादेश के महानतम क्रिकेटरों में से एक माने जाने वाले मुर्तजा ने अपने करियर में 36 टेस्ट, 220 वनडे और 54 टी20ई खेले।

पेरिस ओलंपिक: हॉकी के फाइनल में पहुंचा जर्मनी, बढ़त बनाने के बाद हारी भारतीय टीम

एजेंसी
पेरिस। जर्मनी ने हॉकी के सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम को हराकर पेरिस ओलंपिक 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं भारतीय हॉकी टीम के लिए इस हार के बाद पेरिस ओलंपिक का सफर थम गया है।

कांटे की इस टक्कर में पहला गोल कर बढ़त बनाने वाली हॉकी इंडिया आखिरी के छह मिनटों में गोल नहीं कर पाने की वजह से पेरिस ओलंपिक में पदक की रेस से बाहर हो गई। हालांकि पूरा मैच जर्मनी के डिफेंस और भारतीय आक्रमण के लिए याद किया जाएगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में शुरुआत से ही तेजी दिखाई और पहले क्वार्टर में ही 1-0 की बढ़त बनाई। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को भुनाते हुए गोल

किया और भारत को बढ़त दिलाई। हरमनप्रीत का पेरिस ओलंपिक का यह आठवां गोल रहा। वहीं जर्मनी ने दूसरे क्वार्टर में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। जर्मनी के लिए 18वें मिनट में गोंजालो पिलाट ने गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में ही मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर क्रिस्टोफर रुएहर ने शानदार गोल दागा और टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। क्वार्टर के 27वें मिनट में जर्मनी के लिए यह गोल आया। पहले क्वार्टर में 1-0 की बढ़त बनाने के बाद दूसरे क्वार्टर में 2-1 पिछड़ी भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में वापसी की। मैच के 36वें मिनट में सुखजीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दीलल किया और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। फिर करीब 17 मिनट तक दोनों टीमें बढ़त बनाने की कोशिश करती रहीं लेकिन सफलता नहीं मिली। लेकिन मैच में जब आखिरी 6 मिनट शेष थे तब 54वें मिनट में जर्मनी के लिए मार्को मिल्टकाउ ने गोल दागा और जर्मनी को भारत पर 3-2 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। आखिर यह स्कोर का यह आकड़ा अपरिवर्तनीय रहा और जर्मनी ने मैच अपने नाम किया।

सेमीफाइनल में पहुंचीं विनेश फोगाट, क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की खिलाड़ी को हराया

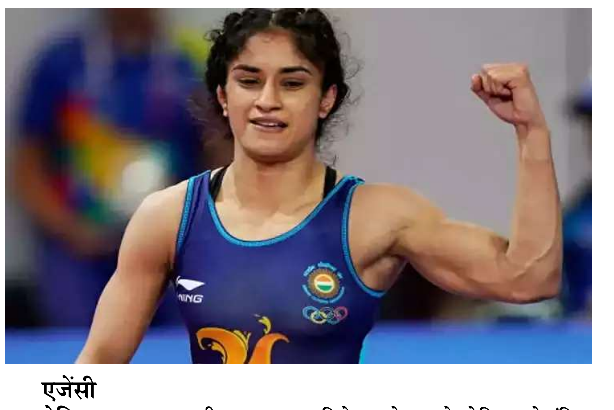

एजेंसी
पेरिस। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की उकसाना लिवाच को 7-5 से हराया। सेमीफाइनल मुकाबला आज रात 10=25 बजे खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विनेश ने पहले पीरियड में 2-0 की बढ़त ले ली। दूसरे पीरियड में लिवाच ने वापसी की लेकिन विनेश ने उनकी चुनौती को रोक दिया। यूक्रेनी पहलवान को पछाड़ कर विनेश ने 7-5 से जीत दर्ज कर ली। इससे पहले राउंड ऑफ 16 में भारतीय स्टार ने 2020 टोक्यो ओलंपिक की चैंपियन जापान की यूई सुसाकी को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

पेरिस ओलंपिक: क्यूबा की पहलवान को हरा 50 किग्रा कुश्ती के फाइनल में पहुंचीं विनेश फोगाट

एजेंसी
पेरिस। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट कुश्ती के 50 किग्रा भार वर्ग प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंच गई है। इस तरह विनेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 में अपना पदक पक्का कर लिया है। सेमीफाइनल में विनेश ने क्यूबा की पहलवान को 5-0 से मात दी। कल बुधवार को फाइनल में विनेश फोगाट अमेरिकी पहलवान सारा हिल्डब्रैंट से भिड़ेंगी।

महिलाओं की 50 किलोग्राम भारवर्ग में भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन लोपेज के खिलाफ सेमीफाइनल में जबरदस्त जीत दर्ज की है। विनेश ने क्यूबा की पहलवान को स्कोर करने तक का मौका नहीं दिया। विनेश ने मैच की शुरुआत में ही पहला पॉइंट लेकर 1-0 की बढ़त ले ली। पहले राउंड की बढ़त के बाद आगे के राउंड में

भारतीय पहलवान ने और तेजी दिखाई और लगातार प्वाइंट बनानते हुए 5-0 की बढ़त बना ली। इसी स्कोर पर मैच समाप्त हुआ और विनेश फोगाट ने सेमीफाइनल मुकाबला जीत लिया। इस जीत के साथ पेरिस ओलंपिक में अब उनका मेडल पक्का हो गया है। स्वर्ण पदक के लिए कल बुधवार को उनका मुकाबला अमेरिका की सारा हिल्डब्रैंड से होगा।

पेरिस ओलंपिक : भारत को टेबल टेनिस में निराशा, पुरुष टीम चीन से हारकर हुई बाहर

एजेंसी
पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम का सफर समाप्त हो गया है। शरत कमल, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम को टेबल टेनिस मेन्स टीम स्पर्धा के राउंड ऑफ 16 में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा।

इस मुकाबले में चीन ने पहला मैच, दूसरा मैच और तीसरा मैच जीतकर 3-0 से भारतीय टीम को हराया। भारत और चीन के बीच पहला मैच डबल्स का खेला गया। हरमीत देसाई और मानव ठक्कर की भारतीय जोड़ी के सामने चीन के एमए लांग और वांग चुकिन नजर आए। इस मैच में भारत को सीधे सेटों में 2-11, 3-11 और 7-11 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम और चीन के बीच दूसरा मैच एकल का खेला गया।

भारतीय खिलाड़ी शरत कमल के सामने चीन के फैन जेडॉन्ग नजर आए। इस मैच में शरत ने पहला सेट 11-9 से जीता, लेकिन इसके बाद शरत को लगातार तीन सेटों में 7-11, 7-11 और 5-11 से हार मिली। तीसरा मैच भी एकल का खेला गया, जहां भारत के मानव ठक्कर के सामने चीन के वांग चुकिन नजर आए। इस मैच में भारतीय खिलाड़ी ठक्कर को 9-11, 6-11 और 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह भारत टेबल टेनिस मेन्स टीम राउंड ऑफ 16 में 3-0 से बाहर हो गई।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले छोड़ेंगे अपना पद छोड़ने की घोषणा की

एजेंसी
नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉकले ने घोषणा की है कि वह आगामी सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। पिछले 13 वर्षों से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से जुड़े हॉकले ने जून 2020 में सीए के अंतरिम सीईओ के रूप में पद संभाला था। इसके 11 महीने बाद स्थायी सीईओ बनाए गए थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में हॉकले ने कहा, यह एक कठिन निर्णय था। हालांकि एक ब्लॉकबस्टर ग्रीष्मकाल के वादे के बाद और हमारी पांच साल की रणनीतिक योजना अच्छी तरह से आगे बढ़ी है, यह सही समय है कि मैं आगे बढ़ूं और नई चुनौती लूं। बोर्ड के पास अपने अगले सीईओ को खोजने के लिए पर्याप्त समय है ताकि वर्तमान में मौजूद मजबूत नींव पर काम किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि निक ने बोर्ड को सलाह दी थी कि सीईओ के रूप में उनकी

अगली ग्रीष्म ऋतु अंतिम होगी। बेयर्ड ने कहा कि सीईओ के रूप में, निक ने महामारी के दौरान अभूतपूर्व चुनौती के दौर में खेल को संभाला और महत्वपूर्ण विकास और स्थिरता प्रदान की। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि निक कहते हैं, उनका पूरा ध्यान हमारे प्रशंसकों, खिलाड़ियों, प्रसारकों, साझेदारों और पूरे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक और सफल ग्रीष्मकाल प्रदान करने पर है और अगले वर्ष जब वह पद से हटेंगे तो उनकी विरासत और उपलब्धियों का जश्न मनाने का समय होगा। बेयर्ड ने कहा कि निक के निर्णय का समय बोर्ड को एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने की अनुमति देता है और हम शीघ्र ही उनके उत्तराधिकारी को खोजने और नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे।

हॉकले के मार्च 2025 के अंत तक पद छोड़ने की उम्मीद है या संभवतः उनके उत्तराधिकारी की नियुक्ति की प्रक्रिया के आधार पर बाद में भी पद छोड़ सकते हैं।

उपलब्धियों से भरा कार्यकाल

हॉकले को जून 2020 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था और फिर ग्यारह महीने बाद स्थायी सीईओ बनाया गया। उनके कार्यकाल के दौरान महिला और पुरुष दोनों टीमों ने टी20 और वनडे वर्ल्ड कप जीता और पुरुष टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की भी विजेता बनी। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 1988 के बाद 2022 (24 वर्षों बाद) में पहली बार पाकिस्तान का दौरा किया। हॉकले 2012 में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़े थे।

एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता में बंगाल के श्रीजीत ने जीते तीन पदक

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल के श्रीजीत पाल ने 4-5 अगस्त 2024 को थिम्फू, भूटान में आयोजित *द्वितीय दक्षिण एशियाई लाठीखेल प्रतियोगिता* में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। श्रीजीत पाल ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में कई दक्षिण एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपने-अपने देशों के लिए पदक

जीते। श्रीजीत पाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने न केवल पश्चिम बंगाल बल्कि पूरे भारत को गर्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि ने लाठी खेल के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित किए हैं। यह प्रतियोगिता भूटान की राजधानी थिम्फू में आयोजित की गई थी, जहां विभिन्न आयु और वजन वर्गों में खिलाड़ियों ने भाग लिया। श्रीजीत पाल ने अपने अद्वितीय कौशल और धैर्य से स्वर्ण और रजत पदक जीते, जिससे उनकी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रमाण मिला है। श्रीजीत पाल की इस उपलब्धि पर उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है। इस सफलता के बाद लोगों को उम्मीद है कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करते रहेंगे।

एथलेटिक्स महासंघ मनाएगाजेवलिन डे, आयोजित करेगा प्रतियोगिता

एजेंसी
गुवाहाटी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएआई) टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा के इतिहास को ताजा रखने और जेवलिन खेल की लोकप्रियता और प्रसार को बढ़ावा देने के लिए 7 अगस्त को जेवलिन डे के रूप में मना रहा है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के निर्देश पर असम एथलेटिक्स संघ ने भी आगामी 7 अगस्त (बुधवार) को गुवाहाटी के सरुसजई स्टेडियम में जेवलिन डे मनाने का फैसला किया है।

इस दिवस के अनुरूप असम एथलेटिक्स संघ की पहल पर सरुसजाई स्टेडियम में 14, 16, 18, 20 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक-बालिका तथा पुर के बीच राज्य स्तर पर जेवलिन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। असम

एथलेटिक्स संघ के महासचिव गीतार्थ गोस्वामी ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। असम एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष और राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री जयंत मल्लबरुवा, खेल मंत्री नंदिता गार्लोसा, खेल सचिव केजे हिलाली, खेल और युवा कल्याण विभाग के निदेशक प्रदीप तिमुंग जेवलिन डे के उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे। जेवलिन डे समारोह के मद्देनजर असम एथलेटिक्स संघ 7 अगस्त को राज्य के चार पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित करेगा। इनमें क्रमशः निवेदिता गोगोई, कुशल लहन, रजनी चेतिया और बिराज कुमार ओझा शामिल हैं।

गौरतलब है कि राज्य सरकार के मंत्री एवं असम एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष जयंत मल्लबरुवा के निर्देश पर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए महासचिव गीतार्थ गोस्वामी ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय भाला खिलाड़ी कुशल लाहन को संयोजक और करुणाधर दत्ता को अध्यक्ष के रूप में शामिल करते हुए आठ सदस्यीय मजबूत समिति का गठन किया है।

साउथ अफ्रीका टी20 लीग में खेलेंगे दिनेश कार्तिक, पार्ल रॉयल्स के साथ किया करार

एजेंसी
केप टाउन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर व बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अगले साल साउथ अफ्रीकी टी20 लीग (एसए20) में खेलेंगे। रॉयल्स स्पोर्ट्स ग्रुप के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी पार्ल रॉयल्स ने मंगलवार को सीजन-3 के लिए अपने सबसे नए विदेशी खिलाड़ी के रूप में दिग्गज भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को शामिल करने की घोषणा की है। कार्तिक साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे।

हाल ही में 39 वर्षीय बल्लेबाज कार्तिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन 2024 के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था, लेकिन अब उन्होंने साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलने का फैसला किया है।

कार्तिक का फ्रेंचाइजी में स्वागत करते हुए रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कहा कि दिनेश ने सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए अच्छा खेलें हैं। उनका समृद्ध अनुभव सीज़न 3 के लिए हमारी टीम को मजबूत बनाने में योगदान देगा। वह जिस तरह से खेल के प्रति अपना दृष्टिकोण रखते हैं, उसके कारण वह हमेशा लीगों में प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के लिए एक बड़ी संपत्ति साबित हुए हैं, इसलिए यह हमारे लिए एक रोमांचक अनुबंध है और हम उनके आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कार्तिक ने क्रिकेट में वापसी और एसए20 में खेलने पर कहा कि मेरे पास दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की बहुत सारी यादें हैं और जब यह अवसर मेरे सामने आया, तो मैं मना नहीं कर सका, क्योंकि क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा। उन्होंने कहा कि भले ही मुझे आईपीएल में रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करने का मौका न मिला, लेकिन मैं पार्ल रॉयल्स टीम में शामिल होकर बहुत खुश हूं, जिसमें बहुत अनुभव, गुणवत्ता और क्षमता है। मैं निश्चित रूप से समूह में शामिल होने और एक रोमांचक सीजन में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। कार्तिक का आईपीएल करियर कई टीमों के साथ लंबा और शानदार रहा है, लेकिन उन्होंने कभी राजस्थान रॉयल्स के लिए नहीं खेला। कार्तिक सफेद गेंद के क्रिकेट में एक फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। उनका भारतीय टीम के लिए एक शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 26 टेस्ट मैच, 94 वनडे और 60 टी20 मैच खेले हैं। बल्लेबाज ने टेस्ट मैचों में 1025 रन, वनडे फॉर्मेट में 73.24 की स्ट्राइक रेट और 30.21 की औसत से 1752 रन और टी20 मैचों में 142.62 की स्ट्राइक रेट और 26.38 की औसत से 686 रन बनाए। दिनेश कार्तिक ने 257 आईपीएल मैचों में 135.36 के स्ट्राइक और 26.32 की औसत से 4842 रन बनाए हैं। ओवरऑल कार्तिक ने टी20 प्रारूप में विभिन्न टीमों से खेलते हुए 401 मैचों में 136.96 की स्ट्राइक रेट से 7407 रन बनाए हैं।

विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक से बाहर, तबीयत बिगड़ने के कारण खेल गांव के पॉलीक्लिनिक में भर्ती

एजेंसी
पेरिस। भारत के लिए पेरिस ओलंपिक के 12वें दिन की शुरुआत एक दुखद खबर के साथ हुई। कुश्ती के 50 किग्रा फाइनल में पहुंची विनेश फोगाट को डिसक्वालीफाई कर दिया गया है। इस फैसले से आहत विनेश डिहाइड्रेशन के चलते बेहोश हो गईं और अब उन्हें खेल गांव के पॉलीक्लिनिक में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने आईएएनएस को

बताया, विनेश फोगाट को डिहाइड्रेशन के कारण खेल गांव के अंदर पॉलीक्लिनिक में भर्ती कराया गया था, किसी अस्पताल में नहीं।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को एक बयान जारी कर अधिक वजन के कारण विनेश के खेलों से बाहर होने पर चिंता जताई और पहलवान की निजता का सम्मान करने को कहा। स्पर्धा से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद, विनेश प्रतियोगिता में अंतिम स्थान पर रहेंगी। मंगलवार रात को सेमीफाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुज़मैन को 5-0 से हराकर विनेश ओलंपिक खेलों के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गईं। सेमीफाइनल में जीत के बाद, विनेश ने जॉगिंग, स्किपिंग और साइक्लिंग कर वजन को कम करने का हरसंभव प्रयास किया।

पेरिस ओलंपिक सर्फिंग सेमीफाइनल के दौरान दिखी व्हेल

एजेंसी
ताहिती । ताहिती में पेरिस ओलंपिक खेलों की सर्फिंग प्रतियोगिता के अंतिम दिन सोमवार दोपहर जब सभी की निगाहें समुद्र में अपना कौशल दिखा रहे खिलाड़ियों पर टिकी थी तभी वहां एक नया दर्शक पहुंच गया जो थी एक व्हेल।

ब्राजील की तातियाना वेस्टन वेब और कोस्टा रिका की ब्रिसा हेनेसी जब सेमीफाइनल मैच में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे तभी वहां व्हेल पहुंच गई। वह हालांकि खिलाड़ियों से सुरक्षित दूरी पर थी और इसलिए प्रतियोगिता जारी रही।

दर्शकों और फोटोग्राफरों की निगाहें खिलाड़ियों से हटकर व्हेल पर टिक गई और उन्होंने इस अद्भुत दृश्य को

अपने कैमरों में कैद किया। दुनिया भर में सर्फिंग के दौरान पक्षियों, सील और यहां तक कि शार्क का दिखना आम बात है।

शिल्पा शिंदे से क्यों खफा थीं कपिल शर्मा की ऑन स्क्रीन 'बीवी'?

शिल्पा शिंदे का रोहित शेट्टी के एडवेंचर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' का सफर भले ही खत्म हो चुका है. लेकिन शो से बाहर होने से पहले उन्होंने कुछ खिलाडियों की नाक में दम कर रखा था. इन खिलाडियों में 'अनुपमा का बेटा' आशीष मेहरोत्रा, कपिल शर्मा की ऑनस्क्रीन बीवी सुमोना चक्रवर्ती और टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा का नाम शामिल है. दरअसल इन तीनों ने शिल्पा पर अनफेयर होने का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि जब रोहित शेट्टी ने शिल्पा के ऊपर कौन-सा कंटेस्टेंट पहले टास्क परफॉर्म करेगा, उस हिसाब से सभी कंटेस्टेंट को नंबर देने की जिम्मेदारी सौंपीं, तब शिल्पा ने अपने पसंदीदा खिलाडियों को आगे जाने का मौका दिया था.

दरअसल खतरों के खिलाड़ी में आमतौर पर रोहित शेट्टी की तरफ से स्टंट दिए जाते हैं. स्टंट परफॉर्म करने के बाद कंटेस्टेंट को शो में आगे बढ़ने का मौका दिया जाता है. जो खिलाड़ी इस टास्क में परफॉर्म नहीं कर पाते, उन्हें 'सिंघम' निर्देशक फियर फंदा देकर एलिमिनेशन के स्टंट के लिए भेज देते हैं. लेकिन इस साल 'खतरों के खिलाड़ी' के लेटेस्ट एपिसोड में रोहित शेट्टी अपने ही फॉर्मेट में एक नया ट्विस्ट लेकर आए. उन्होंने सभी कंटेस्टेंट्स से कहा कि वो उन्हें बैक टू बैक कुछ चैलेंजिंग स्टंट करने का मौका देने वाले हैं. इन स्टंट के दौरान सभी को ज्यादा से ज्यादा फ्लैग इकट्ठा करने होंगे. आखिर में जिसके सबसे कम फ्लैग इकट्ठा होंगे, उन तीन कंटेस्टेंट के बीच एलिमिनेशन टास्क परफॉर्म होगा.

शिल्पा को दी गई नई जिम्मेदारी

रोहित शेट्टी की इस घोषणा के बाद जब पहला स्टंट हुआ, तब इस स्टंट में गश्मीर महाजन और करणवीर ने सबसे ज्यादा फ्लैग इकट्ठा किए, दूसरी तरफ सुमोना, अभिषेक कुमार, अदिति शर्मा और शिल्पा शिंदे का हाल हमेशा की तरह बेहाल रहा और उन्होंने ये टास्क अबोर्ट कर दिया. इस टास्क के बाद जब सभी कंटेस्टेंट अगले टास्क की लोकेशन पर पहुंचे, तब रोहित शेट्टी ने शिल्पा पर कौन सा कंटेस्टेंट किस नंबर पर परफॉर्म करेगा, ये चुनने की जिम्मेदारी सौंपी.

शिल्पा ने लिया फैसला

कंटेस्टेंट की रैंकिंग करने से पहले सुमोना चक्रवर्ती ने शिल्पा शिंदे से गुजारिश करते हुए कहा कि वो नंबर दो पर टास्क परफॉर्म करने के लिए जाना चाहती हैं. तो आशीष और अदिति ने शिल्पा से कहा कि जिनके पास कोई भी फ्लैग नहीं हैं उन्हें शिल्पा को पहले टास्क परफॉर्म करने का मौका देना चाहिए. लेकिन शिल्पा ने इन कंटेस्टेंट को नजरअंदाज करते हुए अभिषेक कुमार को पहले, करणवीर मेहरा को दूसरे, खुद को तीसरे और कृष्णा श्रॉफ को 4 थें नंबर पर जाने का मौका दिया तो सुमोना, अदिति और आशीष को आखिरी नंबर दिया.

माधुरी दीक्षित की वजह से इस फिल्म के सेट पर रो पड़ी थीं करिश्मा कपूर, डरकर मां को किया था फोन

करिश्मा कपूर इन दिनों टीवी रियलिटी शो 'इंडियास बेस्ट डांसर 4' में बतौर जज नजर आ रही हैं. वो अक्सर शो से वीडियो शेयर करती रहती हैं. कुछ दिन पहले शो में माधुरी दीक्षित पहुंची थीं, जिनके साथ करिश्मा कपूर ने अपनी 27 साल पहले आई फिल्म 'दिल तो पागल है' के गाने 'चक धूम धूम' पर धमाकेदार डांस किया था. यही वो फिल्म थी, जिसे करिश्मा कपूर, माधुरी की वजह से रिजेक्ट करना चाहती थीं.दरअसल करिश्मा कपूर, माधुरी दीक्षित के साथ डांस करने के लिए कॉन्फिडेंट नहीं थीं. इसलिए वो फिल्म को ही रिजेक्ट कर रही थीं. करिश्मा कपूर ने बताया कि जब उन्हें 'दिल तो पागल है' ऑफर की गई, तो उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया था. उन्हें लगा कि इसे रिजेक्ट करना सबसे अच्छा होगा क्योंकि कई एक्ट्रेस ऐसा कर चुकी थीं. करिश्मा को खुद पर डाउट था और उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि वो माधुरी दीक्षित के साथ फिल्म और डांस कैसे करेंगी.

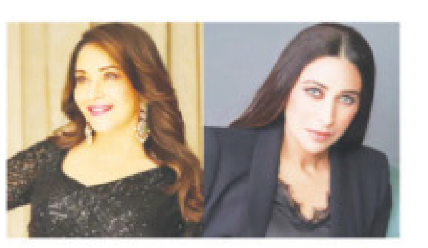

रोने लगी थीं करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर ने आगे बताया कि जब उन्होंने फिल्म रिजेक्ट कर दी तो आदित्य चोपड़ा ने उनसे फिर से मुलाकात की और उनसे स्क्रिप्ट सुनने की रिक्वेस्ट की. लेकिन वो पहले से ही घबराई हुई और डरी हुई थीं. उन्होंने कहा, नरेशन के दौरान मेरी मां भी वहीं मौजूद थीं तो मैंने कहा कि मैं क्या करूं? उन्होंने कहा कि मैं आपको कह रही हूं कि ये फिल्म आपको करनी ही चाहिए. फिर जिस दिन 'डांस ऑफ एन्वी की शूटिंग चल रही थी, मैं शॉट से पहले ही रोने लगी.करिश्मा ने आगे बताया कि उन्होंने अपनी मां बबीता कपूर को फोन किया. उनकी मां ने करिश्मा से सेगमेंट के लिए शूट करने के लिए कहा और फोन काट दिया. इसके बाद वो और भी ज्यादा रोने लगी. लेकिन फिर उन्होंने हिम्मत की और कॉन्फिडेंस हासिल किया और माधुरी दीक्षित के साथ डांस करके अपनी मां को साबित कर दिया कि वो ये कर सकती थीं. इससे पहले उन्होंने इसी शो पर बताया था कि वो माधुरी के डांस की शुरुआत से फैन रही हैं.

'दिल तो पागल है'

'दिल तो पागल है' साल 1997 में रिलीज हुई थी. फिल्म को आए 27 साल हो चुके हैं. इसमें करिश्मा कपूर, माधुरी दीक्षित के अलावा अक्षय कुमार और शाहरुख खान भी लीड रोल में नजर आए थे. फिल्म इतने सालों बाद भी लोगों को खूब पसंद आती है.

अजय देवगन की फिल्म में संजय दत्त वाला रोल छीनकर रवि किशन को क्यों दे दिया?

अजय देवगन की फिल्मों को लेकर तगड़ा बज बना हुआ है. इस साल उनकी तीन फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. जहां 'शैतान' को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, वहीं 'मैदान' फ्लॉप रही. उम्मीदें थी कि 'औरों में कहां दम था' अच्छा परफॉर्म करेगी पर फिल्म की शुरुआत ही धीमी रही. इस वक्त उनकी जिन फिल्मों की तैयारियां चल रही हैं, वो है- सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2. फिलहाल 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग भारत में चल रही है. ऐसा पता लगा कि रकुलप्रीत सिंह अपने हिस्से के शूट में बिजी हैं. वहीं 'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग विदेश में चल रही है. हाल ही में अजय देवगन ने फिल्म का ऐलान करते हुए एक वीडियो शेयर किया था. इसमें वो गुरुद्वारे में माथा टेकते दिखाई दे रहे हैं. साथ ही मृणाल ठाकुर भी ढोल लिए परफॉर्म करती नजर आ रही हैं. वहीं, अजय देवगन भी पुराने वाले अवतार में दिख रहे हैं.

हाल ही में मिड डे पर एक रिपोर्ट छपी थी. इसमें कहा गया कि संजय दत्त को यूके का वीजा नहीं मिला. इसके चलते उनके हाथ से फिल्म निकल गई है. उनकी जगह फिल्म में अब रवि किशन नजर आएंगे. सोर्स के मुताबिक, साल 1993 में संजय दत्त ने गिरफ्तारी के बाद अमेरिका ट्रैवल किया था. पर उन्हें कई बार अप्लाई करने के बाद भी यूके का वीजा नहीं मिला. 'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग के लिए अगर वो यूके जा पाते तो उनका यह पहला टूर होता. हालांकि, अजय देवगन की टीम को पता चलते ही उन्होंने संजय दत्त की जगह रवि किशन की एंट्री करवा दी.

क्या संजय दत्त फिल्म से बाहर हो गए ?

हाल ही में बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट सामने आई. इसमें संजय दत्त की जगह रवि किशन को लेने की अफवाहों को खारिज कर दिया गया है. ऐसा कहा जा रहा है कि संजय दत्त फिल्म का जरूरी हिस्सा बने रहेंगे. वहीं, वो इंडिया के शेड्यूल के लिए बड़े पैमाने पर शूटिंग करेंगे. हालांकि यह बात कंफर्म हुई है कि फिल्म में रवि किशन की एंट्री हो गई है, वो अहम भूमिका निभाने वाले हैं. वहीं, इस बात पर जोर दिया गया कि रवि किशन का आने का मतलब यह नहीं है कि संजय दत्त को हटा दिया गया है. रवि किशन फिल्म में संजय दत्त की भूमिका निभाएंगे. जबकि संजय दत्त एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे.

स्टार कास्ट में हुए बदलाव

दरअसल 'सन ऑफ सरदार 2' में समय के साथ स्टार कास्ट में कुछ बदलाव दिखाई दिए हैं. पहले पार्ट में सोनाक्षी सिन्हा थी, पर इस बार मृणाल ठाकुर को लिया गया है. हाल ही में संजय दत्त की एग्जिट की खबरें थी पर अब पता लगा कि वो फिल्म में होंगे.

बार-बार आती रहेगी... 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की रिलीज से पहले ही पार्ट 3 कंफर्म हो गया!

विक्रांत मैसी पिछले साल अपनी फिल्म 12ह्म्द्ध फेल को लेकर खूब सुर्खियों में रहे. उनकी फिल्म हिट साबित हुई, जिसे दर्शकों को खूब प्यार मिला. अब वो अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका नाम 'फिर आई हसीन दिलरुबा' है. इस फिल्म में वो तापसी पन्नू और सनी कौशल के साथ नजर आएंगे. ये फिल्म साल 2018 में आई फिल्म 'हसीन दिलरुबा' का दूसरा पार्ट है. 6 साल बाद अब फिल्म का सीक्वल आने वाला है. इसके लिए फिल्म की पूरी टीम प्रमोशन में जुटी हुई है. हाल ही में तापसी पन्नू ने एक इंटरव्यू में फिल्म के अगले पार्ट को लेकर खुलासा किया. उन्होंने बताया की फिल्म का तीसरा पार्ट भी बनेगा.

तापसी पन्नू से पूछा गया कि क्या 'हसीन दिलरुबा' का तीसरा पार्ट भी आने वाला है, तो तापसी ने मजाक में कहा कि वो अपने को-एक्टर्स विक्रांत मैसी और सनी कौशल की तरह ज्यादा नहीं पढ़ती हैं. उन्होंने फिल्म के तीसरे पार्ट के लिए कनिका ढिल्लों को 'स्श्चद्बष्द्ग' नाम की एक बुक दी है.तापसी ने आगे कहा, उम्मीद है कि हसीन दिलरुबा बार-बार आती रहेगी और कभी जाएगी ही नहीं. आप फ्यूचर में भी मेरे और कनिका के साथ में कई प्रोजेक्ट्स देखेंगे. अब हम कई चीजों के बारे में सोच रहे हैं जो हम साथ मिलकर कर सकते हैं.

कनिका-तापसी ने साथ काम किया

कनिका ढिल्लों 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की राइटर हैं. इस फिल्म को जयप्राद देसाई ने डायरेक्ट किया है. तापसी ने कनिका के क्राफ्ट की भी तारीफ की . उन्होंने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि ढिल्लों उनसे कुछ भी करवा सकती हैं. साथ ही बताया कि 'मनमर्जियां' के बाद उन्होंने 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की और वो फैंचाइज़ी उनके दिल के बहुत करीब हो गई. कनिका और तापसी ने पहले भी साथ काम किया है.

राइटर और एक्ट्रेस

तापसी ने कनिका के लिए कहा, वो मेरी तरह की महिलाओं के बारे में बहुत अच्छी तरह लिखती हैं. वो महिलाएं हैं जो गलतियां करेंगी, लेकिन उन्हें मानेंगी और ईमानदार रहेंगी कि उन्होंने कुछ गलत किया है. तापसी ने इस बात पर जोर दिया कि गलतियों को कभी भी छुपाया नहीं जाता. वो मानती हैं कि कनिका और तापसी एक राइटर और एक्ट्रेस के तौर पर एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझती हैं.